खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 26 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-175


## एक्सिओम-4 ने आईएसएस के लिए भरी कामयाब उड़ान

# शुभांशु ने लहराया अंतरिक्ष में तिरंगा

**भारतीय वायुसेना** के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने आज भारतीय अंतरिक्ष यात्री के रूप में इतिहास रच दिया। वह 41 वर्ष पहले लगातार आठ दिन पृथ्वी के चक्कर लगाने वाले वायुसेना अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में रवाना होने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुभांशु शुक्ला को बधाई देते हुए कहा, शुभांशु 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाएं, उम्मीदें और आकांक्षाएं लेकर अंतरिक्ष गए हैं। हम भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरिका के अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरिक्ष मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत करते हैं। भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बने हैं। उन्हें और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को सफलता की शुभकामनाएं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्सिओम-4 मिशन पर कहा, शुभांशु शुक्ला ने नया मील का पत्थर स्थापित किया, पूरा देश एक भारतीय की अंतरिक्ष यात्रा से उत्साहित और गौरवान्वित है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जीतेंद्र सिंह ने भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला द्वारा संचालित एक्सिओम के प्रक्षेपण पर कहा, यह भारत के विकसित भारत के शिखर पर पहुंचने का अग्रदूत है।

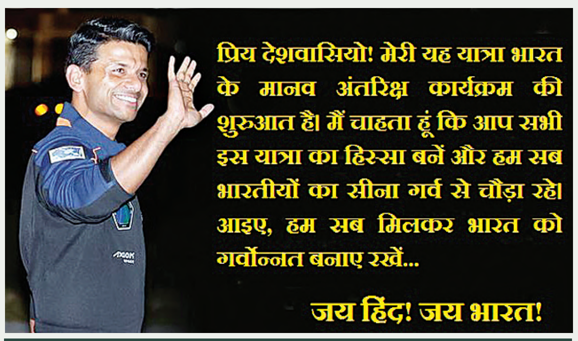


राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत सम्पूर्ण देश ने दी बधाई

अपने अधिकारी के प्रति गौरव जताते हुए भारतीय वायुसेना ने आधिकारिक तौर पर कहा, आसमान को जीतने से लेकर सितारों को छूने तक भारतीय वायुसेना के योद्धा की अदम्य भावना से प्रेरित एक यात्रा। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एक ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन पर रवाना हुए, जो राष्ट्र के गौरव को पृथ्वी से परे ले जाएगा। यह भारत के लिए एक ऐसा क्षण है, जो स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा के मिशन के 41 साल बाद आया है, जिन्होंने पहली बार हमारे तिरंगे को पृथ्वी से परे ले जाया था। एक मिशन से कहीं अधिक होने के नाते, यह भारत के निरंतर विस्तारित क्षितिज की पुष्टि है।

अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच कर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने संदेश दिया, नमस्कार, मेरे प्यारे देशवासियों। हम 41 साल बाद एक बार फिर अंतरिक्ष में आए हैं। यह एक अद्भुत सफर है। हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे हैं। मेरे कंधों पर उभरा हुआ तिरंगा मुझे बताता है कि मैं आप सभी के साथ हूं। मेरी यह यात्रा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की शुरुआत नहीं है, बल्कि भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत है। मैं चाहता हूं कि आप सभी इस यात्रा का हिस्सा बनें। हम सब भारतीयों का सीना गर्व से चौड़ा रहे। आइए, हम सब मिलकर भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत करें और अपने देश को

▶10 पर

### संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाई गई आपातकाल की बरसी

# भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का काला अध्याय : मोदी

*आपातकाल के फैसले के खिलाफ केंद्रीय कैबिनेट में निंदा प्रस्ताव*

*कांग्रेस की सत्ता की भूख का अन्यायकाल था आपातकाल : शाह*

*आपातकाल का विरोध आजादी का तीसरा आंदोलन था : शिवराज*

**नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।** संविधान हत्या दिवस के रूप में आज देशभर में आपातकाल की बरसी मनाई गई। देश में 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल को आज 50 साल पूरे हो गए। आपातकाल की 50वीं बरसी के मौके पर केंद्रीय कैबिनेट ने 1975 में लगे आपातकाल को लोकतंत्र की हत्या करार दिया और इस फैसले के खिलाफ औपचारिक रूप से निंदा का प्रस्ताव पारित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आपातकाल से लड़ने वाले अनगिनत लोगों के बलिदानों का स्मरण करने का संकल्प लिया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संविधान की हत्या के प्रयास को असफल करने वाले इन प्रजातंत्रों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। संविधान पर यह प्रहार 1974 में नवनिर्माण आंदोलन और संपूर्ण क्रांति अभियान को कुचलने के कठोर प्रयास के साथ शुरू हुआ था। आज केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में गणतंत्र के इन सभी वीरों के अद्वितीय साहस और बलिदान के प्रति श्रद्धांजलि के लिए 2 मिनट मौन रखा गया। यह श्रद्धांजलि उन सभी नागरिकों के लिए भी है जिनके संविधान प्रदत्त लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिए गए थे और जिन्हें अकल्पनीय यातनाओं का सामना करना पड़ा। वर्ष 2025 संविधान हत्या दिवस की 50वीं बरसी है। यह भारतीय इतिहास का एक अविस्मरणीय अध्याय था। आपातकाल में संविधान को कुचलने का प्रयास किया गया, भारत की लोकतांत्रिक भावना पर हमला किया गया, और संघवाद को नष्ट किया गया। मौलिक अधिकार, मानवीय स्वतंत्रता और गरिमा को भी खत्म किया गया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वरिष्ठ नागरिकों के साथ-साथ युवाओं को भी इन लोकतंत्र सेनानियों से सीखने का आह्वान किया। इन वीरों ने तानाशाही प्रवृत्तियों का विरोध किया और हमारे संविधान एवं लोकतांत्रिक भावना की दृढ़ता से रक्षा की।

▶10 पर

### केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण फैसले

# आगरा में बनेगा अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र

**नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।** केंद्र सरकार ने मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में तीन महत्व-पूर्ण फैसलों पर मुहर लगाई। केंद्र ने आगरा में अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र की स्थापना करने और पुणे मेट्रो के फेज-2 को शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। केंद्र सरकार ने झरिया कोल फील्ड क्षेत्र में लगी भूमिगत आग से प्रभावित लोगों के पुनर्वास और संशोधित झरिया मास्टर प्लान को भी मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत करते हुए भी प्रस्ताव पारित किया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने आगरा के सिंगना में अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र (सीआईपी) के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना को मंजूरी दे दी। इसके लिए 111.5 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी। मुख्य उद्देश्य खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, किसानों की आय और रोजगार सृजन को बढ़ाना है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आलू उत्पादक राज्य है। उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा आलू उत्पादक राज्य है। इस निवेश का मुख्य उद्देश्य आलू तथा शकरकंद की उत्पादकता, कटाई के बाद प्रबंधन एवं मूल्य संवर्धन में सुधार करके खाद्य तथा पोषण सुरक्षा, किसानों की आय और रोजगार सृजन को बढ़ाना है। आलू क्षेत्र में उत्पादन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, परिवहन, विपणन और मूल्य श्रृंखला में रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर उत्पन्न करने की क्षमता है। कैबिनेट में लिए गए फैसले पर जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि आलू पर शोध के क्षेत्र में अपार संभावनाओं का पता लगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र (सीआईपी)

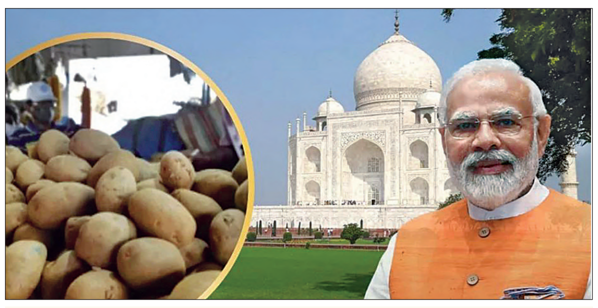

**पुणे मेट्रो फेज-2 और झरिया मास्टर प्लान मंजूर**

▶10 पर

# अब भारत में ही होगी राफेल इंजन की मरम्मत

### हैदराबाद में फ्रांस की कंपनी बनाएगी नया सेंटर

**हैदराबाद, 25 जून (एजेंसियां)।** फ्रांस की कंपनी सैफरन एयरक्राफ्ट इंजन ने हैदराबाद में राफेल के एम-88 इंजन की मरम्मत के लिए एक नया सेंटर के निर्माण की घोषणा की है। यह साइट फ्रांस से बाहर एम-88 मॉड्यूल का रखरखाव करने वाली पहली साइट होगी। यह कंपनी राफेल लड़ाकू जेट इंजनों, खास तौर रूप से एम88 इंजनों का मेंटेनेंस करती है। इस नए सेंटर की सालाना क्षमता लगभग 600 से अधिक मॉड्यूल की होगी। इससे 2040 तक 150 नौकरियां सृजित होंगी। यह दुनियाभर में एम-88 रख-रखाव गतिविधियों के मजबूत विकास में मदद करेगा। सैफरन एयरक्राफ्ट इंजन में मिलिट्री इंजन के कार्यकारी उपाध्यक्ष क्रिस्टोफ ब्रूनो ने कहा, हमें एम-88 रखरखाव की अंतरराष्ट्रीय सुविधा के रूप में हैदराबाद को चुनने पर खुशी है। यह प्रोजेक्ट एयरोस्पेस और रक्षा में भारतीय संप्रभुता के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। ब्रूनो ने कहा, यह निर्णय सभी एम-88 ऑपरेटरों के लाभ के लिए एक वैश्विक स्तर का इकोसिस्टम विकसित करने की हमारी प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित करती है।

▶10 पर

### एनआईए ने कोर्ट में प्रस्तुत किए दस्तावेजी प्रमाण

# पीएफआई की हिट लिस्ट में 972 लोग

### हिट लिस्ट में पूर्व जज समेत कई अन्य

**कोच्चि, 25 जून (एजेंसियां)।** केरल में प्रतिबंधित आतंकी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया की साजिशों का बड़ा खुलासा हुआ है। एनआईए ने कोर्ट में बताया कि पीएफआई ने 972 लोगों की हिट लिस्ट तैयार की थी, जिसमें एक पूर्व जिला जज और संघ से जुड़े लोगों सहित अन्य प्रभावशाली लोग शामिल थे। पीफआई की रिपोर्टर्स विंग ने इन लोगों की निजी जानकारी जुटाई थी। एनआईए ने मामले में कई दस्तावेज कोर्ट में पेश किए हैं।

एनआईए द्वारा कोर्ट में पेश दस्तावेजों के अनुसार, पीएफआई ने अपने गुप्त रिपोर्टर्स विंग के जरिए इन लोगों की निजी जानकारी एकत्र की थी। इसमें नाम, उम्र, फोटो, पद और रोजमर्रा की गतिविधियों तक का विवरण रखा गया। यह जानकारी जिला स्तर पर इकट्ठा कर संगठन के राज्य स्तर के नेताओं तक पहुंचाई जाती थी। एनआईए ने बताया कि पीएफआई की तीन मुख्य शाखाएं थीं रिपोर्टर्स विंग, फिजिकल और आर्म्स ट्रेनिंग विंग और सर्विस विंग/हिट टीम्स। रिपोर्टर्स विंग एक तरह से संगठन की खुफिया शाखा थी, जो खासतौर पर हिंदू समुदाय के नेताओं की जानकारी जुटाती थी। इन सूचनाओं का इस्तेमाल जरूरत पड़ने पर हत्या जैसे हमलों को अंजाम देने में

▶10 पर

### मोदी की तारीफ की तो शशि थरूर पर भड़के खड़गे

# उड़ने के लिए इजाजत नहीं पंख होना चाहिए : थरूर

**नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।** ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न देशों में गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के वापस भारत लौटने के बाद एक दल के नेता कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक अखबार में लेख लिखा। उसमें शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए प्रशंसा के शब्द लिखे। इस तारीफ से कांग्रेस नेताओं को मिर्ची लगी हुई है। कांग्रेस नेता खुलकर शशि थरूर पर निशाना साध रहे है। यहां तक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी कह दिया कि कुछ लोगों के लिए मोदी पहले आते हैं और देश बाद में। शशि थरूर के लेख पर खड़गे ने कहा, मैं अंग्रेजी नहीं पढ़ सकता हूं, लेकिन उनकी भाषा काफी अच्छी है। इसी वजह से हमारी तरफ से उन्हें कांग्रेस पार्टी की वर्किंग कमेटी का हिस्सा बनाया गया था। लेकिन मैं यहां पर एक बात साफ कर दूं कि हम सभी, पूरा विपक्ष आर्मी के साथ, सरकार के साथ आया था। हम तो हमेशा से ही कह रहे हैं कि देश सबसे पहले रहना चाहिए। लेकिन कुछ लोगों के लिए मोदी ज्यादा प्राथमिकता रखते हैं, उसके बाद देश आता है।

▶10 पर

## कार्टून कॉर्नर

## मौसम हैदराबाद

अधिकतम : $29^0$

न्यूनतम : $23^0$

### जरा याद करो शहीद शिक्षिका गिरिजा टिक्कू की कुर्बानी

# बीच चौराहे जिंदा ही आरा मशीन से चीर डाला था

**शुभ-लाभ पीड़ा**

**25 जून 1975** को भारत में लगे आपातकाल की बरसी मनाई जा रही है। इसमें सियासत है, इसमें वोट का फायदा है, इसमें तमाम राजनीतिक स्वार्थ-सिद्धियां संलग्न हैं, इसलिए तमाम नेता और पिछलग्गू लोग आपातकाल के निंदा-रस का आस्वादन लेने में लगे हैं। लेकिन उस काले दिवस के 15 साल बाद उसी तारीख को यानि 25 जून 1990 को जम्मू कश्मीर में जो हृदय विदारक घटना हुई थी, उससे बड़ा काला अध्याय और कुछ नहीं हो सकता, लेकिन उस पर कोई शोक नहीं मना रहा। जम्मू कश्मीर की स्कूल शिक्षिका गिरिजा टिक्कू को अगवा कर उसके साथ लगातार सामूहिक बलात्कार होता रहा और 25 जून 1990 को श्रीनगर के बाजार में घसीटकर उसे आरा मशीन में जिंदा ही दो टुकड़ों में चीर डाला गया। यह उन लोगों ने किया जो ऐसे धतकरम को अपना धार्मिक पुण्यकर्म मानते हैं। आप समझ सकते हैं कि वे कैसे घृणित धार्मिक लोग रहे होंगे। लेकिन उससे भी ज्यादा घृणित हैं इस देश के नेता, नस्लदूषित बुद्धिजीवी, अधर्मी धर्मनिरपेक्ष और दुर्गतिगामी प्रगतिशील लोग, जो शहीद गिरिजा टिक्कू की शहादत पर शोक का एक शब्द तक नहीं बोलते, आंसू बहाने की तो बात ही छोड़िए।

शहीद गिरिजा टिक्कू

**25 जून 1990 इतिहास का सबसे घृणित कालिख पुता पन्ना**

कुछ वर्ष पूर्व एक फिल्म आई थी, द कश्मीर फाइल्स... गिरिजा टिक्कू के साथ हुए घृणित बरताव और उनकी नृशंस हत्या पर चुप्पी साधने वाली दोगली जमातें उस फिल्म को लेकर हंगामा कर रही थीं। शहीद गिरिजा टिक्कू के साथ हुआ जघन्य कृत्य हमेशा पीड़ा देता है। 25 जून आता है तो यह पीड़ा कुछ अधिक ही बढ़ जाती है। यह पीड़ा वे लोग जानते हैं जिन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी और भुज से पूर्वोत्तर तक धर्म के नाम पर हो रही अधर्मी हिंसा को भुगता है। जिन्होंने अधर्मी पापियों के हाथों महिलाओं के जीवित जलने, जीवित कटने और बलत्कृत होकर

▶10 पर

# 3,000 वाहनों से भरा मालवाहक जहाज आग लगने के बाद प्रशांत महासागर में डूबा

**लंदन, 25 जून (एजेंसियां)।** लंदन स्थित कंपनी का एक मालवाहक जहाज आग लगने के कुछ सप्ताह बाद उत्तरी प्रशांत महासागर में डूब गया। इस जहाज में 3,000 से अधिक इलेक्ट्रिक और अन्य वाहन थे, जो मेक्सिको जा रहा था। बता दें कि कुछ सप्ताह पहले जहाज में आग लगने के बाद चालक दल के सदस्यों ने आपात स्थिति बताते हुए इसे छोड़ दिया था। हालांकि, उसके बाद भी इसकी आग को नहीं बुझाया जा सकता था आखिर में यह समुद्र में समा गया। जहाज की प्रबंधन

कंपनी जोडियाक मैरीटाइम के अनुसार, 2006 में निर्मित यह लाइबेरियाई मॉर्निंग मिडास नामक जहाज 26 मई को चीन के यंताई तट से 3,000 नए वाहन लेकर मेक्सिको के लाजारो कार्डेनास जा रहा था।

इसमें 800 इलेक्ट्रिक वाहन थे। कंपनी ने बताया कि 600 फुट लंबे इस मालवाहक जहाज में 3 जून को अलास्का तट से लगभग 300 मील दूर अचानक आग लग गई थी। जिसके बाद चालक दल के 22 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया था। अमेरिकी तट रक्षक प्रवक्ता ने बताया कि आग की लपटों के कारण हुए नुकसान, खराब मौसम और पानी के रिसाव के कारण जहाज अलास्का में एलेउटियन द्वीप श्रृंखला से 415 मील दूर समुद्र में 16,404 फीट गहराई में डूब गया।

उन्होंने बताया कि आग की सूचना के बाद तट रक्षक ने आग बुझाने के लिए एयरक्रू और एक कटर जहाज भेजा था, लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। ऐसे में आखिर में जहाज को समुद्र में ही छोड़ दिया गया था।अमेरिकी तट रक्षक प्रवक्ता ने बताया कि घटना के बाद कोई दृश्यमान प्रदूषण नहीं था।

अमेरिकी तट रक्षक के पास प्रदूषण के किसी भी संकेत के मामले में प्रतिक्रिया देने के लिए वर्तमान में जहाज तैयार हैं। उन्होंने बताया कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए 2 बचाव दलों को उस क्षेत्र के पास तैनात किया गया है, ताकि किसी भी प्रदूषण या मलबे को नियंत्रित किया जा सके। प्रबंधन कंपनी अतिरिक्त सहायता के लिए प्रदूषण प्रतिक्रिया वाहन भी भेजेगी।

## न्यूज ब्रीफ

### सहयोगी पार्टी ने ओली सरकार से समर्थन वापसी का दिया संकेत

**काठमांडू।** नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार को समर्थन दे रही जनता समाजवादी पार्टी नेपाल (जसपा नेपाल) ने सरकार से समर्थन वापस लेने का संकेत दिया है। बजट पेश किए जाने से ठीक पहले समर्थन वापसी के संकेत से ऊपरी सदन से बजट पारित नहीं हो सकता। जसपा नेपाल की केंद्रीय समिति की बैठक में ओली सरकार से समर्थन वापस लेने के लिए संसदीय दल को निर्देश दिया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र यादव ने बुधवार को पत्रकार सम्मेलन कर जानकारी दी है कि पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि ओली सरकार हर मोर्चे पर असफल हो गई है। इतना ही नहीं वो संघीयता को खारिज करने और देश में निरंकुश शासन लादने का प्रयास कर रही है इसलिए पार्टी ने ओली सरकार से समर्थन वापस लेने के लिए पार्टी के संसदीय दल को निर्देश दिया है। पार्टी प्रवक्ता मनीष सुमन ने कहा कि जल्द ही संसदीय दल की बैठक में सरकार से समर्थन वापस लेने का औपचारिक निर्णय लिया जाएगा। जसपा नेपाल के समर्थन वापसी के साथ ओली सरकार द्वारा पेश किए गए आम बजट के ऊपरी सदन में पारित होना मुश्किल है। ऊपरी सदन राष्ट्रीय सभा में सरकार अल्पमत में आ सकती है।

### बांग्लादेश में पांच प्रमुख धार्मिक दल मिलकर लड़ेंगे चुनाव

**ढाका।** बांग्लादेश के पांच प्रमुख धार्मिक दल आगामी आम चुनाव मिलकर लड़ेंगे। पांचों में सहमति हो गई है। इसके लिए एक संपर्क समिति का गठन किया गया है। समिति में हर दल से दो प्रतिनिधि शामिल किए गए हैं। राष्ट्रीय सहमति आयोग की वार्ता पूरी होने के बाद यह पांचों कौमी मदरसा आधारित दल एक बार फिर विचार-विमर्श करेंगे। ये पार्टियां हैं इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश, खिलाफत मजलिस, बांग्लादेश खिलाफत मजलिस, जमीयत उलमा-ए-इस्लाम और नेजाम-ए-इस्लाम पार्टी। खबर के अनुसार, यह सभी दल पिछले कई सालों से इस्लामी एकता बनाने के मुद्दे पर लगातार चर्चा कर रहे हैं। 1971 में मुक्ति संग्राम का विरोध करने वाली जमात-ए-इस्लामी को इस संभावित चुनावी गठबंधन में शामिल नहीं किया गया है। इससे पहले इस वर्ष 23 अप्रैल को इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश कार्यालय में इन पांच इस्लामी दलों की संयुक्त बैठक हुई थी। इस बैठक की अध्यक्षता इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश के अमीर मुफ्ती सैयद मोहम्मद रजाउल करीम उर्फ चारमोनई पीर ने की। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के महासचिव मौलाना मंजुरुल इस्लाम अफेंदी ने कहा कि चुनाव में हम संयुक्त उम्मीदवार उतारेंगे।

### रचा इतिहासः फिल्म निर्देशक मीरा नायर का बेटा जोहरान ममदानी बना न्यूयॉर्क का मेयर!

**न्यूयॉर्क।** भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने अमेरिकी राजनीति में इतिहास रच दिया है। 33 वर्षीय ममदानी का न्यूयॉर्क सिटी का मेयर बनना अब तय हो गया है। भारतीय मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखते वाले ममदानी इस पद पर पहुंचने वाले पहले भारतीय-

अमेरिकी और पहले मुस्लिम होंगे। जोहरान ममदानी का जन्म युगांडा में हुआ था, लेकिन उनके माता-पिता भारतीय मूल के हैं। उनकी मां मीरा नायर, मशहूर फिल्म निर्देशक हैं। उन्होंने 'सलाम बॉम्बे', 'नेमसेक' और 'मॉनसून वेडिंग' जैसी फिल्में बनाई, जो भारत सहित दुनियाभर में मशहूर है। वहीं उनके पिता महमूद ममदानी एक मशहूर शिक्षाविद हैं। जोहरान ममदानी की जीत केवल एक राजनीतिक जीत नहीं, बल्कि भारतीय, मुस्लिम समुदाय और प्रगतिशील राजनीति के लिए भी एक प्रेरणास्रोत है। जोहरान ममदानी का नाम अब केवल अमेरिका की राजनीति में नहीं, बल्कि भारत के कोने-कोने में गूंज रहा है। एक नई उम्मीद और बदले हुए दौर की मिसाल बनकर। अगर ममदानी नवंबर में भी जीत दर्ज करते हैं, तो वे इस अमेरिकी कॉस्मोपॉलिटन सिटी के पहले भारतीय मूल के मेयर होंगे, जो दुनियाभर में फैले भारतीयों के लिए गर्व की बात होगी। जोहरान ने चुनाव प्रचार में मुफ्त बस सेवा, मुफ्त चाइल्ड केयर, अधिक किफायती मकान, न्यूनतम वेतन में इजाफा और अमीरों पर अतिरिक्त टैक्स जैसे मुद्दों को केंद्र में रखा। उन्होंने कहा कि ये सभी योजनाएं आर्थिक न्याय और समान अवसर के मूल सिद्धांतों पर आधारित हैं। उनका चुनाव अभियान युवाओं और गरीब तबकों के बीच बेहद लोकप्रिय रहा। न्यूयॉर्क की गलियों में उनके समर्थकों की भीड़, इंस्टाग्राम पर वायरल वीडियो, और घर-घर जाकर प्रचार करने वाले स्वयंसेवकों की मौजूदगी ने माहौल को 'इलेक्ट्रीक' बना दिया।

# गीदड़ भभकी साबित हुई ट्रंप की कार्रवाई ईरान का कुछ नहीं बिगाड़ पाए अमेरिकी बम!

**अमेरिकी खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट में ही किया गया दावा**

**वाशिंगटन, 25 जून (एजेंसियां)।**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को धमका रहे थे। गीदड़ भभकी देकर उसे दबाने की कोशिश कर रहे थे। वो सभी के सभी प्रयास उस वक्त धरे के धरे रहे गए, जब अमेरिकी बम ईरान का कुछ नहीं बिगाड़ पाए। ईरान पर अमेरिका की तरफ से किए गए हमलों का खास असर नहीं पड़ा है। हाल ही में सामने आई एक अमेरिकी रिपोर्ट में ऐसा दावा किया जा रहा है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस आकलन को खारिज कर दिया है। दरअसल, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि यूएस के हमले में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से खत्म हो गया है। फिलहाल, ईरान और इजरायल के बीच भी सीजफायर लागू है। अमेरिका की खुफिया एजेंसी की शुरुआती रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले में ईरान के परमाणु ठिकाने तबाह नहीं हुए हैं। इसमें कहा गया है कि संभावनाएं हैं कि कार्यक्रम कुछ महीने पिछड़ सकता है। सीएनएन ने पहले इस डिफेंस इंटेलीजेंस आकलन रिपोर्ट की जानकारी दी थी। अमेरिका ने फोर्दो, नतांज और इशफाहां पर हमले किए थे। जानकारों का कहना है कि ईरान का यूरेनियम भंडार नष्ट नहीं हुआ है। इनमें से एक का कहना है कि सेंट्रीफ्यूजेस अब भी मौजूद हैं। उन्होंने कहा है कि डीआईए का आकलन यह है कि अमेरिका ने उन्हें ज्यादा से ज्यादा कुछ महीनों के लिए पीछे धकेल दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान के यूरेनियम का कम से कम कुछ हिस्सा अमेरिका हमलों से पहले अलग-अलग स्थानों पर पहुंचा दिया गया था।

ईरान के तीन परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाए जाने से जुड़ी जानकारी देने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के शीर्ष खुफिया अधिकारी अमेरिकी संसद के सदस्यों के समक्ष पेश होंगे और गोपनीय जानकारी सहित वस्तुस्थिति से अवगत कराएंगे। ट्रंप प्रशासन के खुफिया अधिकारी कतर में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को ईरान द्वारा निशाना बनाए जाने के एक दिन बाद मंगलवार को कांग्रेस सदस्यों के सवालों का सामना करेंगे।

### जापान ने पहली बार सतह से जहाज पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण किया

**टोक्यो।** जापान ने पहली बार सतह से जहाज पर मार करने वाली मिसाइल का परीक्षण किया है। ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स ने मंगलवार को होक्काइडो में एक प्रशिक्षण मैदान से प्रशांत तटीय जल की ओर एक सिंगल टाइप-88 मिसाइल दागी। जापान ने बुधवार को एक बयान में इस तरह के अपने पहले परीक्षण को वर्तमान गंभीर सुरक्षा माहौल को देखते हुए आवश्यक बताया।जापान टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार जापान सेल्फ-डिफेंस फोर्सेज (एसडीएफ) ने कहा है कि इससे चीन का मुकाबला करने के लिए सैन्य क्षमता में वृद्धि होगी। एसडीएफ आमतौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका के ठिकानों पर सतह से जहाज पर मार करने वाली मिसाइल का अभ्यास करता है, लेकिन वह प्रशिक्षण सत्र महंगे होते हैं और इसमें भाग लेने वाले कर्मियों की संख्या अकसर सीमित होती है। शीर्ष सरकारी प्रवक्ता योशिमासा हयाशी ने बुधवार को नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस तरह के घरेलू लाइव-फायर अभ्यास सैनिकों को प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे अभ्यास वर्तमान गंभीर सुरक्षा माहौल को देखते हुए द्वीपों और अन्य क्षेत्रों की रक्षा करने की क्षमता को बनाए रखने और सुधारने के लिए हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अभ्यास किसी विशिष्ट राष्ट्र के उद्देश्य से नहीं किया गया। जापान अपने रक्षा व्यय को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 2 फीसद के नाटो मानक तक बढ़ाने की बहु-वर्षीय प्रक्रिया में है। यह वाशिंगटन के साथ अपने सैन्य गठबंधन को भी मजबूत कर रहा है। साथी ही ताइवान पर चीन के आक्रमण जैसे खतरों के जवाब में अमेरिकी और जापानी सेनाओं को और अधिक चुस्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

# फिर मुकरे ट्रंप बोले- ईरान में सत्ता बदलना हमारा मकसद नहीं

**वाशिंगटन, 25 जून (एजेंसियां)।**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपनी बात से मुकर गए हैं। पहले उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि ईरान की सत्ता भी बदली जा सकती है। अब कह रहे हैं कि सत्ता परिवर्तन हमारा मकसद नहीं है। मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा, नहींज अगर ऐसा कुछ था भी, तो था। मैं चाहता हूं कि सबकुछ जल्द से जल्द शांत हो जाए। शासन परिवर्तन अराजकता लाता है, और आदर्श रूप से हम इतनी अराजकता नहीं देखना चाहते, तो देखते हैं आगे क्या होता है। ट्रंप का यह ताजा बयान ऐसे समय आया है जब वह ईरान में शासन परिवर्तन को लेकर तीसरी बार अपना रुख बदल चुके हैं। रविवार (स्थानीय समय) को उन्होंने इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच तेहरान में शासन परिवर्तन की संभावना जताई थी, जबकि कुछ दिन पहले ही उन्होंने इससे इनकार किया था। रविवार को ट्रंप ने एक्स पर लिखा था, अगर मौजूदा ईरानी शासन ईरान को फिर से महान नहीं बना सकता, तो शासन परिवर्तन क्यों न हो! ट्रंप ने दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलेंगे और वह एक महान व्यापारिक राष्ट्र बनेगा। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि सबकुछ जल्द से जल्द शांत हो जाए। यह बयान इजराइल और ईरान के बीच संघर्षविराम (सीजफायर) की घोषणा के कुछ घंटों बाद आया।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट साझा करते हुए सीजफायर की पुष्टि की और कहा, इजराइल और ईरान दोनों ही युद्ध रोकना चाहते थे। यह मेरे लिए बड़े सम्मान की बात थी कि मैंने सभी परमाणु ठिकानों और क्षमताओं को नष्ट किया, और फिर, युद्ध रोक दिया! ब ट्रंप से पूछा गया कि क्या सीजफायर प्रभाव में है, तो उन्होंने कहा कि हां, यह पूरी तरह प्रभाव में है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इजराइल ने पीछे हटने का फैसला किया, जिसे उन्होंने सराहा। ट्रंप ने कहा, इजराइल, जैसा कि आप जानते हैं, पीछे हट गया। उन्होंने वह हमला नहीं किया। यह बड़ी बात थी। इसके लिए आभार। उनके पास बहुत सारे जेट तैयार थे और वे कुछ करने जा रहे थे, लेकिन उन्होंने नहीं किया। हम इससे खुश हैं। बहुत खुश हैं।इससे पहले सोमवार (स्थानीय समय) को ट्रंप ने ऐलान किया था।

## चीन में आई बाढ़

चीन में आई बाढ़ के बीच ही रोंगजिंग इलाके से लोगों को निकालते हुए राहतकर्मी।

# पतंजलि जमीन घोटाला: पूर्व प्रधानमंत्री माधव नेपाल बयान दर्ज कराने विशेष अदालत पहुंचे

**काठमांडू, 25 जून (एजेंसियां)।**

पतंजलि ट्रस्ट जमीन घोटाले में एंटी करप्शन ब्यूरो की तरफ से आरोपित बनाए गए नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री माधव नेपाल बुधवार को विशेष अदालत में अपना बयान दर्ज कराने के लिए पहुंचे हैं। बयान पूरा होने के बाद उनकी जमानत पर सुनवाई हो सकती है।

पतंजलि ट्रस्ट के नाम पर सरकारी जमीन को सस्ते दामों में देने और उसे बेच कर मोटा मुनाफा कमाने के आरोप में नीतिगत निर्णय करने वाले तत्कालीन प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल को एंटी करप्शन ब्यूरो ने आरोपित बनाया है। इस मामले की पहली सुनवाई हो रही है जिसमें वो अपना बयान दर्ज कराने पहुंचे हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री को विशेष अदालत में सरकारी वकील के समक्ष अपना बयान देना होगा। उनके खिलाफ दायर चार्जशीट के आरोपों को लेकर उनसे सवाल-जवाब किया जाएगा।

माधव नेपाल के साथ विशेष अदालत पहुंचे वरिष्ठ अधिवक्ता गोविंद बंदी ने कहा कि सरकारी वकील के समक्ष अगर बयान पूरा हो गया तो उनकी जमानत को लेकर भी ही विशेष अदालत में बहस की जाएगी।

गोविंद बंदी ने कहा कि बयान के आधार पर अदालत यह तय करेगी कि पूर्व प्रधानमंत्री माधव नेपाल को न्यायिक हिरासत में भेजना है या फिर वो जमानत पर रह कर भी अपना मुकदमा लड़ सकते हैं।

विशेष अदालत के भीतर पूर्व प्रधानमंत्री बयान दर्ज करवा रहे हैं, वहीं उनके सैकड़ों समर्थक अदालत के बाहर जमा हुए हैं। भीड़ को देखते हुए अदालत के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

# बालाकोट एयर स्ट्राइक के दौरान अभिनंदन को पकड़ने वाला पाकिस्तान का मेजर मोइज मारा गया

**इस्लामाबाद, 25 जून (एजेंसियां)।**

पाकिस्तान आर्मी स्पेशल सर्विस ग्रुप का मेजर सैयद मोइज अब्बास शाह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीडीपी) के आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया। यह वही अफसर बताया जा रहा है, जिसने बालाकोट एयर स्ट्राइक के दौरान भारतीय वायु सेना के तत्कालीन विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को फाइटर जेट क्रैश होने के बाद पकड़ लिया था। यह मुठभेड़ मंगलवार को दक्षिणी वजीरिस्तान में हुई। मुठभेड़ में 11 आतंकियों के मारे जाने का भी दावा किया जा रहा है।

पाकिस्तान के चैनल दुनिया न्यूज की खबर के अनुसार पाकिस्तान सशस्त्र बलों की मीडिया और जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने कहा कि सुरक्षा बलों ने दक्षिण वजीरिस्तान जिले के सरोगा क्षेत्र में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान 11 आतंकवादियों को मार गिराया। इस हमले में सात आतंकवादी घायल भी हुए हैं।

हालांकि, भीषण गोलीबारी के दौरान मेजर सैयद मोइज अब्बास शाह और लांस नायक जिब्रान उल्लाह की जान चली गई।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस की सूचना से इतर खबरों में कहा जा रहा है कि मेजर सैयद मोइज अब्बास शाह ने ही फरवरी, 2019 में बालाकोट एयर स्ट्राइक के दौरान भारतीय वायु सेना के तत्कालीन विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पकड़ा था। मेजर शाह का मुठभेड़ में मारा जाना पाकिस्तान आर्मी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। अभिनंदन वर्धमान अब ग्रुप कैप्टन हैं। इंडियन एयरफोर्स के जांबाज अफसर अभिनंदन पाकिस्तान से जब लौटे थे, तो सारे देश ने उन्हें सलामी दी थी। अभिनंदन वर्धमान को उनकी वीरता के लिए भारत ने वीर चक्र पुरस्कार से नवाजा है।

### एआई टूल्स कुंद कर रहे रचनात्मकता को : शोध

**न्यूयॉर्क।** जेनरेटिव एआई टूल्स, जैसे चैटजीपीटी, लोगों की सोचने और रचनात्मकता की क्षमता को धीरे-धीरे कुंद कर रहे हैं। यह खुलासा हुआ है अमेरिका की मशहूर संस्था मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) द्वारा किए गए ताजा शोध में। शोध में कहा गया है कि जब इन एआई टूल्स का इस्तेमाल किसी रचनात्मक काम की शुरुआत में ही कर लिया जाता है, तो यह मस्तिष्क की सक्रियता को कम कर सकता है। शोध में यह भी बताया गया है कि इन टूल्स पर अत्यधिक निर्भरता मानसिक प्रयास और मौलिक सोच को प्रभावित करती है। इस अध्ययन के लिए 18 से 39 साल की उम्र के 54 प्रतिभागियों को शामिल किया गया था। उन्हें तीन अलग-अलग समूहों में बांटा गया। पहले समूह को चैटजीपीटी का उपयोग करने के लिए कहा गया, दूसरे समूह को गूगल सर्च का सहारा लेने की अनुमति दी गई, जबकि तीसरे समूह से कहा गया कि वे बिना किसी तकनीकी सहायता के अपने विचारों से निबंध तैयार करें। इन सभी प्रतिभागियों के मस्तिष्क की सक्रियता को मापने के लिए ईईजी हेडसेट का इस्तेमाल किया गया। इस तकनीक से यह पता लगाया गया कि निबंध लिखते समय प्रतिभागी का दिमाग कितना सक्रिय था और किन हिस्सों में सोचने की प्रक्रिया तेज थी। नतीजे चौंकाने वाले थे। जिन प्रतिभागियों ने चैटजीपीटी की मदद से निबंध लिखा, उनके मस्तिष्क में सबसे कम सक्रियता दर्ज की गई।

# दूर दराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर दें राज्य: मोदी

**नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।** नरेन्द्र मोदी ने राज्यों से आकांक्षी जिलों के साथ-साथ दूरदराज, आदिवासी और सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया है।

श्री मोदी ने बुधवार को यहां प्रगति की 48वीं बैठक की अध्यक्षता की। प्रगति का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों को एकीकृत करके सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन को बढ़ावा देना है।

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने खान, रेलवे और जल संसाधन क्षेत्रों में कुछ महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की। आर्थिक विकास और जन कल्याण के लिए महत्वपूर्ण इन परियोजनाओं की समीक्षा में समयसीमा, अंतर-एजेंसी समन्वय और समस्या समाधान पर ध्यान केंद्रित किया गया।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि परियोजना निष्पादन में देरी से वित्तीय व्यय में वृद्धि और नागरिकों को आवश्यक सेवाओं और बुनियादी ढांचे तक समय पर पहुंच से वंचित करने की दोहरी कीमत चुकानी पड़ती है। उन्होंने केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर अधिकारियों से आग्रह किया कि वे अवसर को जीवन में सुधार में बदलने के लिए परिणाम-संचालित दृष्टिकोण अपनाएं।

प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) की समीक्षा के दौरान, प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों से आकांक्षी जिलों के साथ-साथ दूरदराज, आदिवासी और सीमावर्ती क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए स्वास्थ्य अवसंरचना के विकास में तेजी लाने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गरीब, हाशिए पर पड़े और वंचित आबादी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित की जानी चाहिए और इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं में मौजूदा अंतर को पाटने के लिए तत्काल और निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि पीएम-एबीएचआईएम राज्यों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल और सेवाएं प्रदान करने के लिए ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर अपने प्राथमिक, तृतीयक और विशेष स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने वाली अनुकरणीय प्रथाओं की समीक्षा की। उन्होंने इन पहलों की उनके रणनीतिक महत्व और रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की उनकी क्षमता के लिए सराहना की। उनकी व्यापक प्रासंगिकता को रेखांकित किया और कहा कि स्वदेशी क्षमताओं के साथ निष्पादित ऑपरेशन सिंदूर की सफलता रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रमाण है।

# फास्टैग इकोसिस्टम निर्बाध डिजिटल यात्रा के लिए महत्वपूर्ण

**नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।** सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने फास्टैग इकोसिस्टम को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा है कि यह न केवल टोल संग्रहण के लिए एक उपयोगी व्यवस्था है बल्कि इसमें निर्बाध डिजिटल यात्रा के नये अनुभवों की भी अपार संभावनाएं हैं।

श्री गडकरी ने बुधवार को यहां फास्टैग प्रणाली के अभिनव इस्तेमाल का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण-एनएचएआई की सहयोगी इंडियन हाइवेज एंड मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड-आईएचएमसीएल द्वारा यहां फिनटेक कंपनियों के साथ आयोजित एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि फिनटेक और अन्य हितधारकों के साथ सहयोग के माध्यम से सरकार का लक्ष्य फास्टैग की उपयोगिता को एक ऐसे मजबूत मंच के रूप में विस्तारित करना है जिसमें उपयोगकर्ता की सुविधा बढ़े और परिवहन तथा आवाजाही सेवाओं को सुव्यवस्थित कर सके।

उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में इस क्षेत्र को अधिक दक्ष बनाने के लिए इस कार्यशाला में आयोजित प्रस्तुतियां और चर्चाएं डिजिटल रूप से सशक्त राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का मार्ग प्रशस्त करेंगी जिसका देश के प्रत्येक यात्री को लाभ होगा।

कार्यशाला का उद्देश्य नियामक अनुपालन, शिकायत निवारण, सुरक्षा और फास्टैग के गैर-टोल इस्तेमाल जैसे विभिन्न पहलुओं पर फिनटेक क्षेत्र के अग्रणी दिग्गजों से जानकारी इकट्ठा करना है ताकि इससे डिजिटल के उपयोग को और ज्यादा प्रभावी बनाया जा सके।

# 2026 से साल में दो बार होगी 10वीं की बोर्ड परीक्षा

## सीबीएसई ने दी मानदंडों को मंजूरी

**नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।** सीबीएसई शैक्षणिक सत्र 2026 से साल में दो बार 10वीं की बोर्ड परीक्षा आयोजित करने वाला है। बोर्ड ने मानदंडों को मंजूरी दे दी है। अगले वर्ष से परीक्षा दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहला चरण फरवरी में आयोजित किया जाएगा, दूसरा चरण मई में होगा। पहला चरण सभी छात्रों के लिए अनिवार्य होगा।

सीबीएसई ने 2026 से साल में दो बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दी। यह जानकारी परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने दी है। सीबीएसई कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं वर्ष में दो बार आयोजित करेगा। पहला चरण फरवरी में आयोजित किया जाएगा और दूसरा चरण मई में होगा। कक्षा 10 के छात्रों के लिए बोर्ड परीक्षा के पहले चरण में उपस्थित होना अनिवार्य, दूसरा चरण वैकल्पिक रहेगा। आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा। इस फैसले के बाद छात्रों को अपने अंकों में सुधार का मौका मिल पाएगा। यदि किसी छात्र के अंक पहले चरण में कम रह जाते हैं, तो वह दूसरे चरण में अच्छा प्रदर्शन करके सुधार कर सकेगा।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं के लिए वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दे दी है, जो नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में अनुशंसित एक कदम है। सीबीएसई परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा, पहला चरण फरवरी में और दूसरा मई में आयोजित किया जाएगा। दोनों चरणों के परिणाम क्रमशः अप्रैल और जून में घोषित किए जाएंगे। छात्रों के लिए पहले चरण में शामिल होना अनिवार्य होगा जबकि दूसरा चरण वैकल्पिक होगा। छात्रों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने की अनुमति होगी।

स्वीकृत मानदंडों के अनुसार, शीतकालीन सत्र में भाग लेने वाले स्कूलों के कक्षा 10वीं के छात्रों को किसी भी चरण में बोर्ड परीक्षा में बैठने का विकल्प मिलेगा। शैक्षणिक सत्र के दौरान आंतरिक मूल्यांकन केवल एक बार किया जाएगा। सीबीएसई ने फरवरी में मसौदा मानदंडों की घोषणा की थी। बाद में इनपर हितधारकों की प्रतिक्रिया के लिए इसे सार्वजनिक डोमेन में रखा गया था। यह निर्णय नई शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप है, जिसके अनुसार बोर्ड परीक्षाओं के उच्च-दांव पहलू को खत्म करने के लिए, सभी छात्रों को किसी भी स्कूल वर्ष के दौरान दो मौकों पर परीक्षा देने की अनुमति दी जाएगी।

# हफ्ताभर में शुरू हो जाएगी अमरनाथ यात्रा

## सुरक्षाबलों की तैनाती का काम पूरा, अभ्यास जारी

**जम्मू, 25 जून (ब्यूरो)।** अमरनाथ यात्रा शुरू होने में मात्र सात दिन बचा है। हजारों सैनिकों की तैनाती का कार्य कल रात को पूरा कर लिया गया। यही नहीं सुरक्षा व्यवस्थाओं की कमियों का जानने के लिए आज कई स्थानों पर माक ड्रिल भी आयोजित की गई। अधिकारियों ने दावा किया है कि एक बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था अब एक्टिवेट है, जिसमें 10 से अधिक पुलिस अधीक्षक, 15 पुलिस उपाधीक्षक, जिले में तैनाती के अतिरिक्त और सैकड़ों अर्धसैनिक और पुलिस कर्मियों को शामिल किया गया है ताकि सुरक्षित और सुचारू तीर्थयात्रा सुनिश्चित की जा सके।

सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे अनंतनाग में आक्रामक आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार यात्रा मार्ग और आसपास के वन क्षेत्रों में प्रतिदिन 20 से अधिक घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। जम्मू कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना और सीआरपीएफ संयुक्त रूप से इलाके की सफाई के लिए इन अभियानों में शामिल हैं। कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक वीके बिरदी के बकौल, सुरक्षा के सभी इंतजाम पूरे हो चुके हैं। गृह मंत्रालय घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहा है। बीएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी सहित केंद्रीय बलों को संवेदनशील क्षेत्रों, खासकर ऊंचाई वाले इलाकों और वन क्षेत्रों में तैनात किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमरनाथ यात्रा की सफलता राष्ट्रीय एकता और लचीलेपन का प्रतीक है। इस साल नागरिक और सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय का स्तर अभूतपूर्व है। अधिकारियों ने यात्रियों से पहले से पंजीकरण कराने, वैध पहचान पत्र साथ रखने और आधिकारिक तौर पर अनुशंसित दिशा-निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया है। मौसम की स्थिति अस्थिर बनी हुई है और तीर्थयात्रियों को सलाह दी गई है कि वे बिना अनुमति के चक्कर लगाने से बचें और केवल अधिकृत आश्रयों में ही आराम करें।

दक्षिण कश्मीर के हिमालय में भगवान शिव के 3,880 मीटर ऊंचे पवित्र गुफा मंदिर की यात्रा 3 जुलाई को शुरू होने वाली है, अनंतनाग जिले के पहलगाम और गंदरबल जिले के बालटाल दोनों मार्गों पर अब कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पूरे पहलगाम मार्ग को 17 क्षेत्रों और 51 उप क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, जिनमें से प्रत्येक नामित अधिकारियों के संचालन की कमान के अधीन है। यह बारीक विभाजन वास्तविक समय की निगरानी, त्वरित प्रतिक्रिया और विभिन्न सुरक्षा और प्रशासनिक इकाइयों के बीच निर्बाध समन्वय के लिए है। प्रत्येक जोन में त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी), तोड़फोड़ विरोधी दल, पर्वतीय बचाव दल और यातायात नियंत्रण कर्मी रणनीतिक रूप से तैनात रहेंगे।

अनंतनाग जिले में अभियान की देखरेख कर रहे एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हम कोई जोखिम नहीं उठा सकते। मार्ग के हर इंच पर मानव खुफिया और तकनीकी निगरानी के साथ निगरानी की जा रही है। उनका दावा था कि सभी संभावित खतरों को पहले से ही बेअसर किया जा रहा है। हमारा उद्देश्य यात्रा को बाधित करने के किसी भी प्रयास के लिए शून्य सहिष्णुता है। तैयारियों का परीक्षण करने के लिए बुधवार को माक ड्रिल भी की गई। इसमें आपातकालीन प्रतिक्रिया इकाइयां, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, चिकित्सा दल और यातायात नियामक शामिल थे। ये ड्रिल प्राकृतिक आपदाओं, आतंकी हमलों और स्वास्थ्य आपात स्थितियों सहित विभिन्न परिदृश्यों का अनुकरण करेंगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी हितधारक तालमेल में हैं।

नागरिक प्रशासन को प्रत्येक निर्दिष्ट पड़ाव स्टेशन पर पानी की आपूर्ति, बिजली, स्वच्छता और चिकित्सा सुविधाओं सहित रसद सहायता सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है। कई बेस कैंप और लंगर (सामुदायिक रसोई) को साफ कर दिया गया है और आवश्यक अनुमति और सुरक्षा जांच से सुसज्जित किया गया है। पहली बार इतने पुख्ता सुरक्षा इंतजामात किए गए हैं। जिनमें हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन निगरानी और सैटेलाइट ट्रैकिंग को सुरक्षा ग्रिड में एकीकृत किया गया है। अनंतनाग और गंदरबल दोनों जिलों में विशेष निगरानी केंद्र चालू हैं। जम्मू कश्मीर पुलिस के एक अन्य अधिकारी का कहना था कि जमीनी तैनाती के अलावा, हम प्रमुख चौकियों पर ड्रोन-आधारित टोही और एआई-सक्षम चेहरे की पहचान प्रणाली का लाभ उठा रहे हैं। वे कहते थे कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, और हम हर स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

# विधानसभा उपचुनावों में आयोग का ईसीआईनेट चालू परिणाम के 72 घंटे के अंदर जारी हुए इंडेक्स कार्ड

**नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।** चुनाव आयोग ने केरल, गुजरात, पंजाब और पश्चिम बंगाल की पांच विधानसभा सीटों पर हाल ही में संपन्न हुए उपचुनावों में अपने नए एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म ईसीआईनेट का परिचालन सफलता पूर्वक शुरू कर दिया है और यह आने वाले दिनों में पूरी तरह चालू होगा।

यह जानकारी आयोग की बुधवार को एक विज्ञप्ति में दी गयी। आयोग ने इस साल चार मई को ईसीआईनेट नामक से एक नए वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म के विकास की घोषणा की थी, जिसमें विभिन्न हितधारकों के लिए आयोग द्वारा परिचालित 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब एप्लिकेशन एकीकृत किए गए हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि हाल के उप चुनावों में ईसीआईनेट के कुछ मॉड्यूल का सफल कार्यान्वयन देखा गया, जो आने वाले हफ्तों में पूरी तरह से चालू हो जाएगा। ईसीआईनेट मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर मतदाताओं और अन्य हितधारकों के लाभ के लिए चुनाव संबंधी जानकारी का समय पर और अद्यतन प्रकटीकरण करने के लिए आयोग द्वारा की गई विभिन्न पहलों में से एक है।

आयोग का कहना है कि उप-चुनावों के दौरान पीठासीन अधिकारियों (पीआरओ) ने सीधे ईसीआईनेट पर मतदान की गति (वीटीआर) के रुझान अपलोड किए जो पहले हाथ से भर कर जारी किए जाते थे। इससे सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान हुआ, पारदर्शिता बढ़ी और वीटीआर रुझान प्रकाशित करने में लगने वाले समय में उल्लेखनीय कमी आई। इन उप चुनावों में ईसीआईएनईटी के माध्यम से पीआरओ अपने-अपने मतदान केंद्रों को छोड़ने से पहले अंतिम वीटीआर आंकड़े अपलोड किए जिसके मतदान के रुझान लोगों तक बहुत तेजी से पहुंचाए जा सके।

आयोग का कहना है कि ईसीआईएनईटी के चालू होने से इंडेक्स कार्ड का तेजी से प्रकाशन सम्भव हो सका और ये कार्ड परिणाम घोषित होने के 72 घंटों के भीतर उपलब्ध करा दिए गए थे। नई प्रणाली के तहत, इंडेक्स कार्ड में अधिकांश डेटा फ़ील्ड ईसीआईएनईटी इनपुट का उपयोग करके स्वतः भरे जाते हैं।

इससे पहले, इंडेक्स कार्ड के प्रकाशन में कई दिन, सप्ताह या महीने लग जाते थे क्योंकि डेटा अधिकारियों द्वारा मैन्युअल रूप से भरा और सत्यापित किया जाता था। इंडेक्स कार्ड एक गैर-सांविधिक, चुनाव के बाद का सांख्यिकीय सूचना प्रारूप है, जिसे 1980 के दशक के अंत में आयोग द्वारा शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, पत्रकारों और आम जनता सहित सभी हितधारकों के लिए निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर चुनाव-संबंधी डेटा की उपलब्धता को बढ़ावा देने के लिए एक स्व-प्रेरित पहल के रूप में विकसित किया गया था।

इस रिपोर्ट में उम्मीदवारों, मतदाताओं, डाले गए वोटों, गिने गए वोटों, पार्टी-वार और उम्मीदवार-वार वोट शेयर, लिंग-आधारित मतदान पैटर्न, क्षेत्रीय विविधताएँ और राजनीतिक दलों के प्रदर्शन जैसे कई आयामों के डेटा शामिल किए जाते हैं।

गौरतलब है कि इन राज्यों में उपचुनाव के लिए मतदान 19 जून को और मतगणना 23 जून को हुई थी।

# माइक्रोवेव स्पेक्ट्रम के आवंटन पर टिप्पणी देने की अंतिम तिथि बढ़ी

**नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।** भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने परामर्श पत्र पर '6 गीगाहर्ट्ज (निम्न), 7 गीगाहर्ट्ज, 13 गीगाहर्ट्ज, 15 गीगाहर्ट्ज, 18 गीगाहर्ट्ज, 21 गीगाहर्ट्ज बैंड, ई-बैंड और वी-बैंड में माइक्रोवेव स्पेक्ट्रम के आवंटन' पर टिप्पणियां/प्रति-टिप्पणियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है।

ट्राई ने इस पर 28 मई 2025 को परामर्श पत्र जारी किया था। परामर्श पत्र में उठाए गए मुद्दों पर लिखित टिप्पणियां और प्रति-टिप्पणियां प्रस्तुत करने की अंतिम तिथियां क्रमशः 25 जून 2025 और नौ जुलाई 2025 निर्धारित की गई थीं।

उद्योग संघों और हितधारकों के अनुरोध पर लिखित टिप्पणियां और प्रति-टिप्पणियां प्रस्तुत करने की अंतिम तिथियों को क्रमशः दो जुलाई 2025 और 16 जुलाई 2025 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

# ईरान से भारत एवं नेपाल के 300 लोगों को लाया गया दिल्ली

**नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।** 'ऑपरेशन सिंधु' के तहत ईरान से बुधवार को भारत एवं नेपाल के 300 लोगों को दिल्ली लाया गया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर जानकारी दी कि आज शाम साढ़े चार बजे मशहद से नयी दिल्ली पहुंची एक विशेष उड़ान से 296 भारतीय और चार नेपाली नागरिकों को ईरान से लाया गया। प्रवक्ता के अनुसार ऑपरेशन सिंधु के हिस्से के रूप में अब तक 3154 भारतीय नागरिकों को ईरान से घर लाया जा चुका है।

# अभिनेत्री विजयशांति दमदार एक्शन से बनी लाखों दिलों की धड़कन

लेडी अमिताभ नाम से भी है मशहूर

अभिनेत्री विजयशांति को 'द लेडी सुपरस्टार' के साथ-साथ 'लेडी अमिताभ' के नाम से भी जाना जाता है। जिस तरह बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है, ठीक वैसे ही विजयशांति ने भी अपनी दमदार अदाकारी, जबरदस्त एक्शन और परफॉर्मेंस से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। 80 के दशक में जब ... दुनिया में महिला कलाकारों को ...र सपोर्टिंग रोल या रोमांटिक ...करदारों तक सीमित समझा जाता था, तब विजयशांति ने अपने मजबूत किरदारों के दम पर साबित कर दिया कि अभिनेत्री सिर्फ कहानी ...ो चमकाने के लिए नहीं ...ती, बल्कि वह कहानी में ...फूंकने का भी काम कर ...।

80 के दौर में साउथ सिनेमा में एक्शन हीरो अक्सर पुरुष ही होते थे, लेकिन पुरानी धारणाओं को तोड़ते हुए विजयशांति ने अपनी फिल्मों में 'सुपर कोप' का रोल निभाकर साबित कर दिया कि महिलाएं भी किसी से कम नहीं। 1990 में रिलीज हुई 'कर्तव्यम' में उन्होंने पुलिस ऑफिसर का रोल निभाया, जो निडर होकर अपराधियों से लोहा लेती हैं। यह किरदार दर्शकों को इतना पसंद आया कि इसे आज भी याद किया जाता है। इस किरदार के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला।

**बचपन से एक्टिंग का जुनून**

विजयशांति ने अपने करियर की शुरुआत 14 साल की उम्र में की। उनके अंदर के जुनून ने उन्हें कम उम्र में ही बड़ी सफलताएं दिलाई। उन्होंने 1980 में तमिल फिल्म 'कल्लुकूल इरम' से अपना अभिनय सफर शुरू किया। इसी साल उन्होंने फिल्म 'खिलाड़ी कृष्णाडू' से तेलुगु फिल्मों में भी डेब्यू किया। उन्होंने एक्टर चिरंजीवी के साथ 19 फिल्में कीं, वहीं एक्टर बालकृष्ण के साथ 16 फिल्मों में काम किया।

**फिल्म 'ईश्वर' से किया बॉलीवुड डेब्यू**

विजयशांति ने तमिल के सुपरस्टार रजनीकांत के साथ फिल्म 'मन्नान' और कमल हासन के साथ फिल्म 'इंड्राडु चंड्राडु' में भी काम किया। इसके अलावा, वह 'चैलेंज', 'पासीवादी प्रणाम', 'मुदुला कृष्णैया', 'अग्नि पवित्रम्', 'यामुडिकी मोगुडु', 'अधाकू यामुडू अमायकी मोगुडु', 'मुदुला मावाया', 'कॉन्डाविती डोंगा', 'गैंग लीडर' सहित फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने अनिल कपूर की फिल्म 'ईश्वर' के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा। साथ ही कई हिंदी फिल्मों में भी काम किया।

**राजनीति में आजमाया हाथ**

अमिताभ बच्चन की तरह विजयशांति भी फिल्मों के हर किरदार में जान डालती थीं, चाहे वह गुस्सा हो, दर्द हो या साहस। उनका अभिनय इतना प्रभावशाली था कि दर्शक उनके साथ जुड़ जाते थे और उनके हर संघर्ष को अपने दिल से महसूस करते थे। यही कारण है कि उन्हें सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं, बल्कि एक आइकन के रूप में देखा जाता है। उन्होंने तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी जैसी कई भाषाओं में अपनी छाप छोड़ी, और हर बार अपनी अलग शैली और जोश के साथ सामने आईं। फिल्मों के अलावा, विजयशांति ने राजनीति में भी कदम रखा। वह 1998 में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुईं। उन्हें भाजपा की महिला शाखा का सचिव बनाया गया।

1999 के आम चुनाव में वह कुडप्पा लोकसभा सीट से खड़ी हुईं, लेकिन बाद में उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था। इसके बाद उन्होंने अपना खुद का राजनीतिक दल 'ताली तेलंगाना' बनाया, जिसे बाद में तेलंगाना राष्ट्र समिति में शामिल कर दिया गया। विजयाशांति ने 2014 में कांग्रेस ज्वाइन कर ली और लोकसभा चुनाव लड़ा। 2020 में विजया ने कांग्रेस से इस्तीफा देकर भारतीय जनता पार्टी फिर से ज्वाइन कर ली।

# रजनीकांत की फिल्म कुली के नाम में बदलाव

## 250 करोड़ के बजट वाली फिल्म का ये होगा हिंदी टाइटल!

सुपरस्टार रजनीकांत की लेटेस्ट फिल्म कुली से सिनेप्रेमियों को काफी उम्मीदें हैं। रजनीकांत के करियर की 171वीं फिल्म बनने जा रही इस फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज कर रहे हैं। चूंकि यह इस जोड़ी की पहली फिल्म है, इसलिए तमिल फिल्म इंडस्ट्री ही नहीं बल्कि देशभर के दर्शकों में भी इसे लेकर दिलचस्पी है। इसके अलावा फिल्म प्रमोशन के तहत पहले ही रिलीज की जा चुकी झलकियों और पोस्टर्स ने फिल्म को लेकर हाइप बढ़ा दी है। इसी बीच हाल ही में यह खबर चर्चा का विषय बन गई है कि इस फिल्म का नाम बदल दिया गया है।

कुली 14 अगस्त को दुनियाभर में बड़े पैमाने पर रिलीज होने वाली है। फिल्म की रिलीज में अब सिर्फ 50 दिन बचे हैं, ऐसे में टीम लगातार अपडेट जारी कर रही है। इस फिल्म में रजनीकांत के साथ टॉलीवुड किंग नागार्जुन अक्किनेनी, सैंडलवुड स्टार उपेंद्र, मलयालम एक्टर सौबीर शबीन और श्रुति हासन अहम भूमिका निभा रहे हैं। एक और ब्यूटी स्टार पूजा हेगड़े एक स्पेशल सॉन्ग कर रही हैं। इस फिल्म से लोकेश कनगराज एक बार फिर अपनी पहचान बनाने जा रहे हैं। रजनीकांत के निर्देशन में बनने वाली फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है।

मेकर्स ने इस फिल्म को दमदार टाइटल कुली दिया है। हमेशा की तरह इस टाइटल का साउथ इंडियन ऑडियंस से अच्छा कनेक्शन है, जो फिल्म के लिए एक प्लस पॉइंट है। 250 करोड़ के भारी भरकम बजट में बनी इस फिल्म से न सिर्फ कॉलीवुड बल्कि पैन इंडिया लेवल पर भी काफी उम्मीदें हैं। ट्रेड सर्किल के मुताबिक, कहा जा रहा है कि यह फिल्म 1000 करोड़ क्लब में शामिल होने का दम रखती है। इस बीच, फिल्म कुली को तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ के साथ-साथ हिंदी में भी रिलीज किया जा रहा है। हालांकि, खबर है कि हिंदी में इसके नाम में थोड़ा बदलाव किया जा रहा है। फिल्मी गलियारों से मिली जानकारी के मुताबिक, हिंदी में इस फिल्म का नाम मजदूर है।

क्योंकि अमिताभ बच्चन की क्लासिक मूवी कुली (1983) पहले ही हिंदी में सनसनीखेज सफलता हासिल कर चुकी है। साथ ही, वरुण धवन की कुली नंबर 1 2020 में रिलीज हुई थी। अगर मूवी को फिर से उसी नाम से रिलीज किया जाता है तो असमंजस की संभावना है। इसलिए ऐसा लग रहा है कि हिंदी में नया टाइटल मजदूर देने का फैसला किया गया है। हालांकि, इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, मूवी पर काम अंतिम चरण में है। पूरी यूनिट अच्छे आउटपुट के लिए कड़ी मेहनत कर रही है।

# मोहित सूरी का खुलासा, सैयारा पहले थी आशिकी 3 की कहानी

फिल्ममेकर मोहित सूरी ने बताया है कि उन्हें रोमांटिक फिल्मों से खास आशिकी है। उनकी आने वाली फिल्म सैयारा को पहले आशिकी 3 नाम दिया जाने वाला था, लेकिन बाद में कुछ बदलाव किया गया और अब यह सैयारा के नाम से रिलीज होने वाली है। मोहित ने कहा, मेरे लिए रोमांस एक ऐसा जॉनर है, जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है, शायद इसलिए क्योंकि मैं हमेशा लोगों और उनकी लव स्टोरीज से बहुत प्रभावित रहा हूं।

उन्होंने कहा, हर किसी की लव स्टोरी अलग, खास और दिल को छूने वाली होती है। कुछ कहानियां दिल को बहुत सुकून देती हैं, कुछ दर्द भर देती हैं। इन्हें देखकर हम कई तरह की भावनाएं महसूस करते हैं और यह भरोसा करते हैं कि प्यार हर परेशानी का हल हो सकता है। मोहित ने कहा, रोमांटिक फिल्मों से मेरी गहरी आशिकी है। मैं अपने करियर में प्यार जैसे जज्बात के हर पहलू को दिखाना चाहता हूं। मोहिन ने बताया कि उन्होंने पहले जो कहानी सोची थी, वह आशिकी 3 के लिए थी, लेकिन उस समय आशिकी 3 नहीं बन पाई। अब वही कहानी 'सैयारा' बन गई है। वह हमेशा नई और अलग तरह की लव स्टोरीज बताने की कोशिश करते रहते हैं।उन्होंने कहा कि वह पिछले 20 सालों से लव स्टोरीज बना रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी भी लगता है कि उन्होंने प्यार की गहराई को बस थोड़ा बहुत ही समझा है। मोहित ने कहा, 'सैयारा एक मजबूत लव स्टोरी है, जो बहुत कम उम्र में होने वाले प्यार को दिखाती है। यही बात इस फिल्म को खास और नया बनाती है।

उन्होंने कहा कि यह देखकर अच्छा लगता है कि आज की युवा पीढ़ी प्यार के बारे में किस तरह सोचती है और क्या महसूस करती है। उन्होंने कहा, लोग अक्सर यह सोचते हैं कि युवा गहराई से महसूस नहीं कर सकते या उनके रिश्ते गंभीर नहीं होते, लेकिन ऐसा नहीं है। मुझे यह देखकर अच्छा लगता है कि युवा प्यार के बारे में किस तरह सोचते हैं और क्या महसूस करते हैं। वह प्यार को कैसे समझते हैं। सैयारा फिल्म 18 जुलाई को रिलीज होगी।

# ईशा गुप्ता ने सेक्स सिंबल के रूप में पहचाने जाने पर असहमति जताई

आश्रम की ग्लैमरस गर्ल ईशा गुप्ता इन दिनों क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के साथ नाम जुड़ने को लेकर चर्चा में हैं।उन्होंने लेटेस्ट इंटरव्यू में चुप्पी तोड़ी और कहा कि उन्होंने हार्दिक पांड्या से बातचीत जरूर की थी लेकिन डेट नहीं किया।वहीं ग्लैमरस अंदाज के लिए फेमस ईशा ने सेक्स सिंबल के रूप में फेमस होने को लेकर भी रिएक्ट किया। इंटरव्यू में ईशा गुप्ता ने बॉलीवुड में सेक्स सिंबल के रूप में प्रेजेंस किए जाने को लेकर इसे चुनौतिपूर्ण बताया था। उन्होंने ये भी बताया कि इंडस्ट्री में कैसे उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश की गई थी। जब होस्ट ने ईशा गुप्ता से पूछा कि क्या उन्हें इंडस्ट्री में कभी नीचे गिराने की कोशिश की गई? तो ईशा ने बताया कि जिस एजेंसी से उन्हें उम्मीद थी कि वह उन्हें लॉन्च करेगी, उसी ने धोखा दे दिया और वह पीछे हट गई।

ईशा गुप्ता ने कहा कि शुरुआत में वह काफी पॉजिटिव थीं। मीडिया ने भी कभी उन्हें ऐसा फील नहीं करवाया। फिर ईशा ने सेक्स सिंबल कहे जाने पर भी रिएक्ट किया। उन्होंने कहा कि आखिर सेक्स सिंबल और हॉट का क्या मतलब है? ये लेबल क्यों दिया जा रहा है। वह सेक्स का सिंबल नहीं है। कामसूत्र सेक्स का प्रतीक है न कि कोई इंसान। ईशा गुप्ता ने ये भी कहा कि सेक्स सिंबल कोई अच्छा लेबल नहीं है और न ही बुरा। मैं जैसी हूं मुझे भगवान और कामदेव से मिला है। लेकिन उन्होंने माना कि बार-बार एक जैसे रोल मिलने और छवि बनाए जाने से उनके आत्मसम्मान को नुकसान हुआ। इसकी वजह से वो अपनी खूबसूरती को लेकर भी थोड़ा अनकंफर्टेबल और कम आत्मविश्वासी महसूस करने लगीं।

ईशा गुप्ता ने ये भी खुलासा किया था कि एक बार इंडस्ट्री के एक लड़के ने उन्हें नाक की सर्जरी करवाने की सलाह दी थी लेकिन उन्होंने इसे रिजेक्ट कर दिया क्योंकि वह अपने लुक पर पूरा भरोसा करती हैं। वह जैसी हैं उन्हें ठीक लगता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो ईशा गुप्ता को जन्नत 2 फिल्म से फेम मिला था जिसमें उन्होंने इमरान हाशमी के साथ काम किया था। आखिरी बार वह बॉबी देओल की आश्रम में नजर आती है। चर्चा तो ये भी चला है कि वह धमाल 4 में का हिस्सा हो सकती हैं जिसमें अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी समेत कई स्टार्स हो सकते हैं।

# फिल्म इंडस्ट्री से अलग है करिश्मा और आफताब की कहानी, दोनों के बीच खून का नाता

फिल्मों की दुनिया जितनी रंगीन होती है, वहां के रिश्ते भी उतने ही दिलचस्प होते हैं। पर्दे पर जो सितारे बिल्कुल अलग नजर आते हैं, असल जिंदगी में कभी-कभी वो रिश्तों की डोर से गहराई से जुड़े होते हैं। करिश्मा कपूर और आफताब शिवदासानी का रिश्ता भी कुछ ऐसा ही है। करिश्मा ने 90 में बतौर हिरोइन हिंदी सिने जगत में कदम रखा तो वहीं आफताब ने बाल कलाकार के तौर पर करियर शुरू किया। बहुत कम लोगों को पता होगा कि इन दोनों का रिश्ता सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री का नहीं, बल्कि खून का भी है। दिलचस्प बात यह भी है कि दोनों अपना जन्मदिन 25 जून को मनाते हैं। करिश्मा का जन्म 25 जून 1974 को मुंबई में हुआ था। वह अभिनेता रणधीर कपूर और बबीता की बेटी हैं। वहीं आफताब का जन्म मुंबई में 25 जून 1978 में हुआ। उनके पिता प्रेम शिवदासानी सिंधी और मां पुतली शिवदासानी ईरानी हैं। करिश्मा की मां बबीता शादी से पहले बबीता शिवदसानी थीं। उनके पिता हरि शिवदासानी के भतीजे थे आफताब के पापा, प्रेम शिवदासानी। इस रिश्ते से बबीता आफताब की बुआ लगती हैं और इस तरह आफताब, करिश्मा के ममेरे भाई हुए।

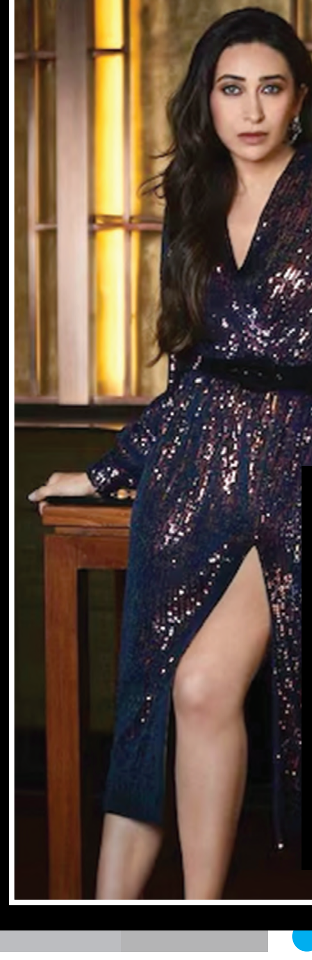

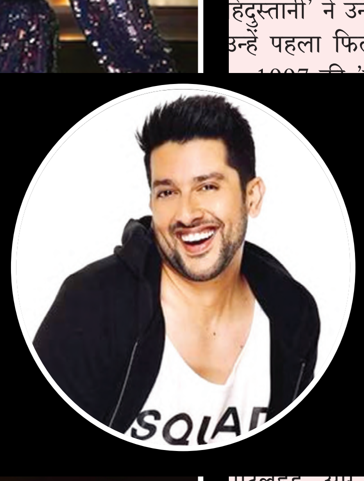


दोनों के करियर पर नजर डालें तो करिश्मा कपूर ने बॉलीवुड में करियर बनाने के लिए अपनी पढ़ाई भी बीच में ही छोड़ दी थी। उन्होंने महज 16 साल की उम्र में 'प्रेम कैदी' से करियर की शुरुआत ...की, जो साल 1991 में रिलीज हुई। फिर ...साल 1992 में दिग्गज एक्टर जैकी श्रॉफ के ...साथ फिल्म 'पुलिस ऑफिसर' में काम ...किया। 'जिगर' और 'अनाड़ी' जैसी फिल्मों ...में एक अभिनेत्री के तौर पर उन्हें पहचान ...दिलाई। 1994 में 'राजा बाबू', 'खुद्दार', 'अंदाज अपना अपना' और 'सुहाग' जैसी फिल्मों से उनका करियर रफ्तार पकड़ने लगा।

90 के दशक में करिश्मा ने 'कुली नंबर 1', 'साजन चले ससुराल', 'हीरो नंबर 1' जैसी हिट कॉमेडी फिल्मों में गोविंदा के साथ सफल जोड़ी बनाई। 1996 की 'राजा हिंदुस्तानी' ने उन्हें सुपरस्टार बना दिया और उन्हें पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। ... 'दिल तो पागल है' के लिए ...य पुरस्कार मिला। ...99-2000 में 'बीवी ...र 1', 'हम साथ साथ हैं', ...फिजा', और 'जुबैदा' जैसी ...फिल्मों में उन्होंने ...भावनात्मक भूमिकाएं ...निभाकर लोगों की तालियां ...बटोरीं। साल 2003 के बाद ...ने एक्टिंग से दूरी बना ली, ... 2012 में 'डेंजरस इश्क' ...की। 2020 में वेब सीरीज ...मेंटलहुड' और 2024 में 'मर्डर मुबारक' में ओटीटी की दुनिया में कदम रखा।

वहीं, आफताब शिवदासानी ने बाल कलाकार के तौर पर करियर शुरू किया। वह सिर्फ 14 महीने की उम्र में 'फैरेक्स बेबी' विज्ञापन में नजर आए और इसके बाद कई टीवी विज्ञापनों का हिस्सा बने। उन्होंने 1987 में रिलीज हुई 'मिस्टर इंडिया', 'शहंशाह', 'चालबाज' जैसी फिल्मों में बाल कलाकार के रूप में काम किया। 1999 में उन्होंने राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'मस्त' से बतौर हीरो डेब्यू किया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट डेब्यू एक्टर के लिए जी सिने अवॉर्ड मिला। 2001 में 'कसूर' में निगेटिव रोल निभाकर उन्होंने दर्शकों के दिलों में जगह बनाई और फिल्मफेयर नॉमिनेशन भी हासिल किया। इसके बाद 'लव के लिए कुछ भी करेगा', 'प्यार इश्क और मोहब्बत' और 'क्या यही प्यार है' जैसी फिल्मों में भी अपने अभिनय का लोहा मनवाया।

2003 में 'हंगामा' और 2004 में 'मस्ती' जैसी हिट फिल्मों ने उन्हें कॉमेडी स्टार बना दिया। हालांकि इसके बाद कुछ फिल्में उनकी फ्लॉप रहीं, लेकिन 2012 की हॉरर फिल्म '1920: द ईविल रिटर्न्स' और मल्टीस्टारर 'ग्रैंड मस्ती' जैसी हिट्स ने उन्हें वापसी दिलाई। 2021 में वह वेब सीरीज 'स्पेशल ऑप्स 1.5' में नजर आए, जिसमें उनकी एक्टिंग को खूब सराहा गया। आफताब ने अपनी मेहनत और अलग-अलग किरदारों को निभाकर बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाई है।

# पालकी पर सवार होकर आएंगी आषाढ़ गुप्त नवरात्रि में माता रानी

सनातन धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। नवरात्रि के दिनों में देवी मां के नव स्वरूपों की पूजा आराधना की जाती है। साल में चार बार नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है जिसमें एक चैत्र नवरात्रि दूसरा शारदीय नवरात्रि और दो गुप्त नवरात्रि। तंत्र मंत्र की साधना में लीन रहने वाले लोगों के लिए गुप्त नवरात्रि बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस बार हिंदू पंचांग के मुताबिक आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्रि का शुभारंभ इस वर्ष आषाढ़ गुप्त नवरात्रि इस साल 26 जून से आषाढ़ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत हो रही है और 4 जुलाई को समापन होगा। जब भी नवरात्रि गुरुवार से प्रारंभ होती है तो मां पालकी (डोली) में सवार होकर आती हैं। इससे गुप्त नवरात्रि के दौरान तेज बारिश के योग बनेंगे। माता रानी के भक्त गुप्त नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा-अर्चना करते हैं। इस दिन श्रद्धालु निराहार या फलादार रहकर मां दुर्गा की अर-ाधना करते हैं। प्रतिपदा तिथि में घर व मंदिर में कलश स्थापना की जाएगी।

नवरात्रि का पावन त्योहार आदिशक्ति मां दुर्गा को समर्पित माना गया है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, साल भर में कुल चार नवरात्रि आते हैं। जिसमें से दो चैत्र व शारदीय और दो गुप्त नवरात्रि होती हैं। आषाढ़ मास में पड़ने वाले नवरात्रि को आषाढ़ गुप्त नवरात्रि कहा जाता है। गुप्त नवरात्रि में 10 महाविद्याओं मां काली, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, माता छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, मां धुम्रावती, मां बंगलामुखी, मातंगी और कमला देवी की पूजा की जाती है।

**पालकी पर सवार होकर आएंगी माता दुर्गा**

नवरात्रि में माता दुर्गा के वाहन का विशेष महत्व होता है। जब भी नवरात्रि गुरुवार से प्रारंभ होती है तो मां पालकी (डोली) में सवार होकर आती हैं। इससे गुप्त नवरात्रि के दौरान तेज बारिश के योग बनेंगे। मां दुर्गा का पालकी पर आना अशुभ माना गया है। शास्त्रों के अनुसार पालकी या डोली की सवारी इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में लोगों को महामारी, अर्थव्यवस्था में गिरावट और मंदी का

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा यह हिंसा, प्राकृतिक आपदाओं का भी संकेत देती है। बारिश और बाढ़ आने का संकेत है।

**गुप्त नवरात्रि**

26 जून 2025, गुरुवार

**नवरात्रि प्रतिपदा, मां शैलपुत्री पूजा, घटस्थापना**

27 जून 2025, शुक्रवार

**नवरात्रि द्वितीया, मां ब्रह्मचारिणी पूजा**

28 जून 2025, शनिवार

**नवरात्रि तृतीया, मां चंद्रघंटा पूजा**

29 जून 2025, रविवार

**नवरात्रि चतुर्थी, मां कुष्मांडा पूजा**

30 जून 2025, सोमवार

**नवरात्रि पंचमी, मां स्कंदमाता पूजा**

1 जुलाई 2025, मंगलवार

**नवरात्रि षष्ठी, मां कात्यायनी पूजा**

2 जुलाई 2025, बुधवार

**नवरात्रि सप्तमी, मां कालरात्रि पूजा**

3 जुलाई 2025, गुरुवार

**नवरात्रि अष्टमी, मां महागौरी**

4 जुलाई 2025, शुक्रवार

**नवरात्रि नवमी, मां सिद्धिदात्री, नवरात्रि पारणा**

**आषाढ़ गुप्त नवरात्रि तिथि**

वैदिक पंचांग के अनुसार गुरुवार 25 जून को शाम 04 बजे से आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि शुरू होगी। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। इसके लिए 26 जून से गुप्त नवरात्र की शुरुआत होगी। वहीं, आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि का समापन 26 जून को दोपहर 01:24 मिनट पर होगा।

आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा तिथि प्रारंभः बुधवार, 25 जून 2025 को शाम 04:00 बजे

प्रतिपदा तिथि समापनः गुरुवार 26 जून 2025 को दोपहर 01:24 बजे

उदया तिथि में आषाढ़ गुप्त नवरात्रिः गुरुवार, 26 जून 2025

**आषाढ़ नवरात्रि घट स्थापना**

प्रतिपदा तिथि में घट स्थापना यानी मां के आवाहन से ही नवरात्रि का अनुष्ठान शुरू होता है। इस साल घट स्थापना का शुभ मुहूर्त द्वि स्वभाव वाले मिथुन लग्न के दौरान है।

मिथुन लग्न प्रारंभः 26 जून 2025 को सुबह 04:33 बजे

मिथुन लग्न समापनः 26 जून 2025 को सुबह 06:05 बजे तक

कलश स्थापना मुहूर्तः सुबह 4.33 बजे से 6.05 बजे तक (कुल 1 घंटा 32 मिनट की अवधि)

घटस्थापना अभिजित मुहूर्तः सुबह 10:58 बजे से 11:53 बजे तक

अवधिः 00 घण्टे 55 मिनट

**शुभ योग**

गुप्त नवरात्र के पहले दिन यानी घटस्थापना तिथि पर ध्रुव योग का संयोग बन रहा है। इसके साथ ही सर्वार्थ सिद्धि योग का भी संयोग है। इन योग में मां दुर्गा की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी। साथ ही जीवन में सुखों का आगमन होगा।

ध्रुव योगः रात 11:40 बजे तक

सर्वार्थ सिद्धि योगः सुबह 08:46 बजे से 27 जून को सुबह 05:35 बजे तक

**गुप्त नवरात्रि में करें ये उपाय**

सुबह-शाम दुर्गा चालीसा और दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। दोनों वक्त की पूजा में लौंग और बताशे का भोग लगाएं। मां दुर्गा को लाल रंग के पुष्प ही चढ़ाएं। मां दुर्गा के विशिष्ट मंत्र 'ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडाय विच्चे' का सुबह-शाम 108 बार जप करें। गुप्त नवरात्रि में अपनी पूजा के बारे में किसी को न बताएं।

**गुप्त नवरात्रि के व्रत नियम**

गुप्त नवरात्रि के दौरान मांस-मदिरा, लहसुन और प्याज का बिल्कुल सेवन नहीं करना चाहिए। मां दर्गा स्वयं एक नारी हैं, इसलिए नारी का सदैव सम्मान करना चाहिए। जो नारी का सम्मान करते हैं, मां दुर्गा उन पर अपनी कृपा बरसाती हैं। नवरात्रि के दिनों में घर में कलेश, द्वेष या अपमान नहीं करना चाहिए। कहते हैं कि ऐसा करने से बरकत नहीं होती है। नवरात्रि में स्वच्छता का विशेष ख्याल रखना चाहिए। नौ दिनों तक सूर्योदय से साथ ही स्नान कर साफ वस्त्र धारण करने चाहिए। नवरात्रि के दौरान काले रंग के वस्त्र नहीं धारण करने चाहिए और ना ही चमड़े के बेल्ट या जूते पहनने चाहिए। मान्यता है कि नवरात्रि के दौरान बाल, दाढ़ी और नाखून नहीं काटने चाहिए। नवरात्रि के दौरान बिस्तर पर नहीं बल्कि जमीन पर सोना चाहिए। घर पर आए किसी मेहमान या भिखारी का अपमान नहीं करना चाहिए।

**मां दुर्गा के इन स्वरूपों की होती है पूजा**

मां कालिके, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, माता चित्रमस्ता, त्रिपुर भैरवी, मां धूम्रवती, माता बगलामुखी, मातंगी, कमला देवी की पूजा की जाती है।

**पूजा सामग्री**

मां दुर्गा की प्रतिमा या चित्र, सिंदूर, केसर, कपूर, जौ, धूप,वस्त्र, दर्पण, कंघी, कंगन-चूड़ी, सुगंधित तेल, बंदनवार आम के पत्तों का, लाल पुष्प, दूर्वा, मेंहदी, बिंदी, सुपारी साबुत, हल्दी की गांठ और पिसी हुई हल्दी, पटरा, आसन, चौकी, रोली, मौली, पुष्पहार, बेलपत्र, कमलगट्टा, जौ, बंदनवार, दीपक, दीपबत्ती, नैवेद्य, मधु, शक्कर, पंचमेवा, जायफल, जावित्री, नारियल, आसन, रेत, मिट्टी, पान, लौंग, इलायची, कलश मिट्टी या पीतल का, हवन सामग्री, पूजन के लिए थाली, श्वेत वस्त्र, दूध, दही, ऋतुफल, सरसों सफेद और पीली, गंगाजल आदि।

**पूजा विधि**

सुबह जल्दी उठकर सभी कार्यो से निवृत्त होकर नवरात्र की सभी पूजन सामग्री को एकत्रित करें। मां दुर्गा की प्रतिमा को लाल रंग के वस्त्र में सजाएं। मिट्टी के बर्तन में जौ के बीज बोएं और नवमी तक प्रति दिन पानी का छिड़काव करें। पूर्ण विधि के अनुसार शुभ मुहूर्त में कलश को स्थापित करें। इसमें पहले कलश को गंगा जल से भरें, उसके मुख पर आम की पत्तियां लगाएं और उस पर नारियल रखें। कलश को लाल कपड़े से लपेटें और कलावा के माध्यम से उसे बांधें। अब इसे मिट्टी के बर्तन के पास रख दें। फूल, कपूर, अगरबत्ती, ज्योत के साथ पूजा करें। नौ दिनों तक मां दुर्गा से संबंधित मंत्र का जाप करें और माता का स्वागत कर उनसे सुख-समृद्धि की कामना करें। अष्टमी या नवमी को दुर्गा पूजा के बाद नौ कन्याओं का पूजन करें और उन्हें तरह-तरह के व्यंजनों (पूड़ी, चना, हलवा) का भोग लगाएं। आखिरी दिन दुर्गा के पूजा के बाद घट विसर्जन करें, मां की आरती गाएं, उन्हें फूल, चावल चढ़ाएं और बेदी से कलश को उठाएं।

# जीवन में पाना चाहते हैं सुख और शांति, तो ऐसे करें शमी की पूजा

सनातन धर्म में शमी का विशेष महत्व है। इस पेड़ की पूजा करने से शुभ ग्रहों की स्थिति मजबूत होती है। साथ ही देवी देवता भी प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा से घर में सुख और समृद्धि आती है। धार्मिक मान्यता है कि देवों के देव महादेव को शमी पत्र या पुष्प चढ़ाने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं शीघ्र पूर्ण हो जाती हैं। वहीं, घर पर शमी लगाने से गणेश जी और न्याय के देवता शनिदेव भी प्रसन्न होते हैं। साथ ही घर का वास्तु भी ठीक हो जाता है। अगर आप घर में सुख और शांति चाहते हैं, तो रोजाना शमी के की पूजा करें। साथ ही ये उपाय भी जरूर करें।

✻ सनातन शास्त्र में निहित है कि घर पर शमी के पेड़ लगाने से सुख और समृद्धि आती है। इसके लिए घर पर तुलसी पौधे के साथ शमी का पेड़ जरूर लगाएं। वहीं, रोजाना शमी के पेड़ की पूजा करें। साथ ही शाम में सरसों या तिल के तेल का दीपक जलाएं। ऐसा करने से धन की देवी मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। साथ ही धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं।

✻ अगर आप मनपसंद नौकरी पाना चाहते हैं, तो शनिवार के दिन घर के उत्तर दिशा में शमी का पेड़ लगाएं। इसके पश्चात, जल में लाल चंदन मिलाकर अर्घ्य दें। इस दौरान ॐ नमः शिवाय मंत्र का जाप करें। इसके बाद रोजाना जल का अर्घ्य दें। इस उपाय को करने से करियर और कारोबार में जरूर सफलता मिलती है।

✻ अगर आप मानसिक तनाव से परेशान हैं और इससे निजात पाना चाहते हैं, तो सबसे पहले घर पर शमी का पेड़ लगाएं। इसके बाद रोजाना शाम के वक्त शमी के पेड़ के सन्मुख दीप जलाएं। इस उपाय को करने से घर में व्याप्त नकारात्मकता दूर हो जाती है। साथ ही मानसिक तनाव से निजात मिलता है।

✻ अगर लाख कोशिशों के बावजूद भी आपके हाथ में पैसा नहीं टिकता है, तो शनिवार के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठने के बाद सबसे पहले अपने इष्ट देव को प्रणाम करें। फिर, नित्य कर्मों से निवृत होकर गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। अब भगवान भास्कर और शमी के पेड़ में जल का अर्घ्य दें। तत्पश्चात, एक सुपारी और एक सिक्का शमी पेड़ के गमले में दबा दें। अब रोजाना सात दिनों तक लगातार शमी पेड़ के नीचे तिल के तेल का दीप जलाएं। इस उपाय को करने से आमदनी बढ़ती है। वहीं, खर्च में कमी होने लगती है।

# इस दिशा में रखें घर की तिजोरी, नहीं होगी पैसे की कमी, बरसेगी लक्ष्मी जी की कृपा!

वास्तु के नियम का पालन करने से जिंदगी में बहुत सी चीजों को ठीक किया जा सकता है। घर में अगर किसी प्रकार का वास्तु दोष हो तो काम, बिजनेस, हेल्थ पर उसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस दोष को दूर करने के लिए वास्तु के कुछ नियम हैं जिनका पालन करना बहुत जरूरी होता है। इन नियमों का पालन करने से घर में पॉजीटिव एनर्जी का फ्लो बना रहता है और घर में सुख समृद्धि आती है।

घर में तिजोरी रखने की सही जगह क्या होनी चाहिए इस बात का लोगों का अक्सर पता नहीं होता और गलत दिशा या गलता अलमारी में तिजोरी बनाकर अपने जीवन की दिक्कतों को बढ़ा लेते हैं। अगर आपकी भी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं चल रही हो तो अपने घर के वास्तु को जरूर जांच लें। वास्तु के अनुसार तिजोरी रखने की सही दिशा क्या होनी चाहिए जानते हैं। वास्तु के अनुसार घर में तिजोरी या लॉकर ऐसी जगह रखें कि उसका दरवाजा उत्तर की खुलना चाहिए। इस नियम को फॉलो करने से आपकी लाइफ में धन का प्रवाह बना रहता है। कोशिश करें इस अलमारी या तिजोरी को दक्षिण दिशा में रखें। अगर इस दिशा में नहीं रख पा रहे तो पश्चिम दिशा में रखें। ऐसा करने से तिजोरी का दरवाजा पूर्व की ओर खुलेगा।

घर में तिजोरी रखने के लिए इन नियमों का पालन जरूर करें, ऐसा करने से लक्ष्मी जी की कृपा बनी रहती है और जीवन में पैसों की तंगी नहीं होती और पैसा का प्रवाह बना रहता है।

# गुरु उदय के साथ ही होगा इन पांच राशियों का भाग्योदय

गुरु ग्रह सावन के शुरू होने से ठीक पहले मिथुन राशि में उदित हो रहे हैं। अतिचारी चाल से चल रहे अस्त अवस्था में चल रहे गुरु 9 जुलाई को सुबह 4 बजकर 40 मिनट पर उदित होंगे। गुरु के उदित होने से सभी राशियों को ही लाभ होगा और नौकरी कारोबार में अच्छे दिन शुरू होंगे। लेकिन गुरु का उदय मिथुन और धनु सहित 5 राशियों के जीवन में नई खुशियां लेकर आएगा। आपके लिए करियर में नए अवसर पैदा होंगे और कारोबार में भी आपको और विस्तार करने का मौका मिलेगा। गुरु के उदित होने से विवाहित लोगों के जीवन में खुशियां बढ़ेंगी और इनका वैवाहिक जीवन सुखमय होगा।

**वृषभ राशि** –वृषभ राशि वालों के लिए गुरु ग्रह का उदित होना लाभ से भरा होगा। जीवन में कई बदलाव आएंगे। वाणी में तीव्रता आएगी और पारिवारिक जीवन में सुख मिलेगा। लोग आपकी बातों को ध्यान से सुनेंगे। आपसे सलाह भी मांगेंगे। आपके परिवार में सुख और शांति बनी रहेगी। आप अपनी कमाई का कुछ हिस्सा बचाने में सफल रहेंगे। आपके पारिवारिक व्यवसाय में तरक्की होगी। अगर आप अपने परिवार के साथ मिलकर कोई बिजनस करते हैं, तो आपको आगे बढ़ने के कई मौके मिलेंगे। नौकरी करने वाले लोगों को भी अच्छा पैसा कमाने का अवसर मिलेगा। आप धार्मिक कामों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपको धार्मिक यात्राएं करने का मौका मिलेगा।

**मिथुन राशि** – गुरु ग्रह के उदय होने से आपको कई क्षेत्रों में सफलता मिलेगी। बच्चों से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। आप पढ़ाई में भी सफल रहेंगे। आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर पाएंगे। आपके विवाह के योग बन रहे हैं। विवाहित लोगों को अपनी शादीशुदा जिंदगी में कम परेशानियां आएंगी। आपके रिश्ते में सुधार होगा और आपको खुशी मिलेगी। आपके व्यवसाय में भी तरक्की की संभावना है। आपको समाज के प्रभावशाली लोगों से मिलने का अवसर मिलेगा। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आपका भाग्य साथ देगा और आपकी चिंताएं कम होंगी।

**कर्क राशि** –कर्क राशि वालों के लिए गुरु का उदय आपको मानसिक शांति देगा। समाज में सम्मान मिलेगा। आप धार्मिक कार्यों में ज्यादा पैसे खर्च करेंगे। आप अच्छे काम करेंगे। पूजा-पाठ, तीर्थ यात्रा और सामाजिक कार्यों में धन लगाएंगे। इससे आपको खुशी मिलेगी और समाज में इज्जत भी बढ़ेगी। मेहनत करने से आपको सफलता मिलेगी और विदेश जाने का मौका भी मिल सकता है। आपके कुछ खर्चे बढ़ सकते हैं। घर में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। आपको अपने ससुराल वालों से भी अच्छी खबर मिल सकती है। आपको शिक्षा, धन, बच्चे, शादी, व्यवसाय और भाग्य में अच्छे फल मिलेंगे। आपका भाग्य राजयोग के समान होगा।

**धनु राशि** –धनु राशि वालों के लिए गुरु ग्रह बहुत खास हैं। गुरु के उदय होने से आपके शादीशुदा जीवन में प्यार बढ़ेगा और व्यापार में सफलता मिलेगी। संपत्ति खरीदने की इच्छा पूरी हो सकती है। आप बिजनस में भी बड़ी सफलता पा सकते हैं। जमीन से जुड़ी कोई पुरानी इच्छा पूरी हो सकती है। यात्रा के मामले में आपको फायदा होगा। आपकी कमाई बढ़ सकती है। आपकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होगी, जिससे आपको लाभ होगा। गहरे आध्यात्मिक अनुभव हो सकते हैं। ससुराल वालों से अच्छी खबर मिल सकती है। आपको अपने जीवनसाथी के साथ समझदारी से पेश आना होगा। बिजनस में भी सावधानी बरतनी होगी।

**कुंभ राशि**–कुंभ राशि वालों के लिए गुरु का उदय गोचर कई बदलाव लेकर आएगा। आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होने की संभावना है। आपको वित्तीय लाभ हो सकता है। आपकी योजनाएं सफल होंगी और इच्छाएं पूरी होंगी। नौकरी बदलने के लिए भी यह अच्छा समय है। आपको कई फायदे होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपको धन लाभ होने की संभावना है। आपकी बनाई हुई योजनाएं सफल होंगी। आय में भी वृद्धि होने की संभावना है। नई नौकरी में आपको अच्छी तरक्की मिलेगी और आप अधिक पैसे कमा पाएंगे।

# हथेली में ये गुण होने पर भाग्य रेखा देती है धन, सम्मान और करियर में मिलेगा पद

हिंदू धर्म में ज्योतिषशास्त्र की तरह ही हस्तरेखा विज्ञान का भी बहुत खास महत्व होता है। इसमें किसी भी व्यक्ति के हाथों की बनावट, पर्वत और रेखाओं को देखकर उसके भविष्य, जीवन व स्वभाव के बारे में पता लगाया जा सकता है। हथेली में जीवन रेखा, मस्तिष्क रेखा, हृदय रेखा, स्वास्थ्य रेखा, भाग्य रेखा आदि मौजूद होती हैं। जिनकी बनावट, लंबाई और जुड़ाव को देखकर भविष्य के बारे में पता किया जाता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, भाग्य रेखा हमारी कलाई के पास हथेली के नीचे से शुरू होती है। यह बिल्कुल मध्य से होते हुए मध्यमा उंगली की ओर सीधी जाती है। इस रेखा का संबंध करियर, धन, बाधाओं, अवसरों और सफलता से होता है। माना जाता है कि एक अच्छी भाग्य रेखा तब ही धन, मान-सम्मान, उच्च पद और प्रतिष्ठा प्रदान करती है जब हाथ में कुछ और विशेष प्रकार के गुण भी मौजूद होते हैं।

## ऐसी भाग्य रेखा होने पर करियर में आती है बाधाएं

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, अगर भाग्य रेखा बिना किसी शाखा के हथेली पर मौजूद हो तो यह कोई फल नहीं आती है। ऐसी भाग्य रेखा होने पर व्यक्ति को करियर में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। माना जाता है कि भाग्य रेखा हथेली पर ऐसी होनी चाहिए जिसमें शाखाएं और वो बुध, बृहस्पति या सूर्य पर्वत के क्षेत्रों की ओर जाती हो। हस्तरेखा विज्ञान के मुताबिक, बिना शाखाओं वाली रेखा व्यक्ति को हानि पहुंचा सकती है। अगर भाग्य रेखा की शाखाएं ऊपर की ओर जाती हो, तो उन्हें अच्छा माना जाता है। इसके अलावा, छोटी भाग्य रेखा करियर में मुश्किलों को दर्शाती है।

## ऐसी हथेली होने पर मिलता भाग्य रेखा का पूर्ण लाभ

माना जाता है कि भाग्य रेखा तभी व्यक्ति को पूरा लाभ देती है जब हथेली बिल्कुल समरूप से संतुलित हो और साथ ही, हाथ के बीच वाली गड्ढा ज्यादा गहरा न हो। इस प्रकार की हथेली होने पर भाग्य रेखा जातक को करियर में सफलता हासिल कर सकती है। इसके लिए हथेली के साथ-साथ उंगलियों का भी सही प्रकार से विकसित, लंबा और सीधा होना जरूरी माना जाता है। उंगलियां समतल होकर हथेली से जुड़ी होनी चाहिए और ग्रह क्षेत्रों का भी सही प्रकार से उन्नत होना व कोई दोष न होना जरूरी होता है। हथेली में भाग्य रेखा के साथ अगर ये गुण भी मौजूद हों, तो यह सफलता और करियर में उन्नति को दर्शाता है।

## हथेली में इन गुणों का होना भी है बेहद जरूरी

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, शीर्ष यानी मस्तिष्क रेखा बिल्कुल सही प्रकार से अंकित होने के साथ-साथ लंबी, सीधी और गहरी भी होनी चाहिए। साथ ही, यह रेखा बृहस्पति पर्वत से उदय होती हो और जीवन रेखा को जाकर स्पर्श करे।हथेली में सूर्य रेखा का होना भी बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। माना जाता है कि इसकी सहायता के बिना किसी भी व्यक्ति को सफलता मिलना बहुत ज्यादा मुश्किल और बाधाओं भरा होता है। हस्तरेखा विज्ञान के मुताबिक, हाथ के अंगूठे में इच्छा शक्ति और तर्क शक्ति का सही प्रकार से संतुलित होना बेहद जरूरी होता है। बता दें कि अंगूठे का पहला पोर अच्छा शक्ति और दूसरा पोर तर्क शक्ति को दर्शाता है।

हथेली में भाग्य रेखा छोटी नहीं होनी चाहिए और लहरदार भी नहीं होनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसी रेखा जीवन में मुसीबतों, बाधाओं और आर्थिक समस्याओं को दर्शाती है। अगर भाग्य रेखा जीवन रेखा के अंदर से शुरू होती हो, तो जातक का जीवन प्रेम पर आधारित होता है। यानी अगर पुरुष हो तो स्त्री के और अगर स्त्री हो तो पुरुष के प्रेम पर उसका जीवन आधारित माना जाता है।

## ऐसी भाग्य रेखा होने पर सौभाग्य में होती है वृद्धि

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, अगर भाग्य रेखा हृदय रेखा से मिली हुई हो, तो उस जातक का प्रेम विवाह होता है। इसी के कारण व्यक्ति के सौभाग्य में भी वृद्धि होती है और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कुछ मान्यताएं ऐसी भी हैं कि अगर भाग्य रेखा हृदय रेखा रेखा के पास ही रुक जाए, तो ऐसे में जातक के करियर पर बुरा प्रभाव पड़ता है और उसे कई मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। लेकिन इसके दूसरे मत को हस्तरेखा विज्ञान में अधिक मान्यता दी गई है। माना जाता है कि भाग्य रेखा का गंतव्य स्थान शनि पर्वत है और उससे पहले रेखा का रुक जाना भाग्य रेखा के गुणों को रुकने के स्थान पर समाप्त कर देता है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

## सुखद संघर्षविराम

**रूस** चीन, पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक की मांग की थी। उन्होंने 'बिना शर्त युद्धविराम' का प्रस्ताव भी पेश किया। इजरायल-ईरान युद्ध के मद्देनजर और अमरीका के एकतरफा, विनाशक हमले के संदर्भ में उन देशों ने नागरिकों की सुरक्षा, यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अक्षरशः पालन किए जाने के प्रति अपने सरोकार और चिंताएं व्यक्त की थीं। पाकिस्तान इनमें फर्जी और चालबाज देश है, क्योंकि वह ईरान के साथ 'डबल गेम' खेल रहा है। उसने अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप का नाम नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है, लेकिन दूसरी तरफ ईरान को 'मुस्लिम भाईचारा' भी दिखाना है। बहरहाल ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को व्यावहारिक तौर पर 'खोखली' और 'दंतहीन' एजेंसी करार दिया है और न्याय, शांति मांगने उसी के दरबार में हाजिरी लगाई गई। बैठक के दौरान कूटनीति और आपसी संवाद के खूब बयान दिए गए और अमरीका, इजरायल को आरोपित किया गया कि वे सिर्फ हथियार और हत्याओं की भाषा ही जानते हैं। सुरक्षा परिषद को 'अमरीका की कठपुतली' तक करार दिया गया। फिर सुरक्षा परिषद में शांति, स्थिरता, युद्धविराम के प्रस्ताव कैसे पारित हो सकते थे? अमरीका ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर जो हमले किए, परमाणु कार्यक्रमों में जो विध्वंसक विस्फोट हुए होंगे, उनके मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की आपात बैठक बुलाई थी। यह एजेंसी भी संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध है और 1957 से कार्यरत है। बैठक के इतर ईरान ने सवाल उठाए कि उसके परमाणु उपक्रम आईएईए की निगरानी में थे, फिर अमरीका हमला करने में कामयाब कैसे हो गया? ईरान में मांग उठी है कि आईएईए के साथ सहयोग को 'सस्पेंड' कर दिया जाना चाहिए। इसी तरह ईरान 'परमाणु अप्रसार संधि' (एनपीटी) से भी अलग होना चाहता है। इजरायल पर एनपीटी और आईएईए की कोई बाध्यता नहीं है और न ही वह 'हस्ताक्षरी देश' है, लिहाजा उसकी परमाणु गतिविधियों और सुविधाओं पर संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध किसी भी अंतरराष्ट्रीय संस्था का न तो कोई अंकुश है और न ही कोई निगरानी है। इजरायल परमाणु शक्ति सम्पन्न देश है और उसके पास 90 परमाणु बम बताए जाते रहे हैं। बहरहाल ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमरीका और इजरायल ने पहली बार हमले नहीं किए हैं। करीब 15 साल पहले उन्होंने 'नतांज' परमाणु ठिकाने पर अत्यंत परिष्कृत साइबर हथियारों से हमला किया था। तब ईरान के करीब 20 फीसदी, करीब 5000 सेंट्रीफ्यूज, विस्फोट में 'मिट्टी-मलबा' कर दिए गए थे, लेकिन ईरान ने उन्हें न केवल दोबारा बना लिया, बल्कि अधिक परिष्कृत उपकरण भी स्थापित किए। अमरीकी हमले से पहले, इसी माह, ईरान के पास करीब 19,000 सेंट्रीफ्यूज ऑपरेशनल थे। यानी ईरान परमाणु बम बनाने की प्रक्रिया में है। ये किसी के आरोप नहीं हैं, बल्कि आईएईए ने इन प्रक्रियाओं की पुष्टि की है। आईएईए ने कहा है कि अमरीकी हमले में नतांज और इस्फहान के अलावा फोर्डो के भूमिगत परमाणु कार्यक्रमों को भी 'महत्वपूर्ण नुकसान' पहुंचा है। यूरेनियम संवर्धन संयंत्रों को कितना नुकसान पहुंचा है या वे बिल्कुल ही तबाह हो गए हैं, यह अभी नहीं कहा जा सकता। हमारे निरीक्षक वहां तक जाएंगे और निरीक्षण के बाद रपट देंगे कि हकीकत क्या है? विकिरण हो रहा है अथवा नहीं? इनके अलावा ईरान के पास जो 4400 किलो संवर्धित यूरेनियम है, उसकी स्थिति क्या है, निरीक्षण के बाद ही तय हो सकेगी। इस्फहान परमाणु प्रौद्योगिकी एवं शोध केंद्र में तीन रिएक्टर काम कर रहे हैं। उनमें एक लघु रिएक्टर चीन द्वारा 1991 में निर्मित है, जिसमें 900 ग्राम (2 पाउंड) बम ग्रेड का यूरेनियम है। हालांकि आईएईए की रपट में बहुत-सी जानकारियां गायब हैं। हालांकि अंततः कतर के अमीर शेख की मध्यस्थता और अमरीका के राष्ट्रपति ट्रंप के प्रस्ताव पर ईरान और इजरायल में युद्धविराम करा दिया गया। यह लागू भी कर दिया गया है। यह सुखद बात है।

इजरायल-ईरान युद्ध के मद्देनजर और अमरीका के एकतरफा, विनाशक हमले के संदर्भ में उन देशों ने नागरिकों की सुरक्षा, यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अक्षरशः पालन किए जाने के प्रति अपने सरोकार और चिंताएं व्यक्त की थीं। पाकिस्तान इनमें फर्जी और चालबाज देश है, क्योंकि वह ईरान के साथ 'डबल गेम' खेल रहा है। उसने अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप का नाम नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है, लेकिन दूसरी तरफ ईरान को 'मुस्लिम भाईचारा' भी दिखाना है। बहरहाल ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को व्यावहारिक तौर पर 'खोखली' और 'दंतहीन' एजेंसी करार दिया है और न्याय, शांति मांगने उसी के दरबार में हाजिरी लगाई गई।

नशीली दवाओं मुक्त दुनिया को निर्मित करने के लक्ष्य को प्राप्त करने, कार्रवाई और सहयोग को मजबूत करना होगा

# नशीली दवाओं के खिलाफ महत्वाकांक्षी युद्ध का आह्वान

ललित गर्ग

**नशीली** दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ नशीली दवाओं मुक्त दुनिया को निर्मित करने के लक्ष्य को प्राप्त करने, कार्रवाई और सहयोग को मजबूत कनरा होगा। इसका उद्देश्य गलत सूचनाओं का मुकाबला करना और नशीली दवाओं के बारे में तथ्यों को साझा करना है। साथ ही साक्ष्य आधारित रोकथाम, स्वास्थ्य जोखिमों और विश्व नशीली दवाओं की समस्या, उपचार और देखभाल से निपटने के लिए उपलब्ध समाधानों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। अवैध ड्रग्स एवं तस्करी मानव के लिए बहुत बड़ी पीड़ा एवं संकट का स्रोत हैं। सबसे कमज़ोर लोग, खास तौर पर युवा लोग, इस संकट का खामियाजा भुगतते हैं। ड्रग्स का इस्तेमाल करने वाले और नशे की लत से जूझ रहे लोग अंधेरी दुनिया में भटकते हुए कई चुनौतियों का सामना कर रहे है। नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के खुद के हानिकारक प्रभाव, उनके द्वारा झेला जाने वाला कलंक, स्वास्थ्य संकट और भेदभाव और अक्सर उनकी स्थिति के प्रति कठोर और अप्रभावी प्रतिक्रियाएं दुनिया को एक महासंकट में धकेल रही है। इसलिये नशे एवं नशीली दवाओं के बढ़ते प्रचलन एवं तस्करी को रोकने के लिये दुनिया को एकजुट होकर इस महत्वाकांक्षी युद्ध को सफल बनाना नितांत अपेक्षित है। हर साल संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) वैश्विक जागरूकता अभियानों और नीति सिफारिशों का मार्गदर्शन करने के लिए एक थीम निर्धारित करता है। 2025 की थीम है- ''जंजीरों को तोड़ना : सभी के लिए रोकथाम, उपचार और पुनर्प्राप्ति!'' यह नारा सामुदायिक समर्थन, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी से निपटने में वैश्विक एकजुटता की आवश्यकता पर जोर देता है। यूएनओडीसी की विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट 2020 के अनुसार, वर्ष 2018 में वैश्विक स्तर पर 269 मिलियन लोगों ने मादक पदार्थों का उपयोग किया, जो वर्ष 2009 की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक है; तथा अनुमान है कि 35 मिलियन लोग मादक पदार्थ उपयोग विकारों से पीड़ति हैं। यह दिवस न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और वैकल्पिक आजीविका सहित रोकथाम में निवेश का आह्वान करता है-जो टिकाऊ लचीलेपन के निर्माण के साथ उन्नत एवं स्वस्थ मानव जीवन का आधार हैं। दुनिया में सभी राष्ट्रों में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, सभी देशों में बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि दुनिया 'नशीले पदार्थों की राजनीति' के युग से गुजर रही है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। जिससे समय के साथ दुनिया में हेरोइन, अफीम, गांजा, चरस के अलावा अन्य नशों के साथ कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन बढ़ने लगा है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी वैश्विक स्तर पर चिंता का विषय बनी हुई है, जिससे लाखों व्यक्ति, परिवार और

समाज प्रभावित हो रहे हैं। इसीलिये यह दिवस एक स्वस्थ और नशीली दवाओं से मुक्त समाज बनाने के लिए साक्ष्य-आधारित नीतियों, सामुदायिक सहभागिता और नुकसान कम करने की रणनीतियों के महत्व पर प्रकाश डालता है। पिछले वर्ष विश्वभर में 15-64 वर्ष की आयु के 300 मिलियन से अधिक लोगों ने नशीले पदार्थों का उपयोग किया है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकार से पीड़ति 8 में से 1 व्यक्ति को उपचार मिल पाता है, जिससे बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंच की तत्काल आवश्यकता उजागर होती है। वैश्विक नशीली दवाओं का व्यापार प्रतिवर्ष 400 बिलियन डॉलर से अधिक उत्पन्न करता है, जिससे संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और हिंसा को बढ़ावा मिलता है। इस बड़े संकट की रोकथाम की आवश्यकता को महसूस करते हुए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसंबर, 1987 को संकल्प 42/112 के माध्यम से आधिकारिक तौर पर इस दिवस को स्थापित किया। इसका लक्ष्य नशीली दवाओं से संबंधित समस्याओं से निपटने में वैश्विक सहयोग को मजबूत करना और दंडात्मक उपायों के बजाय सार्वजनिक स्वास्थ्य-आधारित प्रतिक्रियाओं को बढ़ावा देना है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग शरीर में लगभग हर प्रणाली को प्रभावित करता है, जिससे गंभीर अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम सामने आते हैं। मादक द्रव्यों के सेवन से दीर्घकालिक स्वास्थ्य स्थितियाँ पैदा होती हैं, जिसमें ओपिओइड, मेथ और सिंथेटिक ड्रग्स सबसे ज्यादा मृत्यु दर और दीर्घकालिक अंग क्षति का कारण बनते हैं। इसके अलावा, नशीली दवाओं के दुरुपयोग के मानसिक स्वास्थ्य परिणाम उपयोगकर्ता से परे तक फैल जाते हैं, जिससे अक्सर परिवार टूट जाते हैं, रोजगार छिन जाता है और अपराध दर बढ़ जाती है। भारत में नशीली दवाओं का दुरुपयोग एक बढ़ता हुआ संकट है, जो भौगोलिक रूप से कमजोर, बढ़ती उपलब्धता और कम उम्र में इसकी शुरुआत से प्रेरित है। यह समस्या सभी आयु समूहों में फैली हुई है, लेकिन युवाओं में यह विशेष रूप से चिंताजनक है, जिसके स्वास्थ्य और सामाजिक परिणाम महत्वपूर्ण हैं। नशा मुक्त भारत अभियान - जागरूकता, शिक्षा और सामुदायिक कार्रवाई वाला एक राष्ट्रीय अभियान है। सीमा नियंत्रण और नारकोटिक्स ब्यूरो (एनसीबी)- बढ़ते नशीली दवाओं एवं नशे उत्पादों की तस्करी से निपटता है। यह नशीली दवाओं की जब्ती और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर काम करता है। नशे एवं ड्रग्स के धंधे की रोकथाम एवं जन-जागृति के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, नयी-नयी योजनाओं को लागू किया है। मोदी सरकार नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार लोगों के कल्याण, नशामुक्ति एवं नशामुक्त भारत को निर्मित करने के प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स को व्यापक स्तर पर फैलाया है, जिसके दुष्परिणाम विशेषतः पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र- गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। पंजाब के 26 प्रतिशत युवा चरस, अफीम तथा कोकीन व हेरोइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स लेने में लिप्त हैं। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया। पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में 'ड्रग्स-फ्री इंडिया' अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। देश के युवा अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं, पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। ड्रग्स के सेवन से महिलाएं बांझपन का शिकार हो रही हैं। पुरुषों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने जीवन के अस्तित्व पर चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज करके एक नये तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी के चक्र को तोड़ने के लिए समन्वित दीर्घकालिक कार्रवाई की आवश्यकता है। जरूरत है दुनिया की इस बड़े संकट एवं नासूर बनती इस समस्या को जड़मूल से समाप्त करने के लिये सरकारों के साथ गैर-सरकारी संगठन कमर कसे।

ड्रग्स का इस्तेमाल करने वाले और नशे की लत से जूझ रहे लोग अंधेरी दुनिया में भटकते हुए कई चुनौतियों का सामना कर रहे है। नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के खुद के हानिकारक प्रभाव, उनके द्वारा झेला जाने वाला कलंक, स्वास्थ्य संकट और भेदभाव और अक्सर उनकी स्थिति के प्रति कठोर और अप्रभावी प्रतिक्रियाएं दुनिया को एक महासंकट में धकेल रही है। इसलिये नशे एवं नशीली दवाओं के बढ़ते प्रचलन एवं तस्करी को रोकने के लिये दुनिया को एकजुट होकर इस महत्वाकांक्षी युद्ध को सफल बनाना नितांत अपेक्षित है। हर साल संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) वैश्विक जागरूकता अभियानों और नीति सिफारिशों का मार्गदर्शन करने के लिए एक थीम निर्धारित करता है। 2025 की थीम है- ''जंजीरों को तोड़ना : सभी के लिए रोकथाम, उपचार और पुनर्प्राप्ति!'' यह नारा सामुदायिक समर्थन, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी से निपटने में वैश्विक एकजुटता की आवश्यकता पर जोर देता है।

कुछ अलग

## हक के तराजू पर सियासत

**राजनीति** में संभावना और संभावना में सियासत के अपने अदब और विरासत के पांव चलते हैं। हिमाचल में सरकारों का आकलन एक तरह से मध्यमार्गीय रहा है। ढाई साल के बाद दांव पर दांव खेला जाता है, तो इस बार भाजपा का विश्लेषण जरूरी हो जाता है। क्या मुरशिद होकर विपक्ष की पारी आसान हो जाएगी, क्योंकि पांवटा साहिब की गलियों में हुई नारेबाजी ने एक मुद्दा उछाला, लेकिन अब यह समाज की निगाहों में निजी बन चुका है। कल की बात न कर, फकीरी की बात न कर, आज की बात है सिक्का उछाल कर विवाद न कर। कुछ सब्र के पैगाम हैं, हर रात के अंजाम हैं। यानी सुक्खू की सरकार के अपने संदर्भों की मिलकीयत में मुद्दा है, मुकदमा है। पिछले कुछ वर्षों से हमने एक साथ कई मुख्यमंत्रियों को इस प्रयास में देखा कि सरकारें 'मिशन रिपीट' की हवा में अपनी प्राथमिकताएं भूल गईं। बजट की झंकार भूल गईं और एक हवा की तरह चुनाव के प्रणय भाव में आक्रामकता भूल गर्इं। कम से कम वर्तमान सरकार के विरोध में भाजपा के भले कई हाथ होंगे, लेकिन सत्ता का गुणात्मक पक्ष प्रदेश के हित को आक्रोश के प्याले में भरने में कामयाब हुआ है। उन रास्तों का जिक्र होना शुरू हुआ है, जो हिमाचल को कमाना सिखा सकते हैं। हिमाचल की आर्थिकी के कई बंद ताले हैं, जिन्हें खोलने का अधिकार आज तक नहीं मिला।

देश दुनिया से

## नशा मुक्त भारत बनाने की बड़ी चुनौती

**विश्व** के अनेक देशों में लोगों में और खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए ही हर साल 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है। जहां तक भारत की बात है, चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। वास्तव में मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं। कोकीन हो या ऐसे ही अन्य मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं,

ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं। युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं। देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। अधिकांश लोगों में गलत धारणाएं विद्यमान हैं कि मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं। वर्ष 1993 में प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से बताया है बताया है कि कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरूपयोग कहा जाता है।

आप का नजरिया

## यह आधुनिकता मानव को कहां जाकर छोड़ेगी?

**अनिश्चित** समय के लिए पृथ्वी पर उपस्थित मनुष्यों को वास्तव में कौन, कैसे, किस दिशा में और किस उद्देश्य से या फिर निरुद्देश्य होकर चलाता है? यह प्रश्न इसलिए हमारे मन-मस्तिष्क में अवश्य उभरना चाहिए क्योंकि चलाने वाले और चलने वाले दोनों ही तरह के मनुष्य जब एक अल्प सीमित समय के लिए जीवन व दुनिया में विद्यमान हैं तो फिर उद्योगों, उत्पादन, परिवहन, सूचना संग्रहण व प्रसारण, ऊर्जा उत्खनन, उत्पादन, संग्रहण व उपयोगीकरण और अन्य अनेक आधुनिक गतिविधियों का चालन-परिचालन क्या वास्तव में मनुष्य कल्याण के ध्येय से हो रहा है अथवा इसमें सबसे पहले व्यापारियों व पूंजीपतियों तथा फिर राजनेताओं व शासकीय अधिकारियों की निज प्रतिष्ठा, ख्याति, मान-सम्मान और चहुंदिश जीवन सुरक्षा के स्वार्थ ही निहित हैं? आधुनिक प्रगति के रिकार्डों को एकत्र करने वालों को इस संबंध में यह जिज्ञासा भी प्रकट करनी चाहिए कि क्या अनिश्चित, स्वप्निल व मृत्युर्मुखी मनुष्य जीवन की आवश्यकताएं रोटी, वस्त्र और छत से अधिक होते रहने के कारण दुनिया में मनुष्य जीवन के लिए प्रतिदिन ही प्रतिकूल परिस्थितियां उत्पन्न नहीं होती रहीं अथवा नहीं हो रहीं? विज्ञान, प्रगति, उन्नति, आधुनिकता के आधार पर एडवांस व मॉडर्न लाइफ जीने की महत्त्वाकांक्षाओं ने मनुष्य को इंटेलिजेंट नहीं बनाया है, बल्कि इससे उसकी मूर्खता में वृद्धि हुई है और इसीलिए वो ये बात भूलकर आधुनिक दुनिया के मेलों, चीजों और सेवाओं-सुविधाओं में मस्त हो गया है कि एक दिन उसके जीवन का भौतिक आधार उसका शरीर ऊर्जाहीन व निष्प्राण होकर खत्म हो जाएगा और उसकी अनुपस्थिति में ये पूरी दुनिया, उसके नाते-रिश्तेदार, सगे-संबंधी व स्वजन भी नया दिन निकलते ही अपने-अपने खटकर्मों में लग जाएंगे और उसे फिर कभी भी याद नहीं करेंगे। मैं आज तक ये नहीं समझ पाया कि आखिर में जब आधुनिक तरक्की की बुलंदियों पर पहुंचा इनसान भी अपनी तरक्की की ताकत से अपनी उम्र बढ़ाने में कामयाब नहीं हो पाता है, तो फिर तरक्की या तरक्की की बुलंदी के क्या खास मायने हैं। ये समझने की कोशिश भी कर रहा हूं कि जब खूब रुपया-पैसा कमाने वाले अमीर लोग और उनके खास रिश्तेदार भी बीमारियों से घिरे रहते हैं और लाख चाहकर भी मनमानी खुशहाल जिंदगी नहीं जी पाते हैं, तो फिर आधुनिकता के भ्रम में फंसकर सबसे बड़े आधुनिक भ्रमी होकर भी अमीरजादों का क्या फायदा। जब हर पैदा होने वाले जीव ने आज या कल, जल्दी या देर से मरना ही मरना है तो फिर आधुनिकता की चक्की में पिसते हुए तरक्की व कामयाबी की धूल-धूसर क्यों बनना। यही बातें आज से चालीस-पचास साल पहले हमारे दादा-दादी हमारे माता-पिता को और सौ-दो सौ साल पहले हमारे परदादा-परदादी हमारे दादा-दादी को बताया करते थे। यही बातें आज भी हम अपने बच्चों को बता रहे हैं, पर आधुनिकता की तेज रफ्तार में भागते हुए उन्हें हमारी ये बातें पूरी तरह बेकार लग रही हैं। बस यही वो नस है जो आधुनिकता का नेतृत्व करने वालों ने पकड़ी हुई है और वे बार-बार इसे दबाकर अपने हितों, स्वार्थों, अहंकारों, फायदों, मंशाओं और निरर्थक महत्त्वाकांक्षाओं की पूर्ति करने में लगे हुए हैं। वैसे पूर्वनिर्धारित लक्ष्य उनका भी नहीं है। उनके पास भी आधुनिकता का कोई निश्चित अथवा अंतिम उद्देश्य नहीं है। जैसे सार्वजनिक स्थानों और सडकों पर आधुनिक होने-बनने के लिए लोगों की भीड़ बुरी तरह बेचैन है, ठीक उसी तरह आधुनिकता के कर्ताधर्ता भी बेचैनी की बीमारी के सताए हुए हैं। इन्हें चैन ही तब आता है जब ये बेचैनियों की एक यात्रा पूरी करते हैं। मतलब जब तक ये वैज्ञानिकों की मदद से लोगों की भीड़ को देने के लिए कोई एक नया यंत्र या नई आधुनिक सेवा अथवा वस्तु उपलब्ध नहीं करा देते हैं, तब तक इनके पेट में आधुनिकता के सर्वेसर्वा होने का दंभ भंवर की तरह घूमता-डोलता रहता है। आज दुनिया का रंग-रूप केवल और केवल रुपए-पैसे के रंग से रंगा हुआ है। अब केवल अर्थव्यवस्था की बातें होती हैं। अब केवल आयात-निर्यात, बिक्री-खरीद, नकद-उधार, बैंक-बीमा, जमा-खर्च, फायदा-नुकसान, लाभ-हानि की बातें होती हैं। ऊर्जा की बात पर पेट्रोल, डीजल, परमाणु, नाभिकीय, सौर, पवन इत्यादि ऊर्जा की बात होती है। आने-जाने की बात होती है तो हाईवे, एक्सप्रेस वे, फोर लेन, टू लेन, सिक्स लेन रोड की बात होती है। वाहनों की बात पर सैकड़ों वाहनों की बात होती है। आधुनिकता के प्रतीकों जैसे एयर वेज, रेलवेज, रोडवेज, होटल, टूरिज्म, एआई, एसबीआई, एफडीआई, इंटरनेट, कंप्यूटर, क्वांटम, टेक्नोलोजी, स्पेक्ट्रम, इंफोर्मेशन, मॉडर्न हथियारों की बातें होती हैं।

दृष्टि कोण

## कड़वाहट से मुक्ति के लिये सम्मानजनक अलगाव

**इसके** विपरीत, 'नो-फॉल्ट' तलाक में, तलाक के लिए किसी भी पक्ष को दूसरे की गलती साबित करने की आवश्यकता नहीं होती। उन्हें बेवफाई, क्रूरता या परित्याग जैसे विशिष्ट कारणों को साबित करने की आवश्यकता नहीं होती। यह इस सिद्धांत पर आधारित है कि यदि विवाह अपरिवर्तनीय रूप से टूट गया है और सुलह की कोई संभावना नहीं है, तो दोनों पक्षों को सम्मानपूर्वक अलग होने की अनुमति दी जानी चाहिए। इसका मुख्य आधार 'अपरिवर्तनीय रूप से टूट चुका विवाह' होता है। ऐसे में, विकसित देशों के अनुभवों से सीखना महत्वपूर्ण हो जाता है, जहां 'नो-फॉल्ट' तलाक एक सफल मॉडल साबित हुआ है। विकसित देशों जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया में 'नो-फॉल्ट' तलाक ने कई सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं। सबसे पहले, इसने तलाक की प्रक्रिया को काफी सरल और तेज बना दिया है। अदालती कार्यवाही कम होती है, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है। दूसरा, यह प्रक्रिया को कम विरोधी बनाता है। जब किसी एक पक्ष पर दोष नहीं लगाया जाता, तो कटुता और प्रतिशोध की भावना कम होती है, जिससे बच्चों के लिए बेहतर माहौल बनता है और भविष्य में सह-पालन की संभावना बढ़ जाती है। तीसरा, यह महिलाओं को सशक्त बनाता है। पारंपरिक तलाक कानूनों में अक्सर महिलाओं को अपनी स्थिति साबित करने के लिए अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ता था, लेकिन 'नो-फॉल्ट' तलाक उन्हें इस बोझ से मुक्त करता है। भारत में वर्तमान में तलाक के लिए विभिन्न आधार उपलब्ध हैं और हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत आपसी सहमति से तलाक (धारा 13 बी) शामिल हैं। आपसी सहमति से तलाक 'नो-फॉल्ट' सिद्धांत के करीब है, लेकिन इसमें भी कुछ शर्तें और प्रतीक्षा अवधि शामिल है। भारत

में तलाक से संबंधित मौजूदा कानून, जैसे कि हिंदू विवाह अधिनियम, अभी भी काफी हद तक 'फॉल्ट-आधारित' है। जबकि आपसी सहमति से तलाक का प्रावधान है, यह तभी संभव है जब दोनों पक्ष सहमत हों और एक निश्चित अवधि तक अलग रह चुके हों। लेकिन अगर एक पक्ष तलाक नहीं चाहता, तो दूसरे पक्ष को क्रूरता, व्यभिचार, परित्याग या मानसिक बीमारी जैसे आधारों पर दोष साबित करना पड़ता है। यह प्रक्रिया अक्सर अपमानजनक और लंबी खींचने वाली होती है, जिससे दोनों पक्षों को मानसिक और भावनात्मक आघात पहुंचता है। शिल्पा शैलेश बनाम वरुण श्रीनिवासन (2023) का मामला भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुआ। इस महत्वपूर्ण मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'अपरिवर्तनीय वैवाहिक विच्छेद' के आधार पर सीधे तलाक को मंजूरी दी। यह निर्णय इस मायने में उल्लेखनीय था कि यह ऐसे समय में आया जब तलाक के लिए कानून में 'अपरिवर्तनीय वैवाहिक विच्छेद' का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं था। सुप्रीम कोर्ट के इस कदम को 'नो-फॉल्ट' सिद्धांत की दिशा में एक बड़ा और प्रगतिशील कदम माना गया। इसका अर्थ यह है कि तलाक के लिए अब किसी भी पक्ष द्वारा विशेष दोष साबित करने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि केवल यह तथ्य कि विवाह पूरी तरह से टूट चुका है और उसमें सुधार की कोई गुंजाइश नहीं है, तलाक के लिए पर्याप्त आधार होगा। संयुक्त परिवार प्रणाली के कमजोर पड़ने के साथ, व्यक्ति अधिक आत्मनिर्भर हो रहे हैं और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को महत्व दे रहे हैं। महिलाएं अब आर्थिक रूप से अधिक स्वतंत्र हैं और इसलिए वे ऐसे रिश्तों में बंधे रहने को तैयार नहीं हैं जो उन्हें खुश नहीं रखते। 'नो-फॉल्ट' तलाक इस तनाव को कम करने में मदद कर सकता है। जब माता-पिता आरोप-प्रत्यारोप में उलझे रहते हैं तो इसका सबसे बुरा असर बच्चों पर पड़ता है। एक आसान और कम तनावपूर्ण तलाक प्रक्रिया बच्चों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करती है। साथ ही, अदालतों पर बढ़ते मुकदमों का बोझ भी इस बात पर विचार करने के लिए मजबूर करता है कि क्या तलाक प्रक्रियाओं को सरल और कम तनावपूर्ण बनाया जा सकता है। 'नो-फॉल्ट' तलाक को पूरी तरह से अपनाने में कई चुनौतियां हैं।

# आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

आज का दिन ऐसे काम करने के लिए बेहतरीन है, जिन्हें करके आप ख़ुद के बारे में अच्छा महसूस करते हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज प्रेम–संबंधों में अपने स्वतन्त्र विवेक का इस्तेमाल कीजिए। अपने वरिष्ठों को नज़रअंदाज़ न करें। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह**

घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। महिला सहकर्मी बहुत मददगार रहेंगी और अटके कामों को भली–भांति पूरा करने में सहयोग देंगी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

ख़ास तौर पर अपने गुस्से पर क़ाबू रखें, क्योंकि यह और कुछ नहीं बल्कि थोड़ी देर पागलपन है। आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। छोटे भाई–बहन आपसे राय मांग सकते हैं अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख–कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

ऐसा करना आगे काफ़ी लाभदायक सिद्ध होगा। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है दूसरों को ऐसा काम करने के लिए बाध्य न करें, जो आप स्वयं न करना चाहें। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। आपके जीवनसाथी के लबों की मुस्कान पल भर में आपका सारा दर्द ग़ायब करने की क़ाबिलियत रखती हे।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। आज हर कोई आपसे दोस्ती करना चाहता है और आप उनकी ये इच्छा पूरी करने में ख़ुशी महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। वाद–विवाद की हालत में पुराने दिनों की यादों को ताज़ा करना न भूलें।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

शरीर के किसी अंगे में दर्द होने की संभावना है। लम्बे समय से अटके मुआ–वज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। इस राशि के कारोबारियों को आज कारोबार के सिलसिले में अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। यह यात्रा आपको मानसिक तनाव दे सकती है। नौकरी पेशा लोगों को आज ऑफिस में इधर–उधर की बातें करने से बचना चाहिए। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं लेकिन इस दौरान आप शराब का सेवन करने से बचना चाहिए नहीं तो समय की बर्बादी हो सकती है। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्त और रिश्तेदार साथ में ज़्यादा वक़्त बिताने की मांग करेंगे लेकिन यह सभी दरवाज़े बन्द करके राजसी आनन्द लेने का समय है। सावधान रहें, क्योंकि प्यार में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा–से–ज़्यादा रुमानी हो। अगर आप सही लोगों को अपनी क्षमताएँ और प्रतिभा दिखाएंगे, तो जल्दी ही लोगों की निगाहों में आपकी नयी और बेहतर छवि होगी। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़ थकान दूर करेगा।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपका साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको विचार अवश्य करना चाहिए। आपके घर का कोई करीबी शख्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। गर्लफ्रेंड/बॉयफ्रेंड के साथ अभद्र व्यवहार न करें। नयी योजनाओं को शुरू करने के लिए बढ़िया दिन है। अपनी कमियों पर आप–को काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

## आज का पंचांग

दिनांक : 26 जून 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा दोपहर 01:27 तक
नक्षत्र : आर्द्रा प्रातः 08:27 तक
योग : ध्रुव रात्रि 11:40 तक
करण : बव दोपहर 01:27 तक
चन्द्रराशि : मिथुन रात्रि 01:41 तक
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:53 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:49 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:43 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:37, सूर्यास्त 06:43 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गुप्त नवरात्रि आरंभ , चन्द्रदर्शन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया का सबसे मजबूत लोकतंत्र : भजनलाल

**जयपुर, 25 जून (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 25 जून 1975 की आधी रात को देश में थोपा गया आपातकाल हमारे लोकतांत्रिक इतिहास पर काला धब्बा है। इस दौरान तत्कालीन सरकार ने मीसा और डीआईआर जैसे अलोकतांत्रिक कानूनों को लागू कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस की आजादी और मौलिक अधिकारों का दमन किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों ने संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए जेलों में कड़ी यातनाएं झेली और लोकतंत्र को बचाने के लिए जो संघर्ष किया, वो एक अप्रतिम उदाहरण है।

शर्मा बुधवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आपातकाल लगाए जाने के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय– संविधान हत्या दिवस–2025 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान तत्कालीन सरकार ने लगभग एक लाख 40 हजार लोगों को अलोकतांत्रिक तरीके से कई महीनों तक कैद में रखा। उस समय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भी जेल में बंद कर दिया। लेकिन लोकतंत्र के सजग प्रहरी इन सेनानियों ने जीवन की परवाह किए बिना अपने संकल्प पर डटे रहे और आपातकाल का जमकर विरोध किया।

शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों की मूल भावना के अनुरूप ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में लोकतंत्र और संविधान को मजबूत करने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री ने 26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाने की शुरुआत की और बाबा साहब अंबेडकर के जीवन से जुड़े स्थानों को पंचतीर्थ घोषित कर सम्मान दिया। वहीं हमारे द्वारा समर्थित केन्द्र सरकार ने ही बाबा साहब को भारत रत्न दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के साथ ही दुनिया

का सबसे मजबूत लोकतंत्र भी है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार लोकतंत्र सेनानियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हमने राजस्थान लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि को फिर से बहाल किया है। अब प्रदेश के सभी लोकतंत्र सेनानियों को 20 हजार रुपये मासिक पेंशन और 4 हजार रुपये की मासिक चिकित्सा सहायता उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि अधिनियम के तहत ऐसा प्रावधान भी किया गया है कि लोकतंत्र सेनानियों को पेंशन बिना किसी रुकावट के मिलती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज लोकतंत्र सेनानियों का सान्निध्य पाकर उन्हें अत्यंत हर्ष एवं गौरव की अनुभूति हो रही है। हमारे लोकतंत्र की जड़ों को सींचने और उसे मजबूत बनाने में उनका त्याग हम सब के लिए प्रेरणापुंज है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भावी पीढ़ी से सेनानियों से उनके संघर्ष के संस्मरण सुनने और प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इससे युवाओं को पता चलेगा कि जिन अधिकारों और स्वतंत्रताओं को वो उपभोग कर रहे हैं उसके लिए लोकतंत्र सेनानियों ने कितनी बड़ी कीमत चुकाई।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कहा कि तत्कालीन सरकार ने सत्ता बचाने के लिए आपातकाल लागू कर लोकतंत्र की हत्या की तथा अलोकतांत्रिक तरीके से संविधान संशोधनों के जरिए आमजन के मौलिक अधिकारों का हनन किया। मीसा जैसा कानून लाया गया जिसमे अनिश्चितकालीन गिरफ्तारी का प्रावधान रखा गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश के लोकतंत्र सेनानियों के संस्मरणों से संकलित 'लोकतंत्र रक्षा की कहानी– सेनानियों की जुबानी' पुस्तक का विमोचन किया। साथ ही, उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों का अभिनंदन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने परिसर में आपातकाल के 50 वर्ष पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। समारोह में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, विधायक गोपाल शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं लोकतंत्र सेनानी उपस्थित रहे।

# उदयपुर में फ्रांसीसी युवती से रेप का आरोपी कास्टिंग डायरेक्टर गिरफ्तार

**उदयपुर, 25 जून (एजेंसियां)।** राजस्थान के टूरिज़्म हब उदयपुर में उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक फ्रांसीसी युवती ने रेप का आरोप लगाया। आरोपी कोई और नहीं, बल्कि वह शख्स निकला जो खुद को कास्टिंग डायरेक्टर बताता है। सलमान खान और अक्षय कुमार जैसे बड़े सितारों की फिल्मों में कास्टिंग करने का दावा करने वाला यह युवक अब पुलिस की गिरफ्त में है। नाम है–पुष्पराज उर्फ सिद्धार्थ ओझा (29)।

22 जून को फ्रांस की युवती एक मोबाइल ऐड शूट के लिए उदयपुर आई थी। दिनभर पिछोला झील, सज्जनगढ़ किला और अन्य जगहों पर शूट हुआ। रात को द ग्रीक फॉर्म एंड रेस्ट्रो कैफे में पार्टी हुई, जहां क्रू मेंबर्स मौजूद थे। यहीं से कहानी ने मोड़ लिया। आरोप है कि पार्टी के दौरान आर–ोपी सिद्धार्थ ने स्मोक करने का बहाना बनाकर युवती को अपने फ्लैट (सुखेर स्थित) ले गया और वहां उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की और जबरदस्ती की।

एसपी योगेश गोयल ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि पुष्पराज ने पूछताछ में जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने केस में तेजी दिखाते हुए कहा कि सात दिन में चार्जशीट कोर्ट में पेश कर दी जाएगी। युवती का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है और वह खतरे से बाहर है। पुलिस कस्टडी में ले जाते वक्त आरोपी जोर–जोर से चिल्लाया–मैंने रेप नहीं किया... मुझे फंसाया गया है। मैं खुद सरेंडर करने जा रहा था।

पुष्पराज का कहना है कि वह बॉलीवुड इंडस्ट्री का हिस्सा है और कुछ बड़े नाम उसे फंसाने की साजिश कर रहे हैं। उसने यह भी कहा कि वह बाहरी है और उसे यहां से निकालने की चाल चली जा रही है।

# आपातकाल की बरसी पर भाजपा ने मनाया काला दिवस

## लोकतंत्र की हत्या को बताया कांग्रेस का पाप

**भरतपुर, 25 जून (एजेंसियां)।** भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को 25 जून को काला दिवस के रूप में मनाया और 1975 में लगाए गए आपातकाल की कड़ी आलोचना की। इस अवसर पर भाजपा कार्यालय भरतपुर में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र पर सबसे बड़ा आघात बताया।

कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी और महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूजा कपिल मिश्रा सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि 25 जून 1975 को कांग्रेस सरकार द्वारा आपातकाल थोपकर न केवल संविधान की मर्यादाएं तोड़ी गईं, बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मीडिया, न्यायपालिका और संसद जैसे लोकतंत्र के स्तंभों को कुचला गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि इंदिरा गांधी सरकार ने सत्ता बचाने के लिए देश की जनता की आवाज को दबाया और लोकतंत्र की हत्या की। इसे भारतीय इतिहास का सबसे काला अध्याय करार देते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि भविष्य में लोकतंत्र की रक्षा के लिए वे हमेशा सजग और सक्रिय रहेंगे। संगोष्ठी के दौरान आपातकाल के दौरान हुए दमन, गिरफ्तारी और सेंसरशिप जैसे दुष्परिणामों का विस्तार से उल्लेख किया गया। वक्ताओं ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को उस समय के अत्याचारों से अवगत कराना आवश्यक है ताकि लोकतंत्र की कीमत को समझा जा सके।

# लोकतंत्र सेनानियों की बदौलत संविधान और लोकतंत्र जीवित है : शिक्षा मंत्री

**जयपुर, 25 जून (एजेंसियां)।** शिक्षा मंत्री मदन दिलावर बुधवार को चूरू जिले के टाउन हॉल में आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में आयोजित संविधान हत्या दिवस–2025 कार्यक्रम में शिरकत की और लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया।

लोकतंत्र सेनानियों को संबोधित करते हुए दिलावर ने कहा कि हमारे लोकतंत्र सेनानियों की बदौलत ही हमारा संविधान व लोकतंत्र जीवित है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के संविधान को सुरक्षित व संरक्षित करने के साथ संविधान के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखें। दिलावर ने इस अवसर पर कहा कि आपातकाल को लगे 50 वर्ष बीत गए हैं। हमारी आने वाली पीढ़ी लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष की जानकारी रखें साथ ही संवैधानिक मूल्यों और विचारों का संचार करें। इस अवसर पर चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुर–ाणा सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी व लोकतंत्र सेनानी मौजूद रहे।

# हरियाणा में भाजपा ने मनाया काला दिवस लोकतंत्र रक्षकों को किया सम्मानित

**रेवाड़ी, 25 जून (एजेंसियां)।** भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे देशभर में आपातकाल के काले अध्याय की 50वीं वर्षगांठ काला दिवस के रूप में मनाई जा रही है। इसी कड़ी में बुधवार को भाजपा रेवाड़ी इकाई द्वारा बावल रोड स्थित फ्यूजन होटल में आपातकाल के 50 वर्ष: एक स्मरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक लगे आपातकाल की घटनाओं, दस्तावेज़ों और पत्रकारिता पर हुए प्रतिबंधों को चित्रों और दस्तावेजों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. रामबिलास शर्मा और वरिष्ठ नेता अमरपाल राणा द्वारा किया गया। वक्ताओं ने आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय बताते हुए कहा कि यह वह समय था जब संविधान और मौलिक अधिकारों को कुचलने का प्रयास हुआ। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा थोपे गए आपातकाल ने न केवल प्रेस की स्वतंत्रता को बाधित किया, बल्कि लाखों राजनीतिक कार्यकर्ताओं को जेल में डालकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने का प्रयास किया गया।

पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा ने अपने संबोधन में कहा, आपातकाल हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र की रक्षा केवल मत डालने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए संघर्ष और जागरूकता दोनों जरूरी हैं। उन्होंने आपातकाल के दौरान जेलों में यातना झेलने वाले लोकतंत्र रक्षकों के साहस को नमन करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी को उस संघर्ष को जानना और समझना आवश्यक है।इस कार्यक्रम की विशेष प्रदर्शनी में आपातकाल से संबंधित अख़बारों की कतरनें, प्रतिबंधित पत्रकारिता के दस्तावेज़, उस दौर के राजनीतिक बंदियों के चित्र और संस्मरण प्रदर्शित किए गए। उपस्थित जनों ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए इतिहास के उस कालखंड को नजदीक से महसूस किया।

# हरविन्द्र कल्याण ने की ओम बिरला से मुलाकात

## गुरुग्राम में होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर लिया मार्गदर्शन

**चंडीगढ़, 25 जून (एजेंसियां)।** हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने बुधवार को नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भेंट की। यह मुलाकात आगामी 3 और 4 जुलाई को गुरुग्राम में आयोजित होने वाले शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर हुई, जिसमें सम्मेलन को सफल बनाने हेतु विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष से मार्गदर्शन भी प्राप्त किया।

इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी हरियाणा विधानसभा कर रही है। हरविन्द्र कल्याण ने जानकारी दी कि सम्मेलन में देशभर से शहरी स्थानीय निकायों से जुड़े जनप्रतिनिधि, शहरी विकास के विशेषज्ञ, प्रशासक और नीति निर्माता

भाग लेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य स्थानीय स्वशासन को सशक्त बनाना, शहरी विकास की दिशा में नवाचार को बढ़ावा देना और नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता को और बेहतर बनाना है। विधानसभा अध्यक्ष कल्याण इस आयोजन को सफल बनाने के लिए स्वयं सक्रियता से जुटे हैं और लगातार प्रदेश सरकार तथा विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कर रहे हैं।

# आरती सिंह राव ने की जनसुनवाई, अधिकारियों को कार्रवाई के दिए निर्देश

**चंडीगढ़, 25 जून (एजेंसियां)।** हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने चंडीगढ़ स्थित अपने सरकारी आवास पर नागरिकों से मुलाकात कर उनकी शिकायतों को सुना। बातचीत के दौरान मंत्री ने लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा और संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक मुद्दे को निर्धारित समय सीमा के भीतर हल करने के निर्देश दिए। मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार और नागरिकों को समय पर, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्राप्त करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

# संविधान को तोड़ना कांग्रेस के डीएनए में शामिल : नायब सिंह सैनी

**करनाल, 25 जून (एजेंसियां)।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि संविधान को तोड़ना कांग्रेस के डीएनए में शामिल है और वे संविधान को बचाने की दुहाई देते हैं, जबकि वे आज भी उनकी सरकार बनने के बाद धारा – 370 को वापिस करने जैसे बयान देकर भी संविधान को कुचलने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 के बाद से पिछले 11 वर्षों में ये देश संविधान के अनुरूप चला है और असल मायने में आजाद भारत को लोगों ने देखा है।

मुख्यमंत्री करनाल में भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय– देश में आपातकाल लगाए जाने के 50 साल पूर्ण होने पर संविधान हत्या दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब हमारा देश अंग्रेजों की गुलामी का दंश झेल रहा था, उस समय हमारे देश के नायकों ने अपना बलिदान दिया ताकि आने वाली पीढ़ियां खुली हवा में साँस ले सकें, लेकिन उस समय

किसी को यह नहीं पता था कि देश एक ऐसा दौर भी देखेगा, जब पवित्र संविधान की हत्या की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 जून का दिन हम सबको याद कराता है कि उस समय कैसे रात के 12 बजे सरकार द्वारा इमरजेंसी का आदेश पारित होता है और आम लोगों को यातनाएं देते हुए पकड़ लिया जाता है। उन पर किए गए अत्याचारों से आज भी हमारे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। यह आदेश उस सरकार की अपनी इच्छाशक्ति को पूरा करने के लिए जारी किया गया था। यह एक सोची–समझी साजिश के तहत किया गया था। देश के पवित्र संविधान को अपने स्वार्थ के लिए कुचल दिया गया। इमरजेंसी के दौरान संविधान और लोकतंत्र का एक बार भी स्मरण नहीं किया गया। किस प्रकार नेताओं और अपनी आवाज को बुलंद करने वाले लेखकों पर अत्याचार किए गए, उनको जेलों में बंद कर दिया गया, ताकि वे सरकार के खिलाफ कुछ न लिख सकें।

उन्होंने कहा कि जब भारत अंग्रेजों से आजाद हुआ तो देश में छोटी–छोटी 562 रियासतें थी और इन 562 रियासतों को एकजुट करने का काम सरदार वल्लभभाई पटेल को दिया गया और उन्होंने सभी रियासतों को एकजुट करने का काम किया। वहीं, सिर्फ एक रियासत की जिम्मेवारी पंडित जवाहरलाल नेहरू को सौंपी गई थी, जिसका परिणाम सब जानते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने कभी संविधान का सम्मान नहीं किया और उनके नेता लोकतंत्र के मंदिर संसद में खड़े होकर बिल को फाड़ कर संविधान का अपमान करते है। संविधान की रक्षा की बात करने वालों की पीढ़ियों ने भी कभी संविधान का सम्मान नहीं किया। कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण ही लोगों को प्रताड़नाओं का दंश झेलना पड़ा और इन गलत नीतियों के कारण ही आज लोगों ने कांग्रेस को साफ कर दिया है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि उस समय की सरकार ने जम्मू – कश्मीर के अंदर जाने के लिए परमिट प्रथा शुरू की। सरकार की क्या सोच थी कि उस हिस्से को देश से अलग करना चाहते थे। परंतु डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने परमिट प्रथा का विरोध किया और कहा कि इस देश में दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे। वे यात्रा लेकर निकल पड़े और बिना परमिट के जम्मू –कश्मीर में चले गए। उन्हें अपनी कुर्बानी देनी पड़ी, तब जाकर परमिट प्रथा समाप्त हुई, लेकिन उसके बाद भी लंबे समय तक इस देश में दो संविधान, दो प्रधान और दो निशान चलते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धारा – 370 को समाप्त कर एक संविधान, एक प्रधान और एक निशान के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को पूरा किया।

### आपातकाल की 50वीं बरसी पर बोले मुख्यमंत्री योगी

# संविधान में धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द जोड़ना भारत की आत्मा पर कुठाराघात

**लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)।** आपातकाल का 50वीं बरसी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में संशोधन करके धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द जोड़ना भारत की आत्मा पर कुठाराघात था। कांग्रेस को आपातकाल के लिए दलितों, वंचितों एवं देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपनी लेखनी के माध्यम से जिन दलितों एवं वंचितों को अधिकार दिलाया, कांग्रेस ने उनकी आवाज को दबाने का कार्य किया।

योगी बुधवार को लोकभवन में आपातकाल की 50वीं बरसी पर आयोजित संविधान हत्या दिवस के अवसर पर भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय विषय पर बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को कैशलेस उपचार की सुविधा देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि सपा और आरजेडी ने संविधान हत्या दिवस पर कोई बयान नहीं दिया, जबकि दोनों कांग्रेस के इस कृत्य के खिलाफ थे। दोनों अपने स्वार्थ के लिए अब कांग्रेस के सामने नाक रगड़ रहे हैं। लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देते हैं, लेकिन संविधान का गला घोंटने और डॉ. अंबेडकर का अपमान करने वालों को गले का हार बनाते हैं। कांग्रेस ने 25 जून 1975 को विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका के अधिकारों को बंधक बना लिया था। सेंसरशिप से मीडिया का गला घोंटा था। तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी के इस पाप को भुलाया नहीं जा सकता है। सीएम योगी ने आपातकाल की त्रासदी विषय पर आयोजित प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के कवर पेज एवं चित्रों के माध्यम से लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष और तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार द्वारा उन पर किए अत्याचारों को प्रदर्शित किया गया था। इस अवसर पर कई जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

इस दौरान कई लोकतंत्र सेनानियों ने आपातकाल की यातनाओं को साझा किया। किसी ने अपने भूमिगत होने के किस्से सुनाए तो किसी ने थाने एवं जेल के अपने अनुभवों को बताया। वित्त एवं ससंदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बनाए रखने के लिए पूरे देश को जेल बना दिया था। विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने बरेली जेल के अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री ने अपनी निरंकुश सत्ता का वर्चस्व बरकरार रखने के लिए आपातकाल जैसा दमनकारी निर्णय लिया। इस दौरान सीएम ने 26 लोकतंत्र सेनानियों कृष्ण कुमार दीक्षित, गणेश राय, राकेश स्वरूप निगम, अजीत कुमार सिंह, सुरेश शिवजी रानी, डॉक्टर अजय शर्मा, जयदेव आहूजा, हरि श्याम रस्तोगी, राम किशोर शर्मा, अशोक शर्मा, डॉक्टर संतोष कुमार वाजपेयी, डॉ. बलवेंद्र अवस्थी, मधुकर मिश्रा, रामतीर्थ वर्मा, सुरेश चतुर्वेदी, सत्यप्रकाश जैन, रामचंद्र सिंह, आशुतोष पाठक, डॉक्टर राम लोलाक उपाध्याय, सरल मालवीय, सतीश चंद्र गौड़, दिनेश प्रताप सिंह, दिनेश अग्निहोत्री, संजय मिश्रा, भारत त्रिपाठी, धीरेंद्र श्रीवास्तव का पटका पहनाकर सम्मानित किया।

# कश्मीर में खोए 15 प्राचीन मंदिर तलाश रही हैं विद्यापीठ की प्रोफेसर

**वाराणसी, 25 जून (एजेंसियां)।** महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में इतिहास विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अंजना वर्मा कश्मीर की वादियों में खोए और खंडहर हो चुके मंदिरों का अस्तित्व तलाश रही हैं। डॉ. वर्मा का दावा है कि उन्होंने कश्मीर में अमरनाथ और वैष्णो देवी जैसे ही चारों संप्रदायों के 15 से ज्यादा प्राचीन और भव्य देवालयों का विवरण जुटाया है। इसमें शैव, वैष्णव, सौर और शाक्त संप्रदाय से जुड़े मंदिर हैं। इस अध्ययन के लिए भारत सरकार ने वित्तीय मदद भी की है। डॉ. अंजना ने बताया कि जिन मंदिरों के विवरण उन्होंने जुटाए हैं, उनमें एकमात्र शंकराचार्य मंदिर में पूजा होती है। अन्य मंदिरों में न इक्का-दुक्का भक्त जाते तो हैं, मगर पूजा-पाठ नहीं होती। हैरानी की बात है कि इन मंदिरों के बारे में कश्मीर के लोकल लोगों और गाइड को भी नहीं पता थे। प्राचीनकाल में कश्मीर में कुल 973 हिंदू मंदिर थे।

स्तूप और हिंदू संस्थाओं को मिला दें तो 1399। मगर आज इतने ही खंडहर दिखाई पड़ते हैं। डॉ. अंजना वर्मा ने कहा कि वह बीते पांच साल में दुर्गम पहाड़ियों और घाटियों में मंदिरों के मैनेजमेंट, आने वाले भक्तों और पूजा-पाठ पर एक विवरण तैयार किया है। उन्होंने शैव मंदिर, वैष्णव मंदिर, सूर्य मंदिर और देवी मंदिरों पर कई पुरातात्विक साक्ष्य भी जुटाए हैं। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) की ओर से तीन लाख रुपए का एक प्रोजेक्ट भी दिया गया है। इसकी थीम है कश्मीर के प्राचीन हिंदू मंदिर : स्थापत्य, प्रबंधन और सांस्कृतिक अवदान। वहीं, कांची पीठ की ओर से भी कश्मीरी मंदिरों पर किए जा रहे अध्ययन से भी डॉ. अंजना जुड़ी हैं।

डॉ. वर्मा ने कहा कि अध्ययन के दौरान ये बात भी सामने आई कि स्थानीय लोग शंकराचार्य मंदिर और शिवलिंग की भव्यता व सुंदरता की तुलना केदारनाथ और अमरनाथ से करते हैं। ये जमीन से 1000 फीट की ऊंचाई पर है। कश्मीरी मंदिरों के सबसे बड़े ग्रंथ कल्हण की रजत तरंगिणी में उल्लेखित मंदिरों के खंडहर मिले हैं। अनंतनाग का शिव विष्णु मंदिर और मार्तंड्य का सूर्य मंदिर आज भी पर्यटकों और बाहरी श्रद्धालुओं की नजरों से दूर है।

### कासगंज के चंदन हत्याकांड में अभूतपूर्व न्याय

# हत्यारे उम्र कैदियों को हाईकोर्ट ने रिहा कर दिया

**कासगंज, 25 जून (एजेंसियां)।** कासगंज में तिरंगा यात्रा में शामिल होने के भारी अपराध में जिस युवर चंदन गुप्ता की सरेआम हत्या कर दी गई थी उन हत्यारों को हाईकोर्ट ने रिहा कर दिया। जबकि एनआईए की अदालत ने उन्हें उम्र कैद की सजा सुनाई थी। चंदन के हत्यारे मुनाजिर रफी, आमिर, आसिफ, इमरान सैफी उम्र कैद की सजा काट रहे थे। हाईकोर्ट के ऐसे अभूतपूर्व न्याय की पूरे प्रदेश में चर्चा है। से राहत मिली है।

कासगंज में तिरंगा यात्रा के दौरान भड़के दंगे में हुई चंदन गुप्ता की हत्या के मामले में हाईकोर्ट ने चार दोषियों की जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। इससे चंदन के परिजन चिंतित हैं। उन्होंने जमानत निरस्त कराने के लिए अदालत में अर्जी देने की बात कही। इस मामले में एनआईए की विशेष अदालत ने 3 जनवरी 2025 को 28 आरोपियों को दोष सिद्ध होने पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इन दोषियों में से मुनाजिर रफी, आमिर, आसिफ, इमरान सैफी ने हाईकोर्ट में अपनी जमानत अर्जी दाखिल की थी। हाईकोर्ट ने इस अर्जी को स्वीकार कर लिया है। अन्य 24 दोषियों ने भी जमानत अर्जी दाखिल कर रखी है।

चंदन के भाई विवेक गुप्ता ने बताया कि अभी केवल चार दोषियों की जमानत मंजूर हुई है। फिलहाल आदेश नहीं आया है। वह जमानत को निरस्त कराने के लिए हाईकोर्ट की बड़ी बेंच या फिर सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल करेंगे। उनका कहना है कि रुपए के अभाव में वह निजी वकील नहीं कर सके। सरकारी वकील कोर्ट में सही से पैरवी नहीं कर पाए। इसके चलते चार आरोपियों को जमानत मिल गई।

# अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे शुभांशु को मां ने वीडियो कॉल पर खिलाया पेड़ा

### ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के इतिहास रचने पर पूरा परिवार अभिभूत

**लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)।** भारत ने अंतरिक्ष की दुनिया में इतिहास रच दिया है। लखनऊ के रहने वाले शुभांशु शुक्ला ने बुधवार को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन की ओर उड़ान भरकर भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम में 41 साल बाद वापसी कराई। वह अमेरिका की प्राइवेट कंपनी एक्सिओम मिशन के तहत अंतरिक्ष में गए हैं। इस मिशन में भारत के अलावा हंगरी और पोलैंड के अंतरिक्ष यात्री भी शामिल हैं।

राजधानी लखनऊ के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला दोपहर ठीक 12.01 पर इस रॉकेट में सवार होकर करोड़ों दिलों की उम्मीदें और सपने लेकर आसमान को चीरते हुए अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे। लखनऊ के गौरवशाली इतिहास में बुधवार को एक नया अध्याय जुड़ गया। कानपुर रोड के सिटी मांटेसरी स्कूल में इस लॉन्चिग का लाइव प्रसारण के दौरान जैसे ही यान के सुरक्षित लॉन्चिंग की घोषणा हुई, वहां मौजूद शुभांशु की मां की आंखें डबडबा आईं।

पिता की आंखें गर्व से चमक उठीं। माहौल जश्न में बदल गया। हजारों की संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, युवा और बुजुर्ग खड़े होकर हूटिंग करते हुए तालियां बजाने लगे। हर कोई इतिहास रचने वाले इस गर्व के पल को सहेज लेना चाहता था। जोश और उत्साह और तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूंज उठा।

रॉकेट की सुरक्षित लॉन्चिंग होते ही शुभांशु की मां आशा देवी की आंखें भर आईं। उन्होंने कहा, ये खुशी और गर्व के आंसू हैं। शुभांशु की कठोर मेहनत, तपस्या और कामयाबी ने आज हमें भी सेलिब्रिटी बना दिया। सुबह चार बजे शुभांशु से व्हाट्सअप पर बात हुई। बेटे ने कहा कि मां आप अपना, पापा का और सबका खयाल रखना। मां ने वीडियो कॉल पर सांकेतिक तौर पर दही-पेड़ा खिलाया, तिलक लगाते हुए मिशन की कामयाबी के लिए जी भर कर आशीष दिया। पिता शंभु दयाल शुक्ला चमकती हुई आंखों से कहते हैं कि उन्हें बेटे के मिशन की कामयाबी पर अटूट विश्वास है। वह शुभांशु को ईश्वर का दिया उपहार मानते हैं। शुभांशु की कामयाबी का श्रेय उनकी दृढ़ता, सादगी और कठोर मेहनत को देते हैं।

शुभांशु की बड़ी बहन निधि की आंखें भी खुशी से भीग गई थीं। निधि ने कहा कि किसी बहन की जिंदगी में इससे बड़ा खुशी का दिन क्या होगा कि उसका भाई जल्द ही चांद-सितारों को छू कर लौटेगा। शुभांशु ने कभी दुनिया की परवाह नहीं की कोई क्या कहेगा। सिर झुका कर बस मेहतन की। मेहनत को इंज्वाय किया, जिसका परिणाम सबके सामने है। बड़ी बहन शुचि भी इस मौके पर खुशी और गर्व से चहकती नजर आईं।

# जमीन के 100 फुट नीचे से गुजरेगी नई मेट्रो

### सात भूमिगत स्टेशन बनेंगे

**लखनऊ, 25 जून (एजेंसियां)।** लखनऊ मेट्रो का दूसरा फेज शुरू होने जा रहा है। इस फेज में चारबाग से लेकर बसंतकुंज तक मेट्रो दौड़ेगी। इसमें सात स्टेशन भूमिगत होंगे। चारबाग से बसंतकुंज तक ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर में मेट्रो जमीन से कम से कम सौ फुट नीचे से गुजरेगी। कॉरिडोर में सात भूमिगत व पांच एलिवेटेड स्टेशन होंगे। बुधवार को मेट्रो इंजीनियर्स नगर निगम पहुंचे। जहां सीवर, पानी पाइपलाइन, नालों आदि की जानकारी ली तथा मेट्रो की डिजाइन निगम अधिकारियों से साझा की। अगले दो से तीन दिन में निगम व मेट्रो की टीमें संयुक्त सर्वे शुरू करेंगी। चारबाग से बसंतकुंज तक मेट्रो को वित्तीय मंजूरी गत 21 मई को मिल चुकी है। अब केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी शेष है, जिसके बाद निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। निर्माण कार्य चार से पांच साल में पूरा होने की

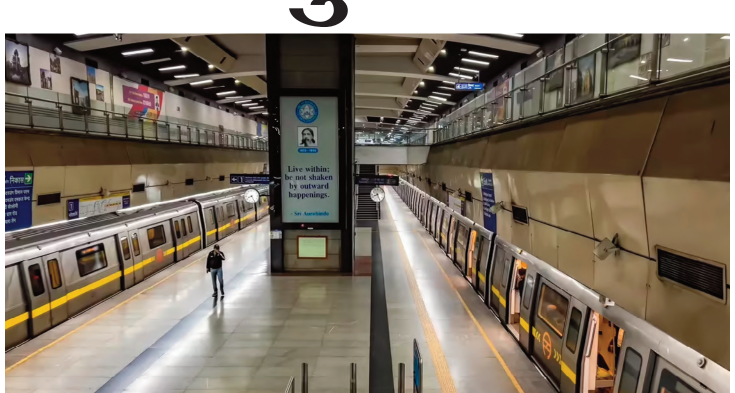


उम्मीद है। इसके बाद शहर की एक बड़ी आबादी को मेट्रो से आवागमन की सुविधा मिलेगी। कॉरिडोर की कुल लंबाई 11.165 किलोमीटर है, जिसके निर्माण पर 5801 करोड़ रुपए का खर्च आएगा।

इसी बीच बुधवार को मेट्रो इंजीनियरों की टीम नगर निगम पहुंची। जहां चारबाग से बसंतकुंज के बीच जमीन के नीचे स्थित पानी की पाइपलाइनों, सीवर, नालों आदि की जानकारियां ली। इसके अतिरिक्त मेट्रो डिजाइन अधिकारियों को दिखाई। भूमिगत मेट्रो स्टेशनों व रेलवे ट्रैक के निर्माण सीवर, पाइपलाइन, नालों से दिक्कतें न हों, इसके लिए दो से तीन दिन में संयुक्त सर्वे शुरू किया जाएगा। इस रूट पर काफी पुराने नाले भी हैं। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि कम से कम सौ फुट नीचे से मेट्रो गुजरेगी। नगर निगम के मुख्य अभियंता महेश वर्मा से मेट्रो इंजीनियर्स मिले। भूमिगत रूट व स्टेशन बन जाने के बाद सीवर, पाइपलाइन आदि की सुविधाएं ऊपर शिफ्ट की जाएंगी।

शहर में अभी मेट्रो अमौसी से मुंशीपुलिया तक चलती है। अब दूसरे फेज में इसका संचालन चारबाग से बसंतकुंज तक होना है। वित्तीय संस्थान पीआईबी (पब्लिक इंवेस्टमेंट बोर्ड) की ओर से गत मई में इसकी मंजूरी मिल चुकी है। अब केंद्रीय कैबिनेट से हरी झंडी मिलनी है।

इसके लिए डीपीआर कैबिनेट में भेजा गया है। बता दें कि चारबाग से बसंतकुंज की डीपीआर को प्रदेश सरकार से मार्च, 2024 में मंजूरी मिल चुकी है। गत वर्ष जुलाई में नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप ने भी मंजूरी दे दी है। फिलहाल लखनऊ मेट्रो की लंबाई 23 किमी है। नया रूट बनने के बाद मेट्रो रूट की कुल लंबाई 35 किमी हो जाएगी। एलिवेटेड सेक्शन की लंबाई 4.286 किमी होगी, जबकि भूमिगत सेक्शन की लंबाई 6.879 किमी होगी। सात भूमिगत और पांच एलिवेटेड स्टेशन मिला कर लखनऊ मेट्रो के 12 स्टेशन होंगे। चारबाग, गौतमबुद्ध मार्ग (लाटूश रोड), अमीनाबाद, पांडेयगंज, सिटी स्टेशन, मेडिकल कॉलेज चौराहा और चौक भूमिगत स्टेशन होंगे। ठाकुरगंज, बालागंज, सरफराजगंज, मूसाबाग और बसंतकुंज एलिवेटेड स्टेशन होंगे।

चारबाग से बसंतकुंज तक मेट्रो कॉरिडोर का काम पूरा होने के बाद यह शहर के बेहद घने अमीनाबाद, चौक, ठाकुरगंज आदि को कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। बसंतकुंज तक अभी आवागमन का कोई आसान साधन नहीं है। मेट्रो शुरू होने के बाद यहां की बड़ी आबादी को फायदा होगा।

चारबाग मेट्रो स्टेशन इंटरचेंज स्टेशन के तौर पर काम करेगा जहां से यात्री एक से दूसरे रूट पर जाने के लिए मेट्रो बदल सकेंगे।

# हिस्ट्रीशीटर शाहिद पिच्चा पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

**कानपुर, 25 जून (एजेंसियां)।** हत्या, लूट, डकैती, मारपीट, रंगदारी समेत 44 मामलों के आरोपी हिस्ट्रीशीटर शाहिद पिच्चा को चमनगंज पुलिस ने बुधवार सुबह मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया।

उसके पैर में गोली लगी, जिसका उर्सला अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद किया है। जेल से बाहर आने के बाद से शाहिद पिच्चा फरार चल रहा था।

उसने 29 अप्रैल को चमनगंज के होजरी कारोबारी फहीम से रंगदारी मांगी थी।

कारोबारी ने शाहिद पिच्चा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस को उसकी कई दिनों से तलाश थी। बुधवार तड़के पुलिस को उसके चमनगंज क्षेत्र में आने की सूचना मिली। थाना प्रभारी संजय राय टीम के साथ आरोपी को पकड़ने पहुंचे, लेकिन वह डिप्टी पड़ाव की ओर भाग निकला।

पुलिस ने घेराबंदी की तो उसने फायर कर दिया।

जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लग गई। डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि पिच्चा पर चमनगंज, रेलबाजार, बजरिया, बादशाहीनाका, कर्नलगंज, कल्याणपुर, बेकनगंज, बिठूर, स्वरूपनगर में कुल 44 मामले दर्ज हैं।

उसने साथी यूसुफ चटनी के साथ कोहना क्षेत्र के कारोबारी से भी रंगदारी मांगी थी। उस मामले में भी रिपोर्ट दर्ज हो गई है। दबिश के बाद से वह भागकर मुंबई चला गया था।

# मुकेश अंबानी ने दूरसंचार उद्योग में कदम रखने के फैसले को बताया जीवन का सबसे बड़ा जोखिम

**नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।**

उद्योगपति और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने 2016 में रिलायंस जियो के साथ दूरसंचार उद्योग में कदम रखने के फैसले को अपने जीवन का सबसे बड़ा जोखिम बताया है। फिर भी उन्होंने डिजिटल भारत के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए यह निर्णय लिया।

वैश्विक प्रबंधन परामर्श कंपनी 'मैकिन्से एंड कंपनी' के साथ एक विशेष साक्षात्कार में मुकेश अंबानी ने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 4-जी मोबाइल नेटवर्क शुरू करने में अपने स्वयं के अरबों डॉलर का निवेश किया था। इसको लेकर कुछ विश्लेषकों का कहना था कि यह वित्तीय रूप से सफल नहीं हो सकता है, क्योंकि भारत सबसे उन्नत डिजिटल प्रौद्योगिकी के लिए तैयार नहीं है। इस पर मैंने अपने निदेशक मंडल से कहा कि सबसे खराब स्थिति यह होगी कि हमें ज्यादा 'रिटर्न' नहीं मिलेगा।

रिलायंस के रूप में यह भारत में हमारा अब तक का सबसे बड़ा परोपकारी काम होगा, क्योंकि हम भारत का डिजिटलीकरण कर देश को पूरी तरह बदल चुके होंगे।

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि जियो को 2016 में पेश किए जाने के बाद से जियो ने मुफ्त 'वॉयस कॉल' और बेहद कम लागत वाला डेटा प्रदान करके भारतीय दूरसंचार बाजार में क्रांति ला दी है, जिससे प्रतिस्पर्धियों को कीमतें कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा है और देशभर में तेजी से डिजिटल अपनाने को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि हमारा ये मानना है कि आखिरकार आप इस दुनिया में बिना कुछ लिए आते हैं और बिना कुछ लिए चले जाते हैं। आप जो पीछे छोड़कर जाते हैं, वह एक संस्था है। मुकेश अंबानी ने कहा कि जियो के आने से पहले भारत में मोबाइल इंटरनेट महंगा था। इसके आने से कीमतों में उतार-चढ़ाव शुरू हुआ, जिससे डेटा की लागत में उल्लेखनीय कमी आई। ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों सहित लाखों भारतीयों के लिए इंटरनेट तक पहुंच सस्ती हो गई। भारत में अब 80 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, ये आंकड़ा इसे वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े ऑनलाइन बाजारों में से एक बनाता है।

## न्यूज़ ब्रीफ

### एचडीएफसी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने एक लाख करोड़ एसेट आंकड़े को किया पार

**नई दिल्ली।** एचडीएफसी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ने हाल ही में एक लाख करोड़ के एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का आंकड़े को पार कर लिया है। यह पराग पारीख फ्लेक्सीकैप फंड के बाद ऐसा करने वाला दूसरा म्युचुअल फंड बन गया है। इस उपलब्धि के साथ ही बैलेंस्ड एडवांटेज कैटेगरी, जिसे डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड भी कहा जाता है, करीब तीन लाख करोड़ रुपए की सीमा पर पहुंच गया है। टैक्स नियमों में बदलाव के बाद निवेशकों का झुकाव बढ़ा एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के मुताबिक 31 मई 2025 तक इस कैटेगरी में कुल 2.99 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति निवेशित थी। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमुख कारण इसकी लचीलापन रणनीति है। यह फंड बाजार की स्थिति के आधार पर इक्विटी और डेट के बीच संतुलित ढंग से निवेश करते हैं। इससे निवेशकों को तेजी के समय फायदा मिलता है, वहीं गिरावट में इसका जोखिम नियंत्रण में रहता है। साथ ही यह फंड लंबे समय तक बेहतर रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न देने में भी सफल रहे हैं। टैक्स नियमों में बदलाव के बाद निवेशकों का झुकाव इन फंड्स की और बढ़ा है। जो निवेशक फिक्स्ड डिपॉजिट से इक्विटी में कदम रखना चाहते हैं, उनके लिए ये फंड एक सुरक्षित और सरल विकल्प देता है। बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स बाजार के उतार-चढ़ाव के मुताबिक अपने पोर्टफोलियो में बदलाव करते हैं, जिससे स्थिर रिटर्न मिलने की संभावना बनी रहती है। विशेषज्ञों की माने तो सही रणनीति के साथ ये फंड इक्विटी फंड्स के बराबर रिटर्न दे सकते हैं और भावनात्मक निवेश फैसलों से भी बचाते हैं। इसके अलावा ये फंड टैक्स के लिहाज से भी फायदेमंद हैं, खासकर अगर सिस्टेमैटिक विदड्रॉअल प्लान (एमडब्ल्यूपी) के रूप में निवेश किया जाए।

### वॉलमार्ट का भारत से 10 अरब अमेरिका डालर के उत्पाद मंगाने का लक्ष्य

**नई दिल्ली।** अमेरिका की खुदरा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वॉलमार्ट अपने वैश्विक परिचालन के लिए

भारत में आपूर्तिकर्ताओं के साथ काम कर रही है। वॉलमार्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि वॉलमार्ट ने पिछले कुछ सालों में भारत से अपनी खरीद बढ़ा दी है और वह इस प्रगति से खुश हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में आप देख सकते हैं कि स्थिति कैसे बदल रही है और यह वास्तव में व्यापक और ज्यादा दिलचस्प होता जा रहा है। परिधान, खाद्य, खिलौने और अन्य श्रेणियों में निर्यात को देगा बढ़ावा कंपनी ने 2027 तक भारत से 10 अरब अमेरिका डालर के उत्पाद मंगाने का लक्ष्य रखा है जिसका उद्देश्य परिधान, खाद्य, खिलौने और अन्य श्रेणियों में निर्यात को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में हम यहां से सीमित श्रेणियों के उत्पाद ले रहे थे लेकिन अब हम इसका विस्तार करने जा रहे हैं। सीईओ ने कहा कि इसमें बढ़ोतरी हुई है और अब हमारा लक्ष्य इसे प्रति वर्ष 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है, जो वास्तव में एक बड़ा आंकड़ा है और आपूर्तिकर्ता समुदाय के साथ मिलकर हम इसे प्राप्त करने के लिए काम कर रहे हैं। कंपनी के सीईओ भारत यात्रा पर हैं। यहां उन्होंने वॉलमार्ट की भारत में विकास गाथा का उल्लेख किया जिसमें निर्यात, डिजिटल नवाचार, समावेशी आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण व समुदायों को सशक्त बनाना शामिल है। इसके अलावा उन्होंने कुछ विक्रेताओं से भी बातचीत की जिन्हें आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रम 'वॉलमार्ट वृद्धि के तहत प्रशिक्षित किया गया है।

### अमेजन इंडिया ने शुरू की स्वास्थ्य जांच सेवा, घर बैठे करवा सकेंगे लैब टेस्ट

**नई दिल्ली।** भारत के तेजी से बढ़ते स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अब ऑनलाइन रिटेल दिग्गज अमेजन ने एंट्री कर ली

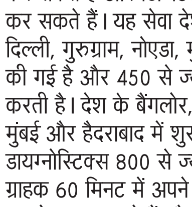


है। अमेजन इंडिया ने अमेजन डायग्नोस्टिक्स नाम दिया है जिसमें घर बैठे स्वास्थ्य जांच सेवा शुरू की है। इस सेवा के जरिए ग्राहक अपने मोबाइल ऐप पर लैब टेस्ट बुक कर सकते हैं, समय तय कर सकते हैं और डिजिटल रिपोर्ट सीधे ऐप पर प्राप्त कर सकते हैं। यह सेवा देश के छह शहरों- बैंगलोर, दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, मुंबई और हैदराबाद में शुरु की गई है और 450 से ज्यादा पिन कोड्स को कवर करती है। देश के बैंगलोर, दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, मुंबई और हैदराबाद में शुरु की सेवा अमेजन डायग्नोस्टिक्स 800 से ज्यादा टेस्ट उपलब्ध कराता है। ग्राहक 60 मिनट में अपने घर पर सैंपल कलेक्शन का अनुरोध कर सकते हैं और नियमित जांच की रिपोर्ट महज छह घंटे में पा सकते हैं। यह सेवा अमेजन की साझेदारी में ओरेंज हेल्थ लैब के साथ मिलकर चला रही है, जो एक मान्यता प्राप्त डायग्नोस्टिक्स प्रदाता है। अमेजन का मकसद भारत के स्वास्थ्य-टेक सेक्टर में अपनी पहुंच बढ़ाना और लोगों को आरामदायक, भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवा देना है।

# 27 को 7 दिनों की अवधि वाली वीआरआरआर की नीलामी करेगा भारतीय रिजर्व बैंक

**नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।**

**भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) शुक्रवार यानी 27 जून को 7 दिनों की अवधि वाली वेरिएबल रेट रिवर्स रीपो (वीआरआरआर) की नीलामी करेगी। इसका उद्देश्य बैंकिंग सिस्टम में मौजूद अतिरिक्त नकदी को बाहर निकालना है। मौजूदा समय में वेटेड एवरेज कॉल रेट पॉलिसी रीपो रेट से नीचे है, जो नकदी अधिशेष का संकेत देता है।**

आरबीआई ने कहा कि वर्तमान और संभावित तरलता स्थितियों की समीक्षा के बाद यह फैसला किया गया है कि 27 जून को वीआरआरआर नीलामी की जाएगी। इसके साथ ही आरबीआई ने साफ किया कि 27 जून को 14 दिनों की मुख्य रिवर्स रीपो नीलामी नहीं की जाएगी। यह फैसला आने वाले पखवाड़े की नकदी स्थितियों को ध्यान में रखते हुए लिया है। पिछले दो हफ्तों में बैंकिंग सिस्टम में औसतन 2.5 लाख करोड़ की अतिरिक्त नकदी रखी है, जिसे आरबीआई हर दिन अलग-अलग माध्यमों से सिस्टम से बाहर करता रहा है।

आरबीआई के लिक्विडिटी फ्रेमवर्क के मुताबिक अगर किसी ऑपरेशन की अवधि 14 दिन या उससे ज्यादा होती है, तो उसे मुख्य ऑपरेशन कहा जाता है। वहीं 14 दिन से कम अवधि वाले ऑपरेशन को फाइन ट्यूनिंग ऑपरेशन माना जाता है। जानकारों का कहना है कि आरबीआई की ओर से वेरिएबल रिवर्स रीपो रेट नीलामी कराना उम्मीद के मुताबिक ही था। ऐसा इसलिए किया क्योंकि टैक्स भुगतान के बावजूद बैंकिंग सिस्टम में लगातार तरलता बनी है। आरबीआई के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक बैंकिंग सिस्टम में नकदी की स्थिति सोमवार को 2.43 लाख करोड़ सरप्लस में थी।

विशेषज्ञों का कहना है कि वेटेड एवरेज ओवरनाइट कॉल रेट अभी भी रीपो रेट से काफी नीचे है। अगर सरकार अगले महीने की शुरुआत में खर्च बढ़ाती है तो यह दर और भी नीचे जा सकती है। एक सरकारी बैंक के मनी मार्केट डीलर ने बताया कि ओवरनाइट रेट को रीपो रेट के करीब लाने के लिए वीआरआरआर नीलामी की उम्मीद पहले से थी। भले ही जीएसटी और एडवांस टैक्स भुगतान के चलते करीब 2.5 लाख करोड़ की निकासी हुई है, लेकिन सिस्टम में नकदी अब भी भरपूर है। मंगलवार को वेटेड एवरेज कॉल रेट 5.27 फीसदी पर आकर रुकी, जबकि रीपो रेट इस समय 5.50 फीसदी है।

### लांचिग से पूर्व नथिंग फोन 3 की लीक हुई विशेषताएं

**नई दिल्ली।** आधिकारिक लॉन्चिंग से पहले ही नथिंग फोन 3 के प्रमुख फीचर्स लीक हो गए हैं। कंपनी ने खुद फोन के रीडिज़ाइन्ड ग्लिफ मैट्रिक्स और स्नैपड्रैगन 8एस जेन 4 प्रोसेसर की पुष्टि कर दी है। अब एक नई रिपोर्ट में इसकी डिस्प्ले, कैमरा और बैटरी से जुड़ी जानकारियां सामने आई हैं। लीक के मुताबिक, नथिंग फोन 3 में 6.7-इंच का 1.5के एलटीपीओ ओलेड डिस्प्ले मिलेगा, जो पहले से अधिक शार्प और स्मूद अनुभव देगा। यह स्मार्टफोन एंड्राएड 15 आधारित नथिंग ओएस 3.5 पर चलेगा और कंपनी इसे पांच साल तक ओएस अपडेट तथा सात साल तक सिक्योरिटी पैच देती रहेगी। बैटरी की बात करें तो इसमें 5150 एमएएच की बैटरी दी जाएगी जो 100 वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी। इसके साथ ही वायरलेस और रिवर्स वायरलेस चार्जिंग की सुविधा भी होगी। फोन के रियर में नया कैमरा मॉड्यूल देखा जा सकता है, जो एक ट्रैंगल शेप में होगा और ग्लिफ लाइटिंग सिस्टम के साथ मिलेगा। कैमरा सेटअप में तीन 50-मेगापिक्सेल सेंसर शामिल हैं मेन, अल्ट्रावाइड और पेरिस्कोप लेंस जो 3गुणा ऑप्टिकल जूम सपोर्ट करता है। फ्रंट कैमरा भी अपग्रेड होकर अब 50-मेगापिक्सेल का हो गया है। इसके अलावा फोन में ईसिम और एनएफसी सपोर्ट जैसे फीचर्स भी जोड़े गए हैं जो पहले नहीं थे। इन सारे फीचर्स से यह साफ है कि नथिंग फोन 3 एक प्रीमियम फ्लैगशिप अनुभव देने वाला स्मार्टफोन बनने जा रहा है। बता दें कि 1 जुलाई को भारत समेत दुनियाभर में इसका अनावरण होना है, लेकिन इससे पहले ही टेक जगत में इसके डिजाइन और हार्डवेयर को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

# सैमसंग गैलेक्सी बड्स कोर में मिलेंगे दमदार फीचर्स

**नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।**

**सैमसंग कंपनी के नए वायरलेस ईयरबड्स गैलेक्सी बड्स कोर की लांचिंग 27 जून को हो रही है। सोशल मीडिया पर कंपनी ने इसका टीजर जारी किया है, जिसमें इन्हें तेज, क्लियर और डीप साउंड के साथ पेश किए जाने का दावा किया गया है। टीजर टैगलाइन संगीत आपको अंदर तक हिला देगा से इस प्रोडक्ट की ऑडियो क्वालिटी पर खास जोर दिया गया है। सैमसंग इंडिया की वेबसाइट के मेटा टैग और एचटीएमएल में गैलेक्सी बडस कोर के बैकएंड संकेत मिल चुके हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यही नाम रखा जाएगा।**

लॉन्च से पहले ही ईयरबड्स बीआईएस सर्टिफिकेशन और सैमसंग के रिजनल सपोर्ट पेज पर दिख चुके हैं। कुछ समय के लिए यह यूएई वेबसाइट पर भी लिस्ट हुआ था, जहां इसके ब्लैक और व्हाइट वेरिएंट का खुलासा हुआ था। डिजाइन की बात करें तो इसमें स्टेमलेस लुक है और चार्जिंग केस गैलेक्सी बडस 2 जैसा दिखता है।

जानकारी के मुताबिक, गैलेक्सी बडस कोर में ब्लूटूथ 5.4, एएसी और एसबीसी ऑडियो कोडेक्स, साथ ही सैमसंग का स्केलेबल कोडेक भी शामिल है। सैमसंग के कुछ गैलेक्सी एआई फीचर्स जैसे इंटरप्रेटर और लाइव ट्रांसलेट सपोर्ट भी इसमें होने की संभावना है। हालांकि ये फीचर्स सिर्फ कुछ खास सैमसंग डिवाइसेज़ के साथ ही काम कर सकते हैं।

बैटरी बैकअप की बात करें तो, ईयरबड्स एएनसी ऑन पर 20 घंटे और ऑफ पर 35 घंटे तक चलने का दावा करते हैं। इसमें 65 एमएएच की ईयरबड बैटरी और 500एमएएच का केस शामिल है।आईपी54 रेटिंग से लैस यह ईयरबड्स पानी और धूल से भी सुरक्षित रहेगा। इसमें टच कंट्रोल की सुविधा और एक्टिव नॉइज कैंसिलेशन ( एएनसी ) फीचर मौजूद होगा, जो इस प्राइस रेंज में एक अहम फीचर माना जा रहा है।

### गूगल ने 'एआई मोड इन सर्च' भारत में किया लॉन्च

गूगल ने भारत में अपने नए एआई-संचालित सर्च फीचर 'एआई मोड इन सर्च' की शुरुआत कर दी है। इस फीचर का पहले अमेरिका में परीक्षण किया जा चुका है और अब भारत में इसे गूगल लैंस के तहत एक प्रयोग के रूप में उपलब्ध कराया है। यह अंग्रेजी भाषा में ही इस्तेमाल किया जा सकता है। गूगल का दावा है कि यह फीचर लोगों के सर्च करने के तरीके को पूरी तरह से बदल देगा, क्योंकि अब यूजर्स लंबे और जटिल सवाल पूछ सकेंगे और उन्हें एआई द्वारा तैयार किए गए जवाब भरोसेमंद स्रोतों के लिंक के साथ मिलेंगे। अब यूजर्स लंबे और जटिल पूछ सकेंगे सवाल यह नया फीचर गूगल के मल्टीमॉडल एआई मॉडल जेमिनी 2.5 पर आधारित है। यूजर्स केवल टेक्स्ट ही नहीं, बल्कि गूगल लैंस के जरिए फोटो लेकर या अपलोड करके भी सवाल पूछ सकते हैं जैसे- कोई पौधे की फोटो लेकर उसकी देखभाल के तरीके पूछ सकता है, या फिर किसी टूटे सामान की तस्वीर भेजकर उसकी मरम्मत की सलाह ले सकता है। यह सुविधा एंड्रॉयड और आईओएस दोनों पर गूगल ऐप में उपलब्ध है।

# एसईसीआई ने हरित अमोनिया उत्पादन के लिए बोली की तारीख 30 जून तक बढ़ाई

**नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।**

नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) ने ग्रीन अमोनिया के उत्पादन एवं आपूर्ति से संबंधित अपनी मौजूदा निविदा के लिए बोली को जमा करने की तिथि 30 जून तक बढ़ा दी है। पहले इसके लिए बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि 26 जून, 2025 थी।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि भारतीय सौर ऊर्जा निगम ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत अपने चल रहे ग्रीन अमोनिया टेंडर के लिए बोली जमा करने की समय-सीमा बढ़ा दी है। अब इसके लिए बोली प्रस्तुत करने की संशोधित अंतिम तिथि 30 जून, 2025 है।

एजेंसी ने एक अधिसूचना में कहा कि बोलियां जमा करने की नई समय-सीमा अब 30 जून है, जो पहले के शेड्यूल से संशोधित है। इससे संभावित बोलीदाताओं को प्रस्तावों को अंतिम रूप देने के लिए अतिरिक्त समय मिल जाएगा। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तहत कार्यरत एसईसीआई की ओर से 7 जून, 2024 को जारी यह निविदा ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांजिशन (एसआईजीएचटी) योजना के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप-मोड 2ए, ट्रैंच ढ्ढ का हिस्सा है।

मंत्रालय के मुताबिक इसका उद्देश्य देशभर में 13 चिह्नित उर्वरक संयंत्रों को वार्षिक 7,24,000 मीट्रिक टन ग्रीन अमोनिया का उत्पादन करने के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति में सक्षम बनाना है। कार्यान्वयन एजेंसी के तौर पर एसईसीआई मांग एकत्रीकरण को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ दीर्घकालिक ऑफटेक समझौतों पर हस्ताक्षर करेगा, जिससे उत्पादक 10 साल की अनुबंध अवधि के दौरान बाजार की निश्चितता के साथ कार्य कर सकेंगे। इससे संबंधित अधिक जानकारी के लिए एसईसीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर निविदा अनुभाग देखें।

# तीन नए मॉडल लॉन्च करने जा रही है किआ मोटर्स

**नई दिल्ली, 25 जून (एजेंसियां)।**

आने वाले महीनों में किआ मोटर्स कंपनी भारतीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए तीन नए मॉडल लॉन्च करने जा रही है। इनमें इलेक्ट्रिक और अपडेटेड वैरिएंट दोनों शामिल हैं, जिन्हें पहले ही टेस्टिंग के दौरान भारत की सड़कों पर कई बार देखा जा चुका है। कंपनी की योजना भारतीय ग्राहकों को तकनीक, रेंज और परफॉर्मेंस का बेहतर कॉम्बिनेशन देने की है। सबसे पहले किआ कैरेंस क्लैविस ईवी को जुलाई 2025 में बाजार में उतारा जाएगा। यह एक इलेक्ट्रिक एमपीवी होगी, जो नई क्लैविस से प्रेरित डिजाइन में आएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह ईवी एक बार फुल चार्ज पर 400 किलोमीटर से अधिक की रेंज दे सकती है। इसके बाद किआ साइरोस ईवी की बारी है, जिसे कंपनी 2025 के अंत या 2026 की शुरुआत में लॉन्च कर सकती है। यह इलेक्ट्रिक एसयूवी भी सिंगल चार्ज पर लगभग 400 किलोमीटर की रेंज देने में सक्षम होगी। कंपनी की तीसरी अपकमिंग पेशकश किआ सेल्टोस

फेसलिफ्ट है। यह मिड-साइज एसयूवी पहले ही भारत में टेस्टिंग के दौरान देखी जा चुकी है। उम्मीद है कि इसका ग्लोबल डेब्यू 2025 के अंत तक होगा और भारत में इसे 2026 में लॉन्च किया जाएगा। खास बात यह है कि फेसलिफ्टेड सेल्टोस में स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड सेटअप देखने को मिल सकता है, जिसमें 1.5 लीटर 4-सिलेंडर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन शामिल हो सकता है।

### हुंडई एसयूवी वेन्यू का फेसलिफ्ट वर्जन लाने की तैयारी में

**नई दिल्ली।** मारुति सुजुकी, हुंडई और महिंद्रा जैसी दिग्गज कंपनियां अगले कुछ महीनों में ग्राहकों को कई बेहतरीन विकल्प देने जा रही हैं। हुंडई अपनी लोकप्रिय एसयूवी वेन्यू का फेसलिफ्ट वर्जन लाने वाली है, जिसे भारत की सड़कों पर कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा जा चुका है। इस फेसलिफ्ट मॉडल में एक्सटीरियर को नया रूप देने के साथ ही आधुनिक फीचर्स जोड़े जाने की उम्मीद है। हालांकि, इंजन में कोई बड़ा बदलाव नहीं होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह कार साल के अंत तक लॉन्च हो सकती है। दूसरी ओर, महिंद्रा भी अपनी नई इलेक्ट्रिक कॉम्पैक्ट एसयूवी एक्सयूवी 3एक्सओ ईवी को लेकर चर्चा में है। यह कार एक्सयूवी 400 से नीचे पोजिशन की जाएगी और सीधा मुकाबला टाटा पंच ईवी से होगा। इसकी बैटरी एक बार चार्ज होने पर लगभग 400 किलोमीटर की रेंज देने में सक्षम हो सकती है। वहीं, देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी भी फ्रोंक्स का हाइब्रिड वर्जन लॉन्च करने की तैयारी में है। हाल ही में इसे टेस्टिंग के दौरान देखा गया है और इसमें 1.2 लीटर झेड12ई पेट्रोल इंजन के साथ हाइब्रिड सिस्टम मिलने की संभावना है। यह कार भी साल के अंत तक बाजार में दस्तक दे सकती है। इन तीनों एसयूवी के लॉन्च के बाद भारतीय ग्राहकों को कम बजट में बेहतर टेक्नोलॉजी और शानदार माइलेज वाले विकल्प मिल सकेंगे। बता दें कि भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में कॉम्पैक्ट एसयूवी की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में कई बड़ी कंपनियां अपनी नई-नई कॉम्पैक्ट एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में हैं।

# अनीश भनवाला, सिफ्त कौर समरा, उमामहेश मड्डिनेनी ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स टी3 में दर्ज की जीत

देहरादून, 25 जून (एजेंसियां)।

**महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के त्रिशूल शूटिंग रेंज में ग्रुप ए एथलीटों के लिए तीसरा नेशनल सिलेक्शन ट्रायल्स हुआ, जिसमें ओलंपियन अनीश भनवाला, सिफ्त कौर समरा और जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक विजेता उमामहेश मड्डिनेनी ने क्रमश: 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल पुरुष, 50 मीटर 3 पोजिशन महिला और 10 मीटर एयर राइफल पुरुष वर्ग में जीत हासिल की।**

अनीश ने फाइनल में 33 अंक हासिल किए, जो उनके राज्य साथी आदर्श सिंह से चार अंक अधिक थे। आदर्श 29 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि नौसेना के प्रदीप सिंह शेखावत ने 23 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। क्वालिफिकेशन के स्टेज 1 में अनीश ने 293 और स्टेज 2 में 289 अंक बनाकर कुल 582-21× अंकों के साथ फाइनल में पहला स्थान हासिल किया। प्रदीप ने 581-17× (290, 291) के साथ दूसरा और गुरमीत सिंह ने 579-15× (289, 290) के साथ तीसरा स्थान पाया। हरसिमर सिंह रत्ता (577-21×), नीरज कुमार (576-16×) और आदर्श सिंह (574-23×) शीर्ष छह में शामिल रहे।

50 मीटर 3 पोजिशन महिला वर्ग में, हाल ही में म्यूनिख में हुए आईएसएसएफ विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली सिफ्त कौर समरा ने 467.3 अंकों के साथ शानदार प्रदर्शन किया। वह दूसरे स्थान पर रहीं आकृति दहिया से 10.4 अंक आगे रहीं, जिनके 456.9 अंक थे। आशी चौकसे ने 443.9 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। क्वालिफिकेशन में आशी ने 592 अंक बनाकर पहला स्थान पाया, जबकि सिफ्त ने 591 और आकृति ने 588 अंक बनाए। मेहुली घोष (588), आयुषी पोद्दार (587), विदर्शा के. विनोद (586), वंशिका शाह (585) और निश्चल सिंह (585) भी टॉप-8 में शामिल रहीं।

10 मीटर एयर राइफल पुरुष वर्ग के फाइनल में, उमामहेश मड्डिनेनी ने 252.2 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने ब्यूनस आयर्स विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता रुद्रांक्ष पाटिल (251.5 अंक) को कड़ी टक्कर देकर हराया। दिव्यांश पंवार ने 230.1 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। क्वालिफिकेशन राउंड में स्थानीय खिलाड़ी शौर्य सैनी और दिव्यांश पंवार ने समान 632.9 अंक बनाए, लेकिन शौर्य को अधिक इनर-10 के आधार पर पहला स्थान मिला। 17 वर्षीय पार्थ राकेश माने ने 632.5 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। रुद्रांक्ष (631.9), पार्थ माखिजा (631.6), उमामहेश (630.9), संदीप सिंह (630.9) और विशाल सिंह (630.7) भी फाइनल में पहुंचे।

## न्यूज़ ब्रीफ

### नीरज चोपड़ा ने जीता ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2025 का खिताब

**ओस्ट्रावा।** भारत के भाला फेंक सितारे और मौजूदा विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा ने मंगलवार को 64वें ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक प्रतियोगिता में पुरुष भाला फेंक स्पर्धा का खिताब जीत लिया। यह विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर (गोल्ड लेवल) का प्रतिष्ठित आयोजन था। 27 वर्षीय नीरज ने तीसरे प्रयास में 85.29 मीटर का शानदार थ्रो कर पहला स्थान हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका के डोउ स्मिट 84.12 मीटर के साथ दूसरे और ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 83.63 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। यह नीरज चोपड़ा की मौजूदा सत्र की तीसरी जीत है। प्रतियोगिता की शुरुआत नीरज ने एक फाउल थ्रो के साथ की थी। दूसरे प्रयास में उन्होंने 83.45 मीटर फेंका और फिर तीसरे प्रयास में 85.29 मीटर का थ्रो कर बढ़त बना ली। इसके बाद उनके चौथे, पांचवें और छठे प्रयास क्रमश: 82.17 मीटर, 81.01 मीटर और फाउल रहे। नीरज ने अपने सीजन की शुरुआत साउथ अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में हुई एक इनविटेशनल मीट से की थी, जहां उन्होंने 84.52 मीटर के थ्रो से जीत दर्ज की थी। इसके बाद उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर का थ्रो कर पहली बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया, जो उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। हालांकि, इस मुकाबले में वह जर्मनी के जूलियन वेबर से पीछे रह गए थे, जिन्होंने 91.06 मीटर फेंककर जीत हासिल की। बाद में पोलैंड के चॉर्जो में हुए जानुस्ज कुसोचिंस्की मेमोरियल में भी नीरज (84.14 मीटर) दूसरे स्थान पर रहे, जबकि वेबर ने 86.12 मीटर के थ्रो से पहला स्थान पाया। लेकिन पेरिस डायमंड लीग में नीरज ने वापसी करते हुए वेबर को पछाड़ा और अपने पहले ही प्रयास में 88.16 मीटर के थ्रो से खिताब जीता। नीरज अब अगली बार 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतिरवा स्टेडियम में होने वाली नीरज चोपड़ा क्लासिक में भाग लेंगे। यह भारत में पहली बार होने वाली अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता होगी।

### फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025: निकोलस जैक्सन पर रेड कार्ड के लिए दो मैचों का प्रतिबंध

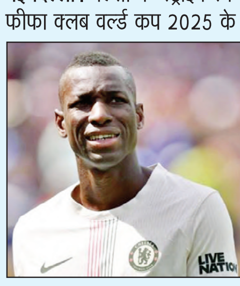

**नई दिल्ली।** चेल्सी के स्ट्राइकर निकोलस जैक्सन को फीफा क्लब वर्ल्ड कप 2025 के दौरान फ्लेमिंगो के खिलाफ 3-1 से मिली हार में रेड कार्ड मिलने के बाद दो मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया है। यह फैसला फीफा की अनुशासन समिति ने लिया है। जैक्सन दूसरे हाफ में मैदान पर आने के महज चार मिनट बाद ही फ्लेमिंगो के खिलाड़ी आयर्टन लुकास पर खतरनाक स्टड्स-अप टैकल करने के कारण सीधे रेड कार्ड पा बैठे। यह उनका पिछले चार मुकाबलों में दूसरा रेड कार्ड है। 24 वर्षीय जैक्सन को शुरुआत में एक मैच का स्वत: निलंबन दिया गया था, जिससे वह मंगलवार को एस्पेरांस स्पोर्टिव डी ट्यूनिस के खिलाफ होने वाले ग्रुप स्टेज के अंतिम मुकाबले से बाहर हो गए हैं। हालांकि, फीफा की अनुशासन समिति ने इस घटना की गंभीरता को देखते हुए इसे गंभीर फाउल प्ले की श्रेणी में रखा और प्रतिबंध को बढ़ा दिया। फीफा ने अपने आधिकारिक बयान में कहा,निकोलस जैक्सन को फीफा अनुशासन संहिता के अनुच्छेद 14, पैरा 1 (ई) के उल्लंघन के तहत दो मैचों का निलंबन दिया गया है।

### पांच शतक लगाने के बावजूद टेस्ट हारने वाली पहली टीम बनी भारत

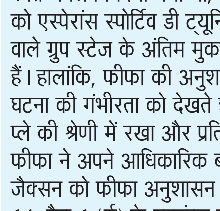

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट टीम ने टेस्ट इतिहास में एक अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। भारत ऐसी पहली टीम बन गई है जो पांच बल्लेबाजों के शतक के बावजूद कोई टेस्ट मैच हार गई हो। इससे पहले कभी भी किसी टीम को चार या उससे अधिक शतक लगने के बाद हार का सामना नहीं करना पड़ा था। यह रिकॉर्ड आखिरी बार 1928 में तब दर्ज हुआ था, जब ऑस्ट्रेलिया ने एमसीजी पर इंग्लैंड से हार झेली थी। यह ऐतिहासिक हार हेडिंग्ले टेस्ट में दर्ज हुई, जहां इंग्लैंड ने 371 रनों के लक्ष्य का पीछा कर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस यादगार जीत के नायक रहे बेन डकेट, जिन्होंने मात्र 149 रन की विस्फोटक पारी खेलकर चेज़ की नींव रखी। डकेट ने जैक क्रॉली के साथ पहले विकेट के लिए 188 रनों की साझेदारी की। क्रॉली ने संयमित 65 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों को भारतीय फील्डिंग में मिले जीवनदान का भरपूर फायदा मिला — क्रॉली 42 पर और डकेट 97 पर जीवनदान पाकर आगे बढ़े। भारत की ओर से पांच बल्लेबाजों ने शतक जमाए, लेकिन गेंदबाजी और फील्डिंग में चूकों ने टीम को भारी नुकसान पहुंचाया। आखिरी दिन इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाते हुए भारत से जीत छीन ली।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### शुभांशु...

गर्वोन्नत बनाए रखें। जय हिंद! जय भारत!

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त फिलिप ग्रीन, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के गवर्नर फ्रांसेस एडमसन ए.सी. और अन्य लोग फ्लोरिडा, अमेरिका में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से प्रक्षेपण पर जश्न मनाते देखे गए। इस मिशन का संचालन भारत के वायुसेना अधिकारी ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला कर रहे हैं। मिशन की कमांडर पैगी व्हिटसन हैं। एक्सिओम-4 मिशन की कामयाब उड़ान देख कर शुभांशु के माता-पिता की आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने कहा कि पूरे देश को उनके बेटे पर नाज है। एसआईए-इंडिया के अध्यक्ष डॉ. सुब्बा राव पावुलुरी ने कहा, हमारे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में जा रहे हैं। यह भारत के लिए एक महान दिन है। एक्सिओम-4 मिशन लॉन्च पर जवाहरलाल नेहरू प्लेनेटेरियम के निदेशक डॉ. बीआर गुरुप्रसाद ने कहा, यह बहुत महत्वपूर्ण है और सभी 140 करोड़ भारतीयों के लिए गर्व, खुशी और उत्साह की बात है क्योंकि शुभांशु इस मिशन में पायलट हैं। मिशन की कमांडर पैगी व्हिटसन हैं, जो नासा में व्यापक अनुभव वाली एक महिला हैं, जो अब एक निजी कंपनी एक्सिओम-4 में मानव अंतरिक्ष उड़ान निदेशक के रूप में काम कर रही हैं। अन्य दो चालक दल के सदस्य, पोलैंड से स्लावोज उज़्नान्स्की-विस्निएव्स्की और टिबोर हंगरी के कापू दोनों ही मिशन विशेषज्ञ हैं, यानी वे प्रयोग करते हैं। हालांकि, क्रू ड्रैगन अंतरिक्ष यान स्वचालित है, लेकिन पायलट और कमांडर के पास कई जिम्मेदारियां हैं।

29 मई से अब तक छह बार लॉन्चिंग टाले जाने के बाद आखिरकार एक्सिओम-4 मिशन फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से भारतीय समयानुसार दोपहर 12:01 बजे आईएसएस की ओर रवाना हुआ। लखनऊ में शुभांशु शुक्ला के सिटी मोंटेसरी स्कूल में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां उनके माता-पिता ने ऐतिहासिक प्रक्षेपण देखा। लखनऊ में जन्मे शुभांशु शुक्ला, नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री मिशन कमांडर पैगी व्हिटसन, पोलैंड के स्लावोज उजनांस्की-विस्नीवस्की और हंगरी के टिबोर कापू एक्सिओम-4 मिशन का हिस्सा हैं। इस अंतरिक्ष यात्रा के साथ शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। यह यात्रा राकेश शर्मा के 1984 में तत्कालीन सोवियत संघ के सैल्यूट-7 अंतरिक्ष स्टेशन के हिस्से के रूप में कक्षा में आठ दिनों के प्रवास के 41 साल बाद हुई है।

### भारत के ...

लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत, संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण, सुरक्षा और रक्षा का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपातकाल को संविधान हत्या दिवस करार देते हुए तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर हमला बोला। उन्होंने आपातकाल को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का काला अध्याय बताया। पीएम मोदी ने कहा, वह वक्त था जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया था। कोई भी भारतीय कभी नहीं भूल सकता कि किस तरह हमारे संविधान की भावना का उल्लंघन किया गया। संसद की आवाज दबाई गई और अदालतों को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। 42वां संशोधन उनकी हरकतों का एक प्रमुख उदाहरण है। गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और दलितों को खास तौर पर निशाना बनाया गया, जिसमें उनकी गरिमा का अपमान भी शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा, हम आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हैं। ये लोग पूरे भारत से, हर क्षेत्र से, अलग-अलग विचारधाराओं से आए थे जिन्होंने एक ही उद्देश्य से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम किया। उनका लक्ष्य था भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। यह उनका सामूहिक संघर्ष ही था जिसने यह सुनिश्चित किया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करना पड़ा और नए चुनाव कराने पड़े। जिसमें वे बुरी तरह हार गए। पीएम मोदी ने कहा, हम अपने संविधान में निहित सिद्धांतों को मजबूत करने तथा विकसित भारत के अपने सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। हम प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएं तथा गरीबों और वंचितों के सपनों को पूरा करें।

आपातकाल के दिनों को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा, जब आपातकाल लगाया गया था, तब मैं आरएसएस का युवा प्रचारक था। आपातकाल विरोधी आंदोलन मेरे लिए सीखने का एक अनुभव था। इसने हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को बचाए रखने की अहमियत को फिर से पुष्ट किया। साथ ही मुझे राजनीतिक स्पेक्ट्रम के सभी लोगों से बहुत कुछ सीखने को मिला। मुझे खुशी है कि ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन ने उन अनुभवों में से कुछ को एक किताब के रूप में संकलित किया है। जिसकी प्रस्तावना एचडी देवेगौड़ा जी ने लिखी है, जो खुद आपातकाल विरोधी आंदोलन के एक दिग्गज थे। पीएम मोदी ने कहा कि द इमरजेंसी डायरीज आपातकाल के दौरान मेरी यात्रा का वृत्तांत है। इसने उस समय की कई यादें ताजा कर दीं। मैं उन सभी लोगों से आग्रह करता हूं जो आपातकाल के उन काले दिनों को याद करते हैं या जिनके परिवारों ने उस दौरान कष्ट झेले हैं कि वे अपने अनुभवों को सोशल मीडिया पर साझा करें। इससे युवाओं में 1975 से 1977 तक के शर्मनाक समय के बारे में जागरूकता पैदा होगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संविधान हत्या दिवस पर कहा कि आपातकाल कांग्रेस की सत्ता की भूख का अन्यायकाल था। यह दिवस बताता है कि जब सत्ता तानाशाह बन जाती है, तो जनता उसे उखाड़ फेंकने की ताकत रखती है। आपातकाल कोई राष्ट्रीय आवश्यकता नहीं, बल्कि कांग्रेस और एक व्यक्ति की लोकतंत्रविरोधी मानसिकता का परिचायक था। प्रेस की स्वतंत्रता कुचली गई। न्यायपालिका के हाथ बांध दिए गए और सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेल में डाला गया। देशवासियों ने सिंहासन खाली करो का शंखनाद किया और तानाशाह कांग्रेस को उखाड़ फेंका। इस संघर्ष में बलिदान देने वाले सभी वीरों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि। केंद्रीय गृह मंत्री ने कल आपातकाल के 50 साल कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, नई दिल्ली में आपातकाल की पूर्व संध्या पर आपातकाल के 50 साल पर हुए कार्यक्रम में भी शरीक हुए थे। उन्होंने कहा, आपातकाल के खिलाफ संघर्ष करने वाले वीरों को सम्मानित करने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ। जब किसी व्यक्ति के भीतर छिपा हुआ तानाशाही स्वभाव बाहर आ जाता है, तभी आपातकाल लगता है, यह इतिहास हमारी युवा पीढ़ी को जानना जरूरी है। आपातकाल, कांग्रेस द्वारा मल्टीपार्टी डेमोक्रेसी को एक पार्टी की तानाशाही में बदलने के षड्यंत्र की शुरुआत थी। आपातकाल का मूल कारण सत्ता की भूख थी। न देश पर कोई बाहरी खतरा था, न ही कोई आंतरिक संकट था, खतरा बस इंदिरा गांधी की कुर्सी पर था।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, 25 जून 1975 को देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाकर संविधान की हत्या कर दी थी जिसे भाजपा काला दिन के रूप में मनाती है। जितने भी गैर कांग्रेसी थे सबके लिए वह काल दुखदाई था। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने संविधान का गला घोंटा था, वे आज इसके रक्षक बनने की कोशिश कर रहे हैं। आपातकाल के काले दिनों को नहीं भूलना चाहिए। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आज ही के दिन 1975 में कांग्रेस ने आपातकाल लगाया था और संविधान की धज्जियां उड़ाई थीं। हम सब कांग्रेस के कुकृत्यों को देश की जनता तक पहुंचाने का काम करेंगे। लाखों लोगों को जेल में डाला गया और कांग्रेस ने यह सब सिर्फ अपने नेता की कुर्सी बचाने के लिए किया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, जिन्होंने लोकतंत्र की हत्या के खिलाफ आवाज उठाई, जिन्होंने लोकतंत्र की पुनर्स्थापना के लिए आंदोलन किया, जो संविधान की रक्षा के लिए जेल गए, मेरा मानना है कि यह आजादी के लिए तीसरा आंदोलन था। जब मैं जेल गया तो मेरी दादी बीमार हो गईं, बाद में उनकी मृत्यु हो गई। ऐसे कई नेता थे, जिन्हें अपने परिवार के सदस्यों की मृत्यु पर अंतिम दर्शन में शामिल नहीं होने दिया गया। इसलिए जिन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए आवाज उठाई, उन्हें निश्चित रूप से लोकतंत्र सेनानी कहा जाना चाहिए। इसलिए मैंने मध्य प्रदेश में सीएम रहते हुए ऐसा किया।विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, संविधान हत्या दिवस पर हम स्वतंत्र भारत के इतिहास के उस दर्दनाक अध्याय को याद करते हैं, जब संस्थाओं को कमजोर किया गया, अधिकारों को निलंबित किया गया और जवाबदेही को दरकिनार कर दिया गया। यह संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करने और भारतीय लोकतंत्र की मजबूती को बनाए रखने के हमारे सामूहिक कर्तव्य की भी एक शक्तिशाली याद दिलाता है। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, संविधान हत्या दिवस कांग्रेस पार्टी के लिए वाटरलू बन गया है। भाजपा सांसद ने बताया कि जब लोग सरकार द्वारा जेल में बंद किए जाते थे और अदालत में आते थे, तो वे एक गाना गाते थे, हथकड़ियों की झंकार सुनें, जनतंत्र की ललकार सुनें। उन्होंने कहा कि 1975 में जब लोग जेल में बंद थे और अदालत में आए तो उन्होंने एक ही गाना गाया, हथकड़ियों की झंकार सुनें, जनतंत्र की ललकार सुनो। वे शब्द आज भी मेरे कानों में गूंजते हैं, क्योंकि मैं उनका गवाह हूं। संविधान हत्या दिवस निश्चित रूप से कांग्रेस के लिए वाटरलू साबित हुआ है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि यह देश की आत्मा को कुचलने का सीधा प्रयास था। आपातकाल एक ऐसे परिवार द्वारा रची गई साजिश थी, जो सत्ता के नशे में था और यह कांग्रेस की अत्याचारी और क्रूर मानसिकता का भी प्रमाण है जिसने संविधान की हत्या करके देश को आपातकाल सौंप दिया। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बुधवार को कहा कि 1975 का आपातकाल भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है। उन्होंने लोगों से लोकतंत्र को कभी बंधक न बनने देने का संकल्प लेने का आह्वान किया, क्योंकि आपातकाल संविधान पर एक क्रूर हमला था।

### आगरा में बनेगा...

का दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र उत्तर प्रदेश के आगरा के सिंगना में स्थापित किया जा रहा है। भारत आलू के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। क्षेत्रीय केंद्र में अनुसंधान बीज उत्पादन, कीट प्रबंधन, टिकाऊ उत्पादन और किसानों के प्रशिक्षण पर केंद्रित होगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने पहले ही अनुसंधान केंद्र के लिए 10 एकड़ जमीन आवंटित कर दी है। पेरू के लीमा स्थित मुख्यालय वाला अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र (सीआईपी) आलू, शकरकंद और एंडियन जड़ों (देसी तथा पारंपरिक जड़ वाली फसल) और कंदों के अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।

केंद्र सरकार ने पुणे में मेट्रो रेल परियोजना चरण-2 को भी मंजूरी दी है। इसके तहत वनज से चांदनी चौक (कॉरिडोर 2ए) और रामवाड़ी से वाघोली/विट्ठलवाड़ी (कॉरिडोर 2बी), मौजूदा पुणे मेट्रो चरण-1 (वनज-रामवाड़ी) का विस्तार होगा। ये दो एलिवेटेड कॉरिडोर 12.75 किलोमीटर तक फैले होंगे और इनमें 13 स्टेशन शामिल होंगे, जो चांदनी चौक, बावधन, कोथरुड, खराडी और वाघोली जैसे तेजी से विकसित हो रहे उपनगरों को जोड़ेंगे। परियोजना को चार साल के भीतर पूरा करने की योजना है।केंद्र सरकार ने झारखंड के कोयला क्षेत्र झरिया में भूमिगत आग से निपटने और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए बुधवार को 5,940 करोड़ रुपए के संशोधित झरिया मास्टर प्लान (जेएमपी) को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस फैसले को मंजूरी दी गई। संशोधित योजना के कार्यान्वयन के लिए कुल वित्तीय परिव्यय 5,940.47 करोड़ रुपए है।संशोधित मास्टर प्लान में प्रभावित क्षेत्रों से पुनर्वासित किए जा रहे परिवारों के लिए सतत आजीविका सृजन पर विशेष बल दिया गया है। इसके तहत लक्षित कौशल विकास कार्यक्रम चलाए जाएंगे और पुनर्वास वाले परिवारों की आर्थिक आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए आय-सृजन के अवसर भी पैदा किए जाएंगे। झारखंड के धनबाद जिले में आग, भूस्खलन और पुनर्वास से निपटने के लिए झरिया मास्टर प्लान को केंद्र सरकार ने अगस्त, 2009 में मंजूरी दी थी। इसकी कार्यान्वयन अवधि 10 वर्ष और कार्यान्वयन-पूर्व अवधि दो वर्ष रखी गई थी। इसपर 7,112.11 करोड़ रुपए का अनुमानित निवेश किया गया था। हालांकि, पिछली मास्टर प्लान योजना वर्ष 2021 में खत्म हो गई थी।

### अब भारत ...

सैफरन एम-88 एक ट्विन-शाफ्ट टर्बोफैन इंजन है जिसे खास तौर पर डसॉल्ट राफेल मल्टीरोल लड़ाकू विमान के लिए विकसित किया गया है। इसे कॉम्पैक्ट, मॉड्यूलर और कम रख-रखाव के साथ उच्च प्रदर्शन के लिए डिजाइन किया गया है। एम-88 आफ्टरबर्नर के साथ 75 किलो न्यूटन का थ्रस्ट प्रदान करता है और अपने थ्रस्ट-टू-वेट रेशियो, संचालन में आसानी और डिजिटल नियंत्रण प्रणालियों के लिए जाना जाता है। सैफरन एयरक्राफ्ट इंजन एक फ्रांसीसी कंपनी है। यह विमान इंजनों का डिजाइन, विकास, उत्पादन, मार्केटिंग और रख-रखाव करती है। कंपनी नागरिक और सैन्य विमानन के लिए इंजन बनाती है और यह कंपनी हेलीकॉप्टर इंजनों के निर्माण और रखरखाव के क्षेत्र में भी प्रमुख स्थान रखती है।

### पीएफआई की ...

किया जाता था। यह खुलासा उस समय हुआ, जब एनआईए ने साल 2022 में हुए वरिष्ठ आरएसएस नेता एस के श्रीनिवासन की हत्या मामले में आरोपी कुछ लोगों की जमानत याचिका का विरोध करते हुए ये दस्तावेज कोर्ट में सौंपे। श्रीनिवासन की हत्या 16 अप्रैल 2022 को उनकी दुकान में कथित रूप से पीएफआई के कार्यकर्ताओं ने कर दी थी। एनआईए ने कोर्ट को बताया कि जिन दस्तावेजों को बरामद किया गया है, उनमें साफ उल्लेख है कि 972 लोगों की सूची तैयार की गई थी, जिनमें एक पूर्व जिला जज भी शामिल थे। इसके अलावा, पेरियार वैली कैंपस को भी एजेंसी ने कुर्क किया है, जिसे पीएफआई का कथित आर्म्स ट्रेनिंग सेंटर बताया गया है।गौरतलब है कि सितंबर 2022 में केंद्र सरकार ने पीएफआई और उससे जुड़े कई संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया था। सरकार ने उन पर आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकी संगठनों से संबंध रखने का आरोप लगाया था। एनआईए लगातार पीएफआई से जुड़े मामलों की जांच कर रही है और यह नया खुलासा संगठन की खतरनाक मानसिकता और सुनियोजित हिंसक गतिविधियों को उजागर करता है।

### उड़ने के लिए...

खड़गे के इस बयान को लेकर शशि थरूर का एक शानदार कमेंट सामने आया। थरूर ने कांग्रेस अध्यक्ष का नाम लिए बगैर कहा, उड़ने के लिए किसी तरह की इजाजत नहीं चाहिए होती है, पंख आपके होते हैं और आसमान किसी का भी नहीं होता। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद शशि थरूर ने अहम भूमिका निभाई। कई देशों में जो प्रतिनिधिमंडल गए थे, वहां भी थरूर की सक्रियता देखने लायक रही। उन्होंने न सिर्फ सरकार का पक्ष मजबूती के साथ रखा बल्कि कई मौकों को पर पाकिस्तान को भी एक्सपोज किया, उनकी तरफ से पीएम मोदी के नेतृत्व की भी तारीफ की गई।

### बीच चौराहे जिंदा...

जीवित ही मर जाने का कष्ट देखा है। कश्मीर फाइल्स फिल्म में दिखाया गया था कि कैसे एक कश्मीरी पंडित महिला को जिंदा ही आरे से दो टुकड़ों में चीर डाला गया था। लेकिन यह घटना फिल्मी थोड़े ही है। यह गिरिजा टिक्कू के साथ इसी देश की सरजमीं पर हुआ, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि उसका दुख भारत के लोग भूल गए।

आज 25 जून उस शहीद महिला को याद करने का दिन है, जिसे उसकी धार्मिक पहचान के कारण जिंदा ही इलेक्ट्रिक आरा मशीन से लकड़ी की तरह चीर कर रख दिया गया था। उसके पोस्टमार्टम से यह पता चला था कि जब उसे वह आरी चीर रही थी, तब उसकी सांसें चल रही थी। इस्लामिक बर्बरता की जो कहानियां इतिहास में लोगों ने पढ़ी थीं वह 25 जून 1990 को अपने ही देश में बीच सड़क पर घटी। हम कहते जरूर हैं कि हम शौर्यवान हैं, पर हम ठंडे खून वाले लोग हैं। गिरिजा टिक्कू के शरीर पर नापाक लोगों के स्पर्श से हमारी रगों का खून नहीं खौलता।

गिरिजा टिक्कू बारामूला जिले के गाव अरिगाम की रहने वाली थीं। वे एक स्कूल में शिक्षिका और लैब सहायिका के रूप में कार्यरत थीं। स्कूल बांदीपोरा जिले में था और जब घाटी में हालात बिगड़े थे तब वे घाटी में नहीं थीं। वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित स्थान पर चली गईं थीं। मगर एक दिन उनके पास एक फोन आया और उनसे कहा गया है कि घाटी में सब सामान्य हो गया है और वे बिना किसी डर के अपने स्कूल आकर अपना वेतन ले सकती हैं। उन्हें यह आश्वासन दिया गया कि वे सही सलामत घर चली जाएंगी और यह भी कि अब वह इलाका पूरी तरह से सुरक्षित है। किसी को कोई नुकसान नहीं होगा। मगर उन्हें यह नहीं पता था कि यह उनके लिए एक जाल बिछाया गया था। वह अपने स्कूल पहुंचीं, अपनी सैलेरी का चेक लिया और वहां से लौटते समय उनका अपहरण कर लिया गया। इस अपहरण में गिरिजा के साथ काम करने वाली महिला सहयोगी और अन्य जानकार लोग शामिल थे। उनका अपहरण गांव वालों के सामने हुआ, लेकिन किसी ने भी कोई विरोध नहीं किया।

उसके बाद गिरिजा टिक्कू के साथ जो हुआ, उसे लिखते हुए शब्द भी दर्द से कराह उठते हैं। गिरिजा कभी घर नहीं पहुंचीं। उनके परिवार के हाथ में आया उनका टुकड़ों में कटा हुआ शव। पोस्टमार्टम में पता चला कि उन्हें जिंदा ही आरा मशीन से चीर डाला गया था। हत्या के पहले उनके साथ कई बार सामूहिक बलात्कार कर लोगों ने अपने धर्म का पुण्य-सुख लिया था।

गिरिजा टिक्कू के साथ जो हुआ, वह इतिहास में दुर्लभ, दर्दनाक और वीभत्स है। उनके साथ छल हुआ और फिर उन्हें जो मौत दी गई, वह साधारण नहीं थी। यह ख्याल कि उनकी जिंदा देह को आरी से काटा गया, देह में सिहरन और माथे में तेजाब भर देता है। लेकिन आप बुद्धिजीवियों का दोगलापन देखिए, साहित्य में महिलाओं की पीड़ा पर सुदूर देशों की महिलाओं की पीड़ा लिखने वाली लेखिकाओं का ध्यान गिरिजा टिक्कू पर आज तक नहीं गया। हम इसी देश के वासी हैं।

25 जून को देश में आपातकाल की बरसी तो मनाई जाती है लेकिन शहीद गिरिजा टिक्कू को स्मरण नहीं किया जाता, यह मानवता के साथ अपराध है। क्या देश को पता है कि गिरिजा टिक्कू अपने 26 साल के पति, चार साल के बेटे और दो साल की बेटी छोड़ कर शहीद हुई थीं, आज वे कहां हैं? क्या जरूरत है यह पता करने की... घृणित नेताओं को वोट डालिए और अपने शौर्य पर हिकारत...

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 26 जून, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

# भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा कल

**हैदराबच, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा एक बहुत ही शुभ और आध्यात्मिक रूप से प्रेरक उत्सव है। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) शुक्रवार, दि. 27 जून, 2025 को कूकटपल्ली में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा का आयोजन कर रहा है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, तेलंगाना गुजराती समाज के अध्यक्ष जसमत पटेल, इस्कॉन कूकटपल्ली समन्वयक एम. श्रीवाणी और इस्कॉन रूसी प्रतिनिधि ओक्साना ने बशीरबाग स्थित देशोद्धार भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रभुजी महा श्रृंग दास ने कहा कि हर साल दिव्य उत्सव के रूप में पूरे विश्व में जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन किया जाता है और वर्ष 1976 में इस्कॉन ने भारत के बाहर पहला रथ यात्रा उत्सव सैन फ्रांसिस्को महानगर की सड़कों पर आयोजित किया था। उन्होंने आगे कहा कि भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलदेव जो शायद ही कभी आंतरिक गर्भगृह के बाहर दिखाई देते हैं, बहुत दयालु हैं और वे लोगों को आशीर्वाद देने के लिए मंदिर से बाहर आते हैं। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा बड़ी भव्यता के साथ निकाली जाएगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि रथ यात्रा को देखने के लिए हजारों भक्त विभिन्न स्थानों से आएंगे। भगवान जगन्नाथ की यह अद्भुत रथ यात्रा नगर के मैसम्मा मंदिर से दोपहर 2.30 बजे शुरू होगी और भक्तों को महाप्रसाद वितरण के साथ रात 8.00 बजे मेट्रो गार्डन में समाप्त होगी। प्रभुजी महा श्रृंग दास ने कहा कि विधायक अरिकेपुडी गांधी, माधवराम कृष्ण राव, पूर्व विधायक श्रीशैलम गौड़, पूर्व नगरसेवक जगदीश्वर गौड़ और अन्य भाग लेंगे। इस अवसर पर अंजनी कुमार अग्रवाल ने कहा कि भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के समापन के बाद, इस्कॉन के तत्वावधान में कोलाटा, गर्भ नृत्य, भजन और कीर्तन के साथ भगवान जगन्नाथ के लिए विशेष पूजा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी भक्तों को बड़ी संख्या में भाग लेने और भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया। संवाददाता सम्मेलन में जगन्नाथ यात्रा से संबंधित पोस्टर जारी किया गया।

## सिकंदराबाद में जगन्नाथ रथ यात्रा 27 को

**हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

श्री जगन्नाथ स्वामी रामगोपाल ट्रस्ट द्वारा हर साल भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की रथ यात्रा का आयोजन करता रहा है, जो जगन्नाथपुरी में रथ यात्रा के साथ मेल खाती है। ट्रस्ट पिछले 130 वर्षों से सिकंदराबाद के जनरल बाजार स्थित जगन्नाथ मंदिर से नियमित रूप से यह रथ यात्रा आयोजित करता आ रहा है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में श्री जगन्नाथ स्वामी रामगोपाल ट्रस्ट के संस्थापक पारिवारिक ट्रस्टी पुरुष-ोत्तम मालानी ने कहा कि इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ का वार्षिक रथ उत्सव शुक्रवार, दि. 27 जून को आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि नगरद्वय से बड़ी संख्या में भक्त भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। उन्होंने सभी भक्तों से आग्रह किया है बड़ी संख्या में रथ यात्रा में भाग लेकर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करें।

विज्ञप्ति के अनुसार मंदिर के द्वार दि. 27 को सुबह 6:15 बजे दर्शन के लिए खुलेंगे और दोपहर 1:00 बजे बंद हो जाएंगे। इसके बाद रथ यात्रा मंदिर से सायं 4:00 बजे शुरू होगी और जनरल बाजार से गुजरते हुए सायं 6:30 बजे से रात 11:00 बजे तक एमजी रोड पर रहेगी, जिसके बाद यह हिल स्ट्रीट, रानीगंज से गुजरेगी और अगली सुबह 4:00 बजे वापस मंदिर पहुंचेगी।

## विश्व मंगल गौशाला में हलहारिणी अमावस्या धूमधाम से मनाई गई

**हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

विश्व मंगल गौशाला सोमारम विलेज में हलहारिणी अमावस्या का कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार अमावस्या पर गौभक्तों द्वारा गौमाता की पूजन गौसेवा द्वारा की गई। इस अवसर पर कैलाश भाठ रूपेंद्र पुनाराम डालू सिंह रमेश भाई ने भजन प्रस्तुत किये। अमावस्या पर भोजन प्रसादी के लाभार्थी अमरारामजी सीरवी, दलाराम सीरवी, राजू भाई माली, देवारामज सीरवी, जामताराम चौधरी, गोविन्दज कुमावत, मंगलाराम कुमावत, रमेश, दिनेश, महेन्द्र कुमावत, दीपाराम, धनलक्ष्मी सीरवी (कोम्पल्ली ग्रुप) रहे।

हरी घास की व्यवस्था के लाभार्थी महादेव डोर्स, गंडीमैसम्मा रतनाराम देवासी एवं बाबू जी गोपाल दास जी बसंल परिवार रहे।कार्यक्रम में गौशाला के अध्यक्ष टीवी सुरेश जी के साथ उदय भास्कर, बालाजी, वेंकट रेड्डी, शांतिलाल सुथार, डूंगाराम सिरवी, दीपक भाई, जगदीश भाई, महेंद्र सिंह एवं समस्त गौभक्तों की उपस्थिति रही।

## श्री जगनन्नाथ मठ में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव आज से

**हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

सीतारामबाग स्थित श्री जगन्नाथ स्वामी मठ में श्रीनिवास व्रतधर जीयर स्वामीजी एवं पूर्वाचार्यों के आशीर्वाद से गुरुवार दि. 26 जून से रविवार दि. 29 जून तक श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में मठ के मठाधीश महंत अच्युत रामानुजाचार्य ने बताया कि श्री जगन्नाथ मठ (माधवदास झीरा) के तत्वावधान में वैकुंठवासी श्रीश्रीश्री त्रिदण्डी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी की पावन प्रेरणा से प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जा रही है । विज्ञप्ति के अनुसार बुधवार दि. 25 जून को अमावास्या के अवसर पर प्रातः 6.00 बजे से मठ की गौशाला में भक्तो का तांता लगा रहा। वहीं आगामी रथयात्रा कार्यक्रम की तैयारीयों के संदर्भ में एक समीक्षा बैठक श्री जगन्नाथ मठ (माधवदास झीरा) के महंत अच्युत रामानुज स्वामी के नेतृत्व में सम्पन्न हुई जिसमें लव फोर काऊ फाउण्डेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा के मंत्री विरेन्द्र अग्रवाल, होटल परंपरा के संस्थापक श्याम बंग, जगन्नाथ सेवा समिति एवं जगन्नाथ मठ के सभी भक्त परिवारों धर्मप्रेमीयों ने भाग लिया। इस अवसर पर अजय स्वामी ने कहा कि जगन्नाथ धाम सनातन धर्म व पुराणों के आधार पर चार धामों में से एक है। जगन्नाथ धाम को धरती पर वैकुंठ भी कहा गया है । यहाँ पर भगवान विष्णु ने विभिन्न प्रकार

की लीलाएं की थी । जगन्नाथ धाम भाई-बहन के पवित्र रिश्तों का भी प्रतीक है।

अच्युत अजय स्वामी ने कहा कि श्री जगन्नाथ मठ (माधवदास झीरा) सीतारामबाग में जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव के अंतर्गत गुरुवार दि. 26 जून 2025 को प्रातः 10.00 बजे से दर्शन, भगवान को भोग, विशेष पूजा-आरती, भगवान को रथ में विराजमान किया जायेगा। शुक्रवार दि. 27 जून को ध्वज पूजा, छप्पन भोग दर्शन होंगे और सायं रथ आरती एवं रथ प्रस्थान पूजा होगी। तत्पश्चात भक्तों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्त रहेगी। इस अवसर पर अनंत श्रीविभूषित त्रिदंडी रामचंद्ररामानुज जियर स्वामीजी पीठाधीपति भीमावरम (श्रीभाष्यकार सिद्धांत पिठम), श्रीश्रीश्री त्रिदंडी श्रीमन्न नारायण रामानुज चिन्न जियर स्वामी का मंगला शासन होगा। शनिवार दि. 28 जून को ज्ञानबाग स्थित कम्युनिटी हॉल में सुंदरकांड पाठ और सायं महाप्रसाद का कार्यक्रम होगा। रविवार, दि. 29 जून को प्रभु जगन्नाथ ज्ञागबाग कोलोनी से श्री जगन्नाथमठ वापस आयेंगे।

महंत अच्युत रामानुजाचार्य ने कहा कि इस वर्ष जगन्नाथ रथयात्रा भव्यता के साथ निकाली जा रही है अतएव सभी भक्तों से जगन्नाथ रथयात्रा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने आगे कहा कि भगवान जगन्नाथ मंदिर में रथयात्रा के दौरान झाडू से सफाई करके छेरा-पहंरा की रस्म अदा की जायेगी। मंदिर में ही आषाढ सुदी द्वितीय को श्री जगन्नाथ स्वामी, बहन सुभद्रा, भ्राता बलभद्र जी की वैदिक परंपरा के अनुसार पूजन व अभिषेक किया जायेगा और छप्पन भोग लगाया जायेगा।

वार्षिक रथयात्रा अंतर्गत रामसिंह विरेन्द्र अग्रवाल परिवार की ओर से भगवान जगन्नाथ की साज सज्जा के लिए सहयोग, श्यामजी बंग की ओर से वृद्धाश्रम के लिए सिलिंग फैन के लिए सहयोग, लव फॉर काऊ की ओर से गौशाला में सहयोग किया गया। अन्य भक्तों ने अपनी ओर से कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए सहयोग एवं सहायता की घोषणा की है। इसी संदर्भ में चुन्नीलाल बृजलाल बांगड़ ने पोशाक सेवा एवं तीन डिब्बा घी-छप्पन भोग सेवा, कमलकिशोर कांकाणी ने सब्जी सेवा, रामनिवास श्यामसुंदर लाहोटी परिवार द्वारा 2.5 कुटल आटा, एक कुंटल शक्कर, 50 किलो रवा, तीन तेल डब्बा, 15 किलो चना, गजानंद प्रमोद कुमार भुवानिया द्वारा 120 किलो बेसन, राधेश्याम अग्रवाल ने पुष्प सजावट सेवा, दुलीचंद गजानंद बुवानिया ने बेसन सेवा, दिनेश सोनी ने गझमाला सेवा, पुरूषोत्तम झंवर ने चावल सेवा, विरेन्द्र रामसिंह अग्रवाल, रामकिशन अग्रवाल, नवीनकुमार अग्रवाल परिवार द्वारा सामग्री सेवा, अनिरूद्ध अग्रवाल ने 5 टीन ऑयल, जितेन्द्र अवस्थी ने आटा सेवा, कुंतीदेवी शर्मा ने नमक सेवा, लक्ष्मण शर्मा ने शक्कर सेवा, गिरिराज मर्दा ने मूंग मोट चना सेवा, मनोहर संतोष देवडा ने पत्ताल, डोप्पा, ग्लास सेवा एवं स्वराज्या रामकृष्ण लक्ष्मी अडंकी, सत्यनारायण कैलाशचंद मणियार, विजयी दिक्षित, अरूणा किशोर अग्रवाल, रमेश उर्मिला मोदानी, पूनम सिंह, बसंतीबाई दोमलगुडा, कनैयालाल पुरूषोत्तम लड्ढा द्वारा 52 किलो चावल, 50 किलो आटा, 15 किलो तेल, सुरेश सपना भाटी द्वारा 50 किलो शक्कर, रमेशकुमार निर्मला भालोटिया द्वारा 4 डब्बा तेल, रमेश हेडा द्वारा एक डब्बा तेल, मुन्नालाल सत्यनारायण जगदीश लोया द्वारा पूर्ण हल्दी, धन्या मिर्ची सेवा, विष्णुप्रसाद नवीन अग्रवाल, पुरूषोत्तमजी रूपश काकडा, जेठमलजी परमानंद बंसल, धनराज महेन्द्र सिंगनोडिया, जयप्रकाश शोभा तापडिया, डॉ. नरसिंहदास मधुसुदन पल्लोड, रमेश मोदानी, गौरीलाल धनराज रतनलाल पंवार, ढेढराज अनीलकुमार शर्मा, भगवत सेवा, निलकंठ राव ि्ष्णा चैतन्या, सुरेश मंजु लाहोटी, बालाजी स्वीट हाउस मल्लेपल्ली, हिना अवस्थी (पूना) द्वारा राशि सेवा देने की घोषणा की गई। सेवा देने के अन्य इच्छुक मठ से संपर्क कर सकते है।अमावस्या के अवसर पर हिरानंद रामसुख इन्नानी परिवार (गोविंद इन्नाणी) द्वारा प्रतिवर्ष की भांति संकल्प लेकर सालभर के लिए दो गाय के लिउ सेवा राशि प्रदान की। महावीर प्रसाद शर्मा, प्रेमचंद कांकाणी, श्यामसुंदर अग्रवाल, सुनिता तोंदावाले की ओर से गौमाता हेतु रोटी सेवा, रमेश मोदानी, डॉ. आलोक शुक्ला आदि ने गौसेवा कार्यक्रम में भाग लिया।

## अमावस्या पर भक्तों ने की गौ सेवा

**हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में आषाढ अमावस्या पर भक्तों ने सपरिवार गौ सेवा की। भक्तों ने सपरिवार उपस्थित होकर गौ माताओं को चारा, कुट्टी, घास, फल, गुड़, चना, सब्जियाँ आदि अर्पित की। इस अवसर पर श्री आईजी गौशाला प्रांगण में राधा कृष्ण, माताजी मंदिर और गौशाला में बड़ी संख्या में गौ भक्तों ने सेवा प्रदान की।

अमावस्या के अवसर पर भजन गायक अचलाराम हाम्बड़, मोहनलाल भायल, गीरधारीलाल प्रजापत, लक्ष्मण सुथार, मनिषा गेहलोत शंकरलाल गेहलोत, बबलू ने अपनी मधुर वाणी में भक्ति गीत प्रस्तुत किए ।

इस अवसर पर अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, उपाध्यक्ष-कालुराम काग, सचिव-हुक्माराम सानपुरा, कोषाध्यक्ष-नारायणलाल परिहार, भगाराम मुलेवा, मोतीलाल काग, गीरध-ारीलाल चोयल, अर्जुनलाल बर्फा, भंवरलाल मुलेवा, प्रकाश चोयल, बाबूलाल मुलेवा ओमप्रकाश पंवार, पवन हाम्बड़, चन्द्र प्रकाश गेहलोत, कानाराम, बाबूलाल लचेटा, नारायणलाल आगलेचा ,भंवरलाल बर्फ़ा, भंवरलाल चोयल माधुराम चोयल, प्रकाश हाम्बड़, कालुराम काग चितल, तुलसाराम सिन्दडॉ, सुरेश सैणचा, चेलाराम चोयल , लाबुराम, मोतीलाल, नारायणलाल बर्फा, रमेश, जगदीश मालवीया, जगदीश सीरवी, कैलाश सानपुरा और महिला मंडल की ओर से मैना पंवार, प्रेमा सीरवी, मांगीबाई मुलेवा, तुलसी मुलेवा आदि ने भाग लिया। राजस्थानी मित्र मंडल रामंतापुर, हब्सीगुड़ा, अम्बरपेट द्वारा महा प्रसादी की व्यवस्था की गई। उक्त कार्यक्रम में मारवाड़ी युवा मंच मेडचल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

कुंभ मेला अग्रवाल बंधु, अशोक फाउंडेशन के तत्वावधान में मंगलवार को अमावस्या के पर अशोक फाउंडेशन के अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में भण्डारा चौक-रिकाबगंज में भंडारा का आयोजन किया गया। भंडारे का शुभारंभ देवी अन्नपूर्णा, मां भगवती की पूजा-अर्चना के साथ पंकज कुमार अग्रवाल, श्रीनिवास, सुनील, बालाजी व अन्य कार्यकर्ताओं की उपस्तिथ में धर्म की जय घोष के साथ हुआ।

फ्रेंड्स ग्रुप मंगलहाट द्वारा अमावस्या के उपलक्ष्य में अन्नदानम का आयोजन अनिल मेडिकल हॉल, कमाठीपुरा, मंगलहाट के पास किया गया। इस अवसर पर मनोज अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, महेश अग्रवाल, यश अग्रवाल, विजय, नितिन एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

# आपातकाल भारतीय लोकतंत्र पर एक धब्बा : बंडारू दत्तात्रेय

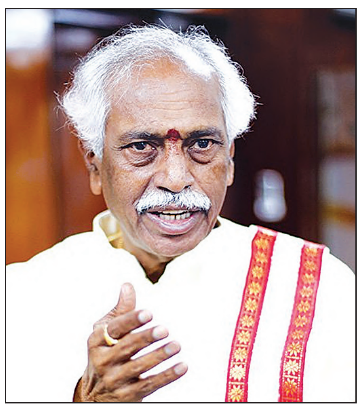

**चंडीगढ़, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने 25 जून, 1975 को भारत में आपातकाल लागू होने के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर, भारत की लोकतांत्रिक यात्रा के सबसे अशांत अध्यायों में से एक पर मार्मिक विचार व्यक्त किए। इसे स्वतंत्र भारत के इतिहास का सबसे काला दिन बताते हुए, राज्यपाल श्री दत्तात्रेय ने आपातकाल की 21 महीने की अवधि के दौरान नागरिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक अधिकारों के व्यापक हनन को रेखांकित किया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र को निलंबित करने का कदम इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस फैसले के बाद राजनीतिक अशांति से प्रेरित था, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 1971 के चुनाव को चुनावी कदाचार के कारण अमान्य घोषित कर दिया गया था। इस फैसले के बाद जयप्रकाश नारायण जैसे दिग्गजों के नेतृत्व में देशव्यापी विरोध और जन-आंदोलन शुरू हो गए थे।अपने वक्तव्य में राज्यपाल श्री दत्तात्रेय ने उस समय की गंभीर आर्थिक कठिनाइयों और राजनीतिक दमन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मीसा और डीआईआर जैसे निवारक निरोध कानूनों के तहत एक लाख से अधिक नागरिकों को हिरासत में लिया गया था। प्रेस को चुप करा दिया गया, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगा दिया गया और असहमति की आवाज़ों – चाहे वे राजनीतिक नेता हों, पत्रकार हों या छात्र – को चुप करा दिया गया।राज्यपाल श्री दत्तात्रेय, जो उस समय निज़ामाबाद और आदिलाबाद क्षेत्र (तब आंध्र प्रदेश, अब तेलंगाना) में आरएसएस प्रचारक थे, ने आपातकाल का विरोध करने के अपने व्यक्तिगत अनुभवों को याद किया। उन्होंने याद करते हुए कहा, गिरफ़्तारी से बचने के लिए, मैंने अपना नाम बदलकर धर्मेंद्र रख लिया और पश्चिमी कपड़े पहनकर भूमिगत हो गया। अन्य स्वयंसेवकों के साथ, मैंने नागरिकों को सूचित करने और हिरासत में लिए गए नेताओं के परिवारों का समर्थन करने के लिए भूमिगत बुलेटिन वितरित किए। उन्हें अंततः बेल्लमपल्ली में गिरफ्तार कर लिया गया और हैदराबाद के चंचलगुडा सेंट्रल जेल में मीसा के तहत जेल में डाल दिया गया। वहाँ, उन्होंने विभिन्न वैचारिक पृष्ठभूमि के व्यक्तियों के साथ जगह साझा की – भावी केंद्रीय मंत्रियों से लेकर कार्यकर्ताओं और यहाँ तक कि नक्सलियों तक। उन्होंने कहा, हम सभी अन्यायपूर्ण तरीके से जेल में बंद थे और हमारे बीच एक खामोश भाईचारा था। हमारी एकता लोकतंत्र को बहाल करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता से आई है।एक बात जो उन्हें आज भी प्रेरित करती है, वह है 1977 के चुनाव परिणामों से उपजी आशावादिता। यह घोषणा कि श्रीमती इंदिरा गांधी और संजय गांधी पीछे चल रहे हैं, एक महत्वपूर्ण मोड़ था। जेल की हवा में आशा की लहर थी, उन्होंने अपने साथी कैदी एडवोकेट राजा बोस के गीत 'सवेरे वाली गाड़ी से चले जाएंगे' को खुशी में गाया था।

उन्होंने कहा कि आपातकाल ने उनके जीवन को गहराई से प्रभावित किया। मैं राजनीति, लोकतंत्र और सार्वजनिक सेवा के बारे में एक नए दृष्टिकोण के साथ जेल से बाहर आया। मैंने संवैधानिक मूल्यों के लिए दृढ़ रहने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को पोषित करने के महत्व को सीखा।

राज्यपाल श्री दत्तात्रेय ने भारत के लोगों, विशेषकर युवाओं से सतर्क रहने और राष्ट्र के लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हमारे लोगों की दृढ़ता के कारण हमारा लोकतंत्र कठिन परीक्षाओं से गुजरा है। हमें उनके बलिदानों को कभी नहीं भूलना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसा अध्याय कभी दोहराया न जाए। उन्होंने लोकतंत्र के सभी चार स्तंभों – विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया – को और मजबूत करने के महत्व को दोहराया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत एक जीवंत, स्वतंत्र और निष्पक्ष समाज बना रहे।

# समाज हित पैनल के प्रत्याशियों की बैठक सम्पन्न

**हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** अग्रवाल समाज तेलंगाना समाज हित पैनल के प्रत्याशियों की एक बैठक मूसापेट स्थित संतोषी ढाबा में सम्पन्न हुई। अध्यक्ष पद के प्रत्याशी नरेंद्र गोयल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम समाज के युवा, महिला, बुजुर्ग, व्यवसाय करने के इच्छुक, विद्यार्थियों, विधवाओं, चिकित्सा आदि के लिए आर्थिक सहयोग के साथ, समाज का अपना डायग्नोस्टिक सेंटर, शाखाओं को वर्ष भर के कार्यक्रमों में आर्थिस सहायता, परिवारों में आए दिन हो रहे डाइवर्स, कानूनी सलाह, मेडिकल सलाह आदि के लिए हेल्प लाइन समिति का गठन के अतिरिक्त और भी कई योजनाएं करेंगे। हम जो भी कह रहे हैं उसे पूरा करेंगे। अवसर पर . उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी गोविंद नारायण मोदी, मंत्री पद के प्रत्याशी सी ए हरि गोविंद प्रसाद, संयुक्त मंत्री पद के प्रत्याशी डॉ.प्रशांत गुप्ता, कोषाध्यक्ष पद के प्रत्याशी हनुमान दास अग्रवाल ने भी अपने विचार रखे।

अवसर पर 13 शाखा के पदाधिकारी एवं गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। जिन्होंने अपने विचार और सुझाव रखते हुए समाज हित पैनल को पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया।

# नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का.) हैदराबाद (3) की छमाही बैठक सम्पन्न

**हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हैदराबाद (3) की 15वीं एवं 16वीं छमाही बैठक दिनांक 24.06.2025 को शाम 3.30 बजे सीएसआईआर – राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में स्थित एस बी हाल में आयोजित हुई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नराकास (का.) हैदराबाद (3) के अध्यक्ष तथा सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. प्रकाश कुमार ने की। इस अवसर पर राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, तेलंगाणा के राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री गुंटुकु प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), बेंगलूरु के उप निदेशक श्री अनिर्बान कुमार बिश्वास, हिन्दी शिक्षण योजना की उप निदेशक (प्रभारी) डॉ. सीमा कुमारी और श्री चि.वें. सुब्बाराव, समिति के सदस्य सचिव एवं वरि. हिन्दी अधिकारी, सीएसआईआर-एनजीआरआई भी मंचासीन अतिथियों में थे। इस अवसर पर नराकास, हैदराबाद (3) के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश कुमार ने बैठक में उपस्थित सदस्य कार्यालय अध्यक्षों एवं हिन्दी पदाधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने इस अवसर पर सभी को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय की स्थापना के 50 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में सभी को बधाई दी। इस अवसर पर राजभाषा विभाग द्वारा 26 जून को नई दिल्ली में तथा 10 जुलाई 2025 को हैदराबाद में आयोजित किए जाने वाले स्वर्ण जयंती सम्मेलन में शामिल होने की अपील भी उन्होंने की। उन्होंने आगे कहा कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की यह बैठक हमें न केवल राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार की दिशा में हमारी प्रगति की समीक्षा का अवसर देती है, बल्कि आगामी छह महीनों के लिए स्पष्ट योजनाएँ बनाने का मंच भी प्रदान करती है। प्रशासनिक कामकाज में हिंदी भाषा का अधिक उपयोग करने के राजभाषा नीति के मूल उद्देश्य में सभी कार्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह केवल एक संवैधानिक दायित्व नहीं, बल्कि हमारी भाषाई अस्मिता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का भी दायित्व है। पिछले छह महीनों के दौरान, समिति के सदस्य कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग में सकारात्मक वृद्धि देखी गई है, जो कि सराहनीय है। साथ ही, हमें ऐसे उपाय खोजने होंगे, जिनसे राजभाषा के प्रयोग को न केवल सरल और सुगम बनाया जा सके, बल्कि कर्मचारियों को भी इसके प्रति जागरूक और प्रेरित किया जा सके। उन्होंने विश्वास जताया है कि इस बैठक से सभी सदस्य कार्यालयों को राजभाषा कार्यान्वयन में नई दिशा प्राप्त होगी।तत्पश्चात बैठक के मुख्य अतिथि एवं राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र, तेलंगाणा के राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री गुंटुकु प्रसाद ने अपना वक्तव्य देते हुए राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन को सुगम बनाने हेतु किए जा रहे साफ्टवेयर और ऐप्लिकेशन निर्माण संबंधी प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कंठस्थ, ई-ऑफिस में स्व-स्थाने अनुवाद, ई-सेवा पंजी, राजभाषा विभाग की विभिन्न वेब आधारित उपकरणों का उल्लेख किया, जिनसे राजभाषा कार्यान्वयन को गति मिलेगी। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि एनआईसी द्वारा विकसित इन उपकरणों का भरपूर उपयोग करें और अपने-अपने कार्यालयों में राजभाषा के कार्यान्वयन को सफल बनाएं। तदुपरान्त क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), राजभाषा विभाग, बेंगलूरु से पधारे उप निदेशक (कार्यान्वयन) श्री अनिर्बान कुमार बिश्वास जी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत सरकार द्वारा भारतीय भाषाओं के विकास के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में गृह मंत्रालय द्वारा राज्य सरकारों से किए जाने वाले पत्राचार में तत्संबंधी राज्य की स्थानीय भाषा का उपयोग किया जाएगा। इसीलिए भारतीय भाषा विभाग की स्थापना की गई। उन्होंने अपील की कि राजभाषा कार्यान्वयन को लेकर राजभाषा विभाग द्वारा दिए गए वार्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयास करें। उन्होंने राजभाषा विभाग द्वारा बनाया गया साफ्टवेयर कंठस्थ के बारे में सदस्यों को जानकारी दी और कहा कि इसके उपयोग से राजभाषा के प्रचार-प्रसार में कठिनाइयाँ दूर होंगी। हिन्दी को सब लोग एक सार्वत्रिक संपर्क भाषा के रूप में अपनाना चाहिए। इससे भारत जैसे बहुभाषी देश में भाषाई दिक्कत दूर होगी।

इस अवसर पर हिन्दी शिक्षण योजना की प्रभारी डॉ. सीमा कुमारी जी ने अपना वक्तव्य देते हुए हिन्दी शिक्षण योजना की ओर से चलाई जाने वाली भाषा प्रशिक्षण, टंकण एवं आशुलिपि कक्षाओं की आगामी समय-सारणी की सूचना दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सभी सदस्य कार्यालय हिन्दी शिक्षण संबंधी व्यावहारिक कठिनाइयों को हिन्दी शिक्षण योजना कार्यालय से संपर्क करके दूर करें। उसके लिए हिन्दी शिक्षण योजना की ओर से हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

इसके बाद समिति के सदस्य सचिव श्री चि.वें. सुब्बाराव जी ने सदस्य कार्यालयों द्वारा भेजे गए राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी छमाही प्रगति प्रतिवेदनों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कार्यालयों द्वारा राजभाषा विभाग द्वारा दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा न.रा.का.स. की बैठकों में कार्यालय प्रमुखों की उपस्थिति की अनिवार्यता को लेकर जानकारी दी। इसके उपरांत बैठक में उपस्थित हिन्दी पदाधिकारियों द्वारा पुछे गए सवालों का जवाब क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण) के उप निदेशक श्री अनिर्बान कुमार बिश्वास तथा हिन्दी शिक्षण योजना की प्रभारी डॉ. सीमा जी ने दिया।

इस बैठक में समिति के अनेक सदस्य कार्यालयाध्यक्षों के साथ-साथ हैदराबाद मंडल रेल प्रबंधक श्री लोकेश बिश्नोई, कर्मचारी भविष्यनिधि आयुक्त श्री तेज प्रताप सिंह यादव, डीएमआरएल के निदेशक डॉ. बालमुरली, सीसीएमबी के निदेशक डॉ. विनय नंदिकूरि, आईआईएमएच के निदेशक डॉ. जी. प्रसाद, कें.लो.नि.वि. के मुख्य अभियंता श्री एम. सीतारामा राव, सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट श्री बी. संतोष रेड्डी, सीजीएचएस की अपर निदेशक डॉ. रोहिणी, और ईटीडीसी की वरि. निदेशक श्रीमती मारुती देवी जैसे गणमान्य व्यक्तित्व उपस्थित थे।

इससे पहले मंचासीन अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छों से किया गया। मुख्य अतिथि का परिचय सीएसआईआर-एनजीआरआई के कनि. हिन्दी अनुवादक श्री अजीत कुमार ने दिया। समिति के अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि श्री गुंटुकु प्रसाद, मंचासीन अतिथिगण श्री अनिर्बान कुमार बिश्वास और डॉ. सीमा कुमारी जी का सम्मान स्मृति चिह्न तथा शाल से किया।

बैठक की विधिवत् समाप्ति सीएसआईआर-एनजीआरआई के कनि. हिन्दी अनुवादक श्री अजीत कुमार द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुई। बैठक का संचालन समिति के सदस्य सचिव श्री चि.वें. सुब्बाराव ने किया। इस बैठक में समिति के विभिन्न कार्यालयों से लगभग 120 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

अमावस्या के अवसर पर इमलीबन गौशाला में गौ सेवा करते हुए जामबाग डिविजन के पार्षद राकेश जायसवाल। साथ में हैं ए गौतम जैन, पी. राजेंद्र यादव, गजानंद चौधरी, रघु, नंद गोप, एम. नरसिंह राव, प्रेमचंद मुणोत, सुरेश एवं अन्य।

# राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में भाग लेंगे गोविंद अक्षय

**हैदराबादा, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** भारत सरकार – रक्षा मंत्रालय, रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन (डीआरडीओ) विशेष परियोजना निदेशालय (डीएसपी) के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी व राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य सचिव श्री टी. गोविंद सिंह काछी (कवि गोविंद अक्षय) बुधवार, 25 जून, 2025 से 27 जून, 2025 तक तीन दिनों तक नयी दिल्ली में साहित्यिक यात्रा पर रहेंगे और राजभाषा विभाग स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेंगे। राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में राजभाषा विभाग स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन गुरुवार 26 जून 2025 को भारत मंडपम नई दिल्ली में संपन्न होगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अमित शाह माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री भारत सरकार होंगे। माननीय मुख्यमंत्री दिल्ली श्रीमती रेखा गुप्ता, माननीय ग्राम राज्य मंत्री श्री बंडी संजय कुमार, संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष श्री भृषर्तहरि मेहताब, संसद सदस्य राज्य सभा डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, संसद सदस्य राज्य सभा श्रीमती सुधा मूर्ति, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास दिल्ली हिंदी शिक्षाविद् एवं लेखक दक्षिण भारत (तमिल), राजभाषा विभाग के पूर्व सचिव सेवानिवृत्ति श्री बालेश्वर राय बतौर सम्माननीय अतिथि के रूप में मंचासीन रहेंगे। इस अवसर पर 'राजभाषा विभाग 50 वर्ष प्रगति और समरसता की ओर' विषय पर डॉ.राजलक्ष्मी कृष्णन, हिंदी शिक्षाविद् एवं लेखक दक्षिण भारत (तमिल) डॉ. निशांत जैन, आईएएस सचिव जयपुर विकास प्राधिकरण, डॉ. बिचार दास, निदेशक सेवानिवृत्ति ईटीबी, डॉ. वर्षा दास शिक्षाविद् (गुजराती) अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। अर्धसैनिक बलों द्वारा इस अवसर पर देशभक्ति आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाएंगे।

**IN THE COURT OF THE HON'BLE I SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT AT: HYDERABAD**
**S.O.P. NO. 53 of 2025**

Between:
**Smt. Manorama Jain and others**
And
...Petitioners
**1. CL. Educate., Limited**
**2. KFIN Thenologies**
**3. All Concerned**
...Respondents

To,
**ALL CONCERNED**

Please take notice that above named petitioners have filed the above SOP to grant succession Certificate of Arun Kumar Jain who died on 14-02-2021 in respect of his Equity Shares Vide Folio No. CLE0000010 in CL Educate Limited,. and the same has been posted on 25-07-2025. If any person having objection or claims in this regard, they may appear on **25-07-2025 at 10:30 AM** before the above said court, either in person or through Advocate, otherwise the matter will be decided basing the documents available on record.

**// By order of the Court //**

Sd/-
**M/S. C.G.VIDYASAGAR NAIDU**
**K.RAMA MURTHY**
**B. HARIKA**
**ADVOCATES**

नरसिंग दास आत्माराम, बड़ागाँव वाले परिवार द्वारा गोल्डन टेंपल, बंजारा हिल्स में आषाढ़ अमावस्या के अवसर पर करीब 400 स्थानीय निवासियों में अन्न प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर परिवार के सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, मधु अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, श्रद्धा अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

अमावस्या के पावन अवसर पर बजरंग सेना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने कोटि के रानी पार्क के पास नाला पोचम्मा मंदिर में पवित्र चंडी होमम किया। समाज की खुशहाली और समृद्धि के लिए यह शक्तिशाली वैदिक अनुष्ठान किया गया। होमम के बाद बजरंग सेना द्वारा किए गए सामुदायिक सेवा के तहत सभी भक्तों और उपस्थित लोगों को अन्न प्रसाद वितरित किया गया। बजरंग सेना की टीम के साथ सुरेंदर सुराना, राघव, रवि, साई बिल्ला, शेखर, नरेश, छोटू श्याम और अन्य ने भाग लिया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, पी सी जैन, इंद्रपॉल भोज रेड्डी, संध्या रानी अग्रवाल, विभा देवी अग्रवाल, विजया रेड्डी, पायल रानी, अनिता देवी, डॉ राधा कृष्ण एवं अशोक रूंगटा।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

**CHANGE OF NAME**
I, JASPREET KAUR, spouse of Lt Col Harmanjit Singh Seeray resident of Qtr. No. 106/4, Havelock Lines, Karkhana, Secunderabad- 500009 (Telangana) have Changed my Name from JASPREET KAUR to JASPREET KAUR SEERAY vide Affidavit 25/06/2025, Advocate and Notary P Raveendranath, B.Com, BL

**CHANGE OF NAME**
I, SANGAM, is legally Wedded Wife of Service No. 17015073H, Rank: CFN, Name: GOVIND SONI, Unit: 2 Trg Bn 1 EME Centre, Secunderabad, residing at VILL: BAHUARA, PO: BAHUARA, Teh: BAKHARI, DIST: BEGUSARAI, State: BIHAR, PIN: 851204, I have Changed my name from SANGAM to SANGAM KUMARI That my date of birth is 24-03-1994, Affidavit P DAYAVATHI, LLM Vide Affidavit date 24/06/2025

**CHANGE OF NAME**
I, P DHANA SRI, is legally Wedded Wife of Service No. 17012880M, Rank: NK, Name: PRASADAM NAGARAJU, Unit: 33 CORPS ZONAL WKSP, C/O. 99 APO, Residing at Vill: CHAVALI, PO: CHAVALI, Teh: VEMURU, Dist: GUNTUR, State: ANDHRA PRADESH, Pin:522261, I have Changed my name from P DHANA SRI to PRASADAM DHANA SRI, That my date of birth is 02-10-1998, Affidavit P DAYAVATHI, LLM Vide Affidavit date 24/06/2025

**CHANGE OF NAME**
I, Service No. 6494920M Hav NAGESWARA RAO DEVARAPALLE S/o. DEVARAPALLE CHALAMAIAH, R/o.Vill:Chinthalapalem, Post:H-Gudem, Teh:Besthavarapet, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh-523334 hereby declare that my daughter name is changed from DEVARAPALLI VINDU to DEVARAPALLI VINDU PRIYA.

# पीड़ित परिवार के लिए एक करोड़ की अनुग्रह राशि घोषणा की जाए : प्रवीण कुमार

**कुमरमभीम/आसिफाबाद,25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** बीआरएस नेता डॉ आर एस प्रवीण कुमार ने कहा कि राजशेखर ने अपने नियोक्ता राचकोंडा कृष्णा द्वारा परेशान किए जाने के कारण आत्महत्या कर ली। चोरी के बहाने परेशान किया गया। राचकोंडा कृष्णा ने राजशेखर की मां को भी फोन किया और उनके साथ दुर्व्यवहार किया।कर्ज चुकाने की बात कहने के बाद भी राचकोंडा कृष्णा ने उनकी बात नहीं सुनी।राजशेखर ने अपनी बहन के अस्पताल खर्च के लिए राचकोंडा कृष्णा से 10,000 रुपए उधार लिए थे।

# श्री जगन्नाथ शोभा रथ यात्रा कल

**निजामाबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** प्रतिवर्ष अनुसार इस बार भी श्री जगन्नाथ जी कि भव्य शोभा रथ यात्रा का आयोजन होगा।

आज यहां जारी प्रेस विज्ञाप्ति के अनुसार शोभा रथ यात्रा 27 जून को रामगोपाल विधि स्थित श्री गोपाल मंदिर से सांय 4:31 बजे प्रस्थान होगी यह यात्रा भजन कीर्तन के बिच शहर के देवी रोड , कुमार गलि, मारवाड़ी गलि से गुजरते हुवे पुनः श्रीगोपाल मंदिर पहुंचेंगी । पश्चात रात्रि 7:31 बजे महा आरती एवं गोष्ठी प्रसादी कार्यक्रम होगा।

आयोजकनों ने शहर के सभि श्रद्धालू भक्त गण अधिक से अधिक संख्या में पधार कर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कहा।

# पीड़ित परिवार को न्याय मिले : कोनेरू कोनप्पा

पीड़ित परिवार के सदस्यों के साथ मालिक के घर के सामने धरने पर बैठे सिरपुर के पूर्व विधायक कोनेरू कोनप्पा ने युवक की आत्महत्या के लिए जिम्मेदार खाद दुकान के मालिक

**सिरपुर कागजनगर/ आसिफाबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** पीड़ित परिवार के समर्थन में सिरपुर पूर्व विधायक कोनेरू कोनप्पा राचकोंडा कृष्णा के घर के सामने धरने पर बैठे।पेंचिकल पेट मंडल के अगरगुडा गांव के एक युवक ने खाद दुकान के मालिक राचकोंडा कृष्णा द्वारा परेशान किए जाने के बाद आत्महत्या कर ली। राचकोंडा कृष्णा को कड़ी सजा दिए जाने की मांग की।उन्होंने मांग की कि पीड़ित परिवार को पूरा न्याय मिले और उसके परिवार को 50 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए।

# दिव्यांग छात्रों के विकास के लिए विशेष कार्यक्रम : खुशबू गुप्ता

**कुमरमभीम/आसिफाबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** एकीकृत आदिवासी विकास संगठन – उटनूर परियोजना अधिकारी खुशबू गुप्ता ने कहा कि एकीकृत आदिवासी विकास संगठन के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत विकासम स्कूल में पढ़ने वाले विशेष आवश्यकता वाले छात्रों, मूक-बधिर, लकवाग्रस्त और कलाकार रोगियों के लिए विशेष उपाय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बुधवार को एकीकृत आदिवासी विकास संगठन के तत्वावधान में दिव्यांग छात्रों के विकास के लिए आदिलाबाद जिला मुख्यालय में प्रेरक फिल्म सितारे ज़मीन पर विशेष रूप से दिखाई गई।

इस अवसर पर बोलते हुए परियोजना अधिकारी ने कहा कि दिव्यांग छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों और स्कूल के कर्मचारियों को भी यह फिल्म देखनी चाहिए और ऐसी फिल्मों से दिव्यांगों को आत्मविश्वास और प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रेरक फिल्में न केवल मनोरंजक अनुभव प्रदान करेंगी बल्कि दिव्यांग बच्चों के प्रति जो देखभाल और संवेदनशीलता दिखाई जानी चाहिए, उसे भी दिखाएंगी। उन्होंने कहा कि इससे छात्रों से संवाद करने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम में 539 छात्र, आश्रम बालक एवं बालिका विद्यालय के छात्र, आदिलाबाद विद्यालय के प्रधानाचार्य, ए.टी.डी.ओ. तथा अन्य लोगों ने भाग लिया।

# अशिक्षित महिलाओं की पहचान कर उन्हें साक्षर बनाया जाए : वेंकटेश धोत्रे

**कुमरमभीम/आसिफाबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे ने कहा कि उल्लास कार्यक्रम के तहत जिले में निरक्षर महिलाओं की पहचान कर उन्हें साक्षर बनाया जाए। बुधवार को वे जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में उल्लास कार्यक्रम के तहत एसईआरपी एपीएम और कंप्यूटर ऑपरेटरों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला ग्रामीण विकास अधिकारी दत्ता राव के साथ शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के तत्वावधान में दिए जा रहे उल्लास कार्यक्रम के तहत हर महिला को साक्षर बनाया जाए और निरक्षर महिलाओं की पहचान कर उन्हें साक्षर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि जिले में 22,494 निरक्षर महिलाओं की पहचान की गई है और एसईआरपी को उन्हें साक्षर बनाने में कठिनाई हो रही है, इसलिए ऑपरेटर हर घर जाकर जानकारी एकत्र करें। अब तक 10,227 शिक्षार्थी तथा 1,067 स्वयंसेवकों का चयन किया जा चुका है, तथा अक्षरा के माध्यम से कार्यक्रम में तेजी लाई जाए तथा उल्लास एप के माध्यम से विवरण दर्ज करने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी की जाए। तत्पश्चात, उन्होंने राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता-2025 की दीवार प्रतियों का अनावरण किया। तत्पश्चात, एस.ई.आर.पी. ने ए.पी.एम. के साथ समीक्षा बैठक की तथा कहा कि महिला कोष ऋण तथा स्वयं सहायता समूहों को बैंक लिंकेज उपलब्ध कराने की प्रक्रिया बैंकर्स के सहयोग से शीघ्र पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में पढ़ने वाली छात्राओं को एक समान कपड़े उपलब्ध कराने के लिए प्राचार्यों के हस्ताक्षर प्राप्त किए जाएं, तथा महिला समूहों की आर्थिक मजबूती के लिए आसिफाबाद तथा कागजनगर कस्बों में पेट्रोल पंप स्थापित करने के लिए स्थान चिन्हित किए जाएं।

# नकली फसल उत्पाद किसानों तक न पहुंचे इसके लिए अधिकारियों को सख्त कदम उठाने की जरूरत

**मंचेरियाल, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** पिछले सीजन में अधिकारियो द्वारा जब्त किए गए नकली उर्वरक जिले में मानसून सीजन शुरू होते ही गांवों में बीज और खाद की बिक्री बढ़ गई है। 4.34 जिले के किसानों के पास लाख एकड़ में सभी प्रकार की फसलों की खेती करने का अवसर है, लेकिन नकली फसल उत्पाद किसानों तक न पहुंचे इसके लिए अधिकारियों को सख्त कदम उठाने की जरूरत है।केवल तभी जब आप अतीत के धोखे के प्रति अपनी आँखें खोलेंगे.. जिले में पिछले फसल सीजन में बड़ी संख्या में नकली जैविक खाद जब्त की गई थी। लेकिन, कई तरह के नकली फसल उत्पाद चोरी- छिपे किसानों तक पहुंच रहे हैं और बेचे जा रहे हैं। बरसात के मौसम में जहां खेती का रकबा धीरे-धीरे बढ़ रहा है, वहीं किसानों कोनकली बीज बांटे जा रहे हैं। कृषि विभाग से लाइसेंस प्राप्त डीलर और डिस्ट्रीब्यूटर को ही अपनी दुकानों और गोदामों से बिल पर बिक्री करनी होती है। लेकिन कुछ लोग बिना बिल के सीधे बिक्री कर रहे हैं। वहीं, संबंधित संगठनों के प्रतिनिधि किसानों से एडवांस पेमेंट लेकर उनके घर तक जैविक खाद के बैग पहुंचा रहे हैं। भ्रमित भ्रमित दाता किसानों को मिश्रित खाद जिंक सल्फेट, वर्मीकम्पोस्ट, जैव उर्वरक और पोषक तत्वों के नाम पर नकली उत्पाद बेचे जा रहे हैं। कुछ जगहों पर तो नकली कपास, मिर्च, सब्जियों के बीज और खरपतवार नियंत्रण रसायन सीधे बेचे जा रहे हैं। किसान कुछ नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि उनके पास बिल या पूछताछ करने के लिए कुछ नहीं है। अगर वे अधिकारियों से शिकायत करना भी चाहें तो विक्रेता कहीं नहीं मिलते। यदि आप जानते भी हैं तो कोई बात नहीं। अधिकारियों का कहना है कियदि आप जानते भी हैं तो कोई बात नहीं। अधिकारियों का कहना है कि किसान इसलिए नमूने जांच के लिए नहीं भेज पाते क्योंकि वे कृषि विभाग से मान्यता प्राप्त दुकानों से बीज और खाद नहीं खरीदते। आलोचना यह भी है कि कुछ इलाकों में अधिकारी जानकारी होने के बावजूद उदासीनता बरत रहे है।

# सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक शीघ्र पहुंचाया जाए : रामाराव पटेल

**तानूर, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मुधोल विधायक पवार रामा राव पटेल ने बुधवार को तानूर मे कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक के लाभार्थियों चेक वितरित करते हुवे सरकार से माँग की है इस अवसर पर विधायक पवार रामा राव पटेल ने तेलंगाना सरकार से कहा यह यह योजनाएँ लाभार्थियों तक सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा कर योजनाओं का लाभ लोगों तक शीघ्र पहुंचाया जाने को कहा.विधायक पवार रामाराव पटेल ने बुधवार को तानूर मंडल मंडल केंद्र में रायथु वेदिका में मंडल के संबंधित गांवों के 39 लाभार्थियों को कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक चेक वितरित करते हुए ।

# कांग्रेस नेताओं ने मुख्यमंत्री के चित्र पर दुग्धाभिषेक किया

**मदनूर, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** कांग्रेस पार्टी मंडल अध्यक्ष दरासवार के अध्यक्षता में स्थानिक कृषि बाजार कार्यालय में कांग्रेस पार्टी नेता व किसानों ने मिलर प्रदेश के मुख्य मंत्री रेवंत रेड्डी कृषि मंत्री तुम्ला नागेश्वराव व जुक्कल विधायक तोटा लक्ष्मी कांता राव के प्रतिमा को दूध आभीषक करते हुए स्थानिक नेताओं ने बताए की सरकार द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष ही किसानों के बैंक खातों में फसल निकल ने के लिए खरीब मौसम के लिए रायतु भरोसा निधि जमा करने पर किसानों ने व पार्टी कार्यकर्ता खुशी जताते हुए मदनूर में सीएम रेवंत रेड्डी, मंत्री तुम्माला और जुक्कल विधायक लक्ष्मी कंताराव की प्रतिमा पर दूध से अभिषेक किया।

# शीतल जल प्याऊ का समापन समारोह आयोजित

**मंचेरियाल, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** स्वामी विवेकानंद विद्या परिषद के तत्वावधान में परम पुज्य गुरूजी श्री सुरेश आत्माराम महाराज (चिलकुरु शिवालय के प्रधान अर्चक) के शुभ आशिर्वाद से गत दो माह से मंचेरियाल रेलवे स्टेशन (प्लाट फाम नंबर 2) में चल रहे शीतल जल (मिनरल वाटर) प्याऊ का आज समापन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें रेलवे स्टेशन मास्टर श्री रविंदरजी, रेलवे स्टेशन कस्टम सी.आई. श्री देवेन्द्र जी, हेल्थ इंस्पेक्टर श्री सावनजी को आमंत्रित किया गया तथा इस कार्यक्रम में तन मन धन से सहयोगी श्री योगेन्द्र जी हरीश जी शर्मा, नित्य जल वितरण में सहायक श्री वेंकट स्वामी गौड, व अन्य कई लोगों ने भाग लिया। सब अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया और स्कूल के बच्चों को नोटबुक-पेन बांटे गये। गत दो माह से जल वितरण का कार्य चला रहे राजेश जी आसोपा (शर्मा) द्वारा सबका अभिनंदन किया गया और बाद में रेलवे स्टेशन कर्म चोरियों, यात्रीगणों को अल्पाहार देकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

# दस्त बंद करने को गंभीरता से लिया जाए : दीपक

**मंचेरियाल, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** कृषिः कलेक्टर कुमार दीपक ने सुझाव दिया है कि जिले में स्टॉप-डायरिया कार्यक्रम को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। कलेक्टर ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी हरीश राज और जिला ग्रामीण विकास अधिकारी किशन के साथ कलेक्टर कक्ष में स्टॉप-डायरिया अभियान के पोस्टर का अनावरण किया। इस अवसर पर बोलते हुए कलेक्टर ने सुझाव दिया कि सरकार को जिले में 31 जुलाई तक आयोजित होने वाले स्टॉप-डायरिया कार्यक्रम को सख्ती से लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि डायरिया की रोकथाम के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को जागरूक किया जाना चाहिए कि भोजन करते समय हाथ धोना अनिवार्य है। अगर बच्चे दूध नहीं पीते हैं, अधिक उल्टी करते हैं, शौच जाते हैं, बीमार पड़ते हैं, अस्वस्थ होते हैं, बुखार होता है, सांस तेज चलती है, सांस लेने में कठिनाई होती है और अन्य लक्षण हैं, तो उन्हें तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में ले जाना चाहिए और सही समय पर चिकित्सा सेवाएं मिलनी चाहिए। स्टॉप-डायरिया कार्यक्रम के तहत, यह सुझाव दिया गया कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों में डायरिया को खत्म करने के लिए ओआरएस और जिंक कॉर्नर स्थापित किए जाएं और बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

# स्थानीय निकाय चुनाव का उम्मीदवारों को बेसब्री से इंतजार

**मंचेरियाल, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** स्थानीय निकाय चुनाव का उम्मीदवारों को बेसब्री से इंतजार है। हाईकोर्ट ने 30 सितंबर तक चुनाव कराने का अहम फैसला सुनाया है। स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर जल्द ही अधिसूचना जारी की जाएगी। चरपलहशीळरश्र जिले में 16 जेडपीटीसी, 129 एमपीटीसी, 311 एलओसी हैं। अभी से ही संबंधित पार्टियों के प्रतिनिधि जिला नेताओं से मिलकर उन्हें समर्थन देने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। वे समर्थकों को इकट्ठा कर रहे हैं।

# आदिवासियों के कल्याण के लिए सरकार उठा रही विशेष कदम : दीपक तिवारी

**कुमरमभीम/आसिफाबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएं) दीपक तिवारी ने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री जन मन और प्रधानमंत्री जुगा योजनाओं के माध्यम से आदिवासियों के कल्याण के लिए विशेष कदम उठा रही है। वे बुधवार को जिले के तिरयानी मंडल के पांगडी मदारा गांव में रायथु वेदिका में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए जिला अपर कलेक्टर ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें कई कार्यक्रमों के माध्यम से आदिवासियों के कल्याण के लिए विशेष कदम उठा रही हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासियों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं, पेयजल, बिजली, शिक्षा, आदिवासी किसानों के लिए कृषि खेती पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर आदिवासियों के लिए जाति प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र और बैंक खाते खोले गए हैं। इससे पहले उन्होंने मंडल के भीमजी गुड़ा गांव में मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केंद्र का दौरा कर विद्यार्थियों की उपस्थिति, मूलभूत सुविधाओं के प्रावधान एवं पेयजल सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए, मेनू के अनुसार समय पर पोषाहार उपलब्ध कराया जाए तथा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी गांव में नवनिर्मित ग्राम पंचायत कार्यालय एवं आंगनबाड़ी केंद्र भवनों के निर्माण कार्य का निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाकर उसे शीघ्र पूरा करने के लिए पर्यवेक्षण करें तथा गांव में पेयजल की समस्या के बिना मिशन भागीरथ जल आपूर्ति के लिए कदम उठाएं।

# एटीएम लूट मामले में 2 गिरफ्तार

**मंचेरियाल, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मंचेरियाल जिले के बेल्लमपल्ली में सनसनी मचा देनेवाले एटीएम चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया डीसीपी एगडी भास्कर ने बताया कि चोरी में शामिल पांच आरोपियों में से दो को गिरफ्तार कर लिया गया मंगलवार को बेल्लमपल्ली ग्रामीण पुलिस सर्कल कार्यालय में आयोजित बैठक में एसीपी रविकुमार के साथ विवरण का खुलासा किया गया हरियाणा के जेसीबी ऑपरेटर मोहम्मद मुस्तफा शाहिद अपने सहयोगियों अलीम खान साजिद और आपताब के साथ एटीएम में गए और गैस कटर से मिशन कैश को काट दिया उस समय पुलिस सायरन सुनाई दिया और कैश (30,000 रुपयें) जब्त कर लिया गया बेल्लमपल्ली टू टाउन पुलिस ने एटीएम ऑपरेटर सीएमएस कंपनी के सहायक प्रबंधक शिवकुमार की शिकायत पर मामला दर्ज किया रामागुंडम सीपी के आदेश पर चार टीमों का गठन किया गया और तलाशी अभियान चलाया गया।

# नकली ब्रांडेड चावल बेचने के आरोप में दो व्यापारी गिरफ्तार, 79 क्विंटल चावल जब्त

**मंचेरियाल, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** प्रीमियम गुणवत्ता वाले चावल की आड़ में ब्रांडेड पैकेजिंग में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) चावल बेचकर जनता को धोखा देने के आरोप में तीन व्यापारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और उनमें से दो को गिरफ्तार कर लिया गया मंगलवार को आदिलाबाद कस्बे में गिरफ्तारियां की गईं और पुलिस ने 79 क्विंटल चावल जब्त किया एक आरोपी अभी भी फरार है पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन ने बताया कि आदिलाबाद के गुगुलवर राजेश्वर और शेख अयूब को जय श्रीराम, गोल्डन साइकिल, सूर्या तेजा, मधुरम, दीपम, गीतांजलि, व्हाइट प्लेटिनम और श्री दत्ता जैसे लोकप्रिय ब्रांड नामों वाले बैग में पीडीएस स्टॉक से चावल बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। तीसरा आरोपी शेख असलम अभी फरार है पूछताछ के दौरान राजेश्वर और अयूब ने पीडीएस चावल से खाली ब्रांडेड बोरियों को भरने और त्वरित लाभ कमाने के लिए उन्हें ऊंचे दामों पर बेचने की बात कबूल की सूचना के आधार पर पुलिस ने व्यापारियों की किराने की दुकानों पर छापा मारा और 79 क्विंटल चावल बरामद किया छापेमारी डीएसपी एल जीवन रेड्डी की देखरेख में की गई जिसमें इंस्पेक्टर पी चंद्रशेखर बी सुनील कुमार और एसआई अशोक शामिल थे।

सिकन्द्राबाद स्थित हरियाणा भवन में श्री अनूप-तृप्ति झुनझुनवाला द्वारा कुलदेवी राणी सती दादी जी का (दादी जी का सिंधारा नृत्य नाटिका सहित) मंगल पाठ प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी दादी जी की कृपा से संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्रीमान किशनलाल, कृष्ण कुमार, बलराम, सचिन, विनय जैन, मुकेश चौधरी, नीरज अग्रवाल, अनिल जैन एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति व समस्त झुनझुनवाला परिवार के सभी सदस्य उक्त महामंगल पाठ में सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम को कोलकता के कलाकार व मंगल पाठ वाचक श्री सौरभ मधुकर और श्री केशव मधुकर ने अपने स्वरों से सजाया। इस अवसर पर महाभारत व राणी सती दादी पर आधारित विविध प्रसंग नाट्य रूप में कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किये गये।

## फॉर्मूला ई घोटाला: एसीबी ने जारी जांच में अरविंद कुमार को तलब किया

**हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार को फॉर्मूला ई रेस घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने तलब किया है। उन्हें 1 जुलाई को एसीबी के समक्ष पेश होना है। फॉर्मूला ई रेस घोटाला मामला भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार का अवशेष है, जिसमें बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर को हाल ही में गवाही देने के लिए बुलाया गया है। एसीबी सक्रिय रूप से सुरागों का पीछा कर रही है और मामले की जांच कर रही है।एसीबी की एफआईआर में अरविंद कुमार को पूर्व मंत्री केटी रामा राव और सेवानिवृत्त एचएमडीए इंजीनियर बीएलएन रेड्डी के साथ आरोपी बनाया गया है।एसीबी के सम्मन से पहले कुमार ने राज्य सरकार को सूचित किया था कि उन्होंने स्वयं केटी रामा राव के निर्देश पर धनराशि हस्तांतरित की थी।तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के बाद, यह खुलासा हुआ कि पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार ने कैबिनेट की मंजूरी के बिना हैदराबाद में फॉर्मूला ई सीजन 10 के आयोजकों, फॉर्मूला ई पर 54 करोड़ रुपये (करों में 8 करोड़ रुपये सहित) खर्च किए थे।इसके बाद कुमार को एक ज्ञापन जारी किया गया, जिसमें इस लेनदेन के लिए प्राधिकरण पर सवाल उठाए गए। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि इस आयोजन पर 55 करोड़ रुपये खर्च किए गए और ग्रीनको की सहायक कंपनी ऐस नेक्स्ट जेन के खिलाफ कार्रवाई न करने पर चिंता जताई, क्योंकि उसने इस आयोजन से अपना नाम वापस ले लिया। इसके कारण हैदराबाद में 2024 फॉर्मूला ई रेस रद्द कर दी गई, जो पहले फरवरी में होने वाली थी, आयोजकों ने अनुबंध के उल्लंघन का हवाला देते हुए।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के चुनाव के लिए चुनाव प्रचार करती हुईं टीम एके। प्रचार कार्यक्रम में टीम एके कुल 31 शाखाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर टीम एके का संकल्प पत्र जारी किया गया।

## तेलंगाना हाईकोर्ट ने स्थानीय निकाय चुनाव कराने के लिए तीन महीने का समय दिया

**हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार 25 जून को राज्य सरकार को तीन महीने में स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया।न्यायमूर्ति टी. माधवी देवी ने ग्राम पंचायत चुनाव कराने में देरी को लेकर दायर याचिकाओं पर यह आदेश सुनाया।अदालत ने राज्य सरकार और राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) को 30 सितंबर तक चुनाव कराने का निर्देश दिया। वह इस तर्क से सहमत नहीं था कि उन्हें चुनाव प्रक्रिया शुरू करने के लिए और समय चाहिए। न्यायाधीश ने उन्हें 30 दिनों में वार्डों का विभाजन और 30 सितंबर तक चुनाव की प्रक्रिया पूरी करने को कहा।

पूर्व सरपंचों ने याचिका दायर कर बिना देरी के चुनाव कराने

की मांग की थी। उन्होंने बताया कि पंचायतों का कार्यकाल 31 जनवरी, 2024 को समाप्त हो रहा है और चुनाव पहले ही 18 महीने की देरी से हो चुके हैं।

सोमवार को जस्टिस माधवी देवी ने पूर्व सरपंचों की ओर से दायर छह याचिकाओं पर आदेश सुरक्षित रख लिया था और बुधवार को भी यही आदेश सुनाए गए। आदेश सुरक्षित रखते हुए सिंगल जज बेंच ने राज्य सरकार को याद दिलाया कि उसने पहले हाईकोर्ट को आश्वासन दिया था कि वह फरवरी 2025 तक स्थानीय निकायों के चुनाव करा देगी। अतिरिक्त महाधिवक्ता इमरान खान ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार को स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण घोषित करने के लिए एक महीने का समय चाहिए। अदालत को बताया गया कि अधिकारी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पिछड़े वर्गों के लिए घोषित किए जाने वाले आरक्षण सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का सख्ती से अनुपालन करेंगे।

राज्य चुनाव आयोग की ओर से वरिष्ठ वकील विद्यासागर ने पीठ को सूचित किया कि आयोग सरकार द्वारा आरक्षण की घोषणा के 60 दिनों के भीतर स्थानीय निकायों के चुनाव कराएगा।याचिकाकर्ताओं ने अनुरोध किया कि पीठ उनके कार्यकाल को बढ़ाए या ग्राम पंचायतों के लिए तुरंत चुनाव कराए। उन्होंने तर्क दिया कि सरकार ने उनके कार्यकाल की समाप्ति के बाद उनके स्थान पर विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की। उन्होंने तर्क दिया कि विशेष अधिकारियों की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 243ए और 243घ के विरुद्ध है।

यह तेलंगाना पंचायत राज अधिनियम-2018 का भी उल्लंघन करता है। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि संविधान के अनुसार स्थानीय निकाय चुनाव निर्वाचित निकाय के कार्यकाल की समाप्ति के छह महीने के भीतर होने चाहिए। उन्होंने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में एक वचन दिया था कि 25 फरवरी तक चुनाव करा लिए जाएँगे, लेकिन वह इसे पूरा करने में विफल रही।पूर्व सरपंचों ने पीठ को यह भी बताया कि उन्होंने अपने-अपने गांवों में विकास कार्यों के लिए अपनी जेब से पैसे खर्च किए हैं और अपनी राशि वापस मांगी है। इस बीच, पूर्व सरपंचों ने अदालत के आदेश का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि वार्ड सदस्यों और सरपंचों जैसे जनप्रतिनिधियों की कमी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में शासन ठप हो गया है।

## पुलिस स्टेशन पर प्रदर्शन के बाद एआईएमआईएम एमएलसी और पार्षदों पर जबरन घुसने का मामला दर्ज

**हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के एमएलसी रहमत बेग, पार्टी के तीन पार्षदों और 50 से अधिक अन्य लोगों के खिलाफ शक्ति प्रदर्शन के लिए आरजीआई हवाईअड्डा पुलिस स्टेशन में जबरन घुसने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि यह घटना इस सप्ताह की शुरुआत में हुई थी और पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।शिकायत के अनुसार, आरोपी एमएलसी रहमत बेग (ए 1), शमशाबाद पार्षद ताज बाबा (ए 2), किशन बाग पार्षद हुसैनी पाशा (ए 3), मल्लेपल्ली पार्षद जफर खान (ए 4) और अन्य ने आरजीआई एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन परिसर में बलपूर्वक और अवैध तरीके से प्रवेश किया। पुलिस ने बीएनएस की धारा 132, 221, 329(4), 351(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है, जो सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डालने, अवैध रूप से इकट्ठा होने, आपराधिक बल का इस्तेमाल करने और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने से संबंधित है।

जांच जारी है और अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, एआईएमआईएम एमएलसी रहमत बेग और अन्य के खिलाफ मामला सोमवार रात शमशाबाद में उत्पन्न तनाव से जुड़ा है, जब गौरक्षकों के एक समूह ने बैलों को ले जा रहे पशु व्यापारियों पर कथित तौर पर हमला किया, उनके साथ मारपीट की और उनसे नकदी और मोबाइल फोन लूट लिए।घटना के बाद मवेशियों को स्थानीय गौशाला में भेज दिया गया। इसके जवाब में एमएलसी रहमत बेग और एआईएमआईएम नेता हमले का विरोध करने और कार्रवाई की मांग करने के लिए आरजीआई एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन पहुंचे, जिसके बाद थाने में तीखी नोकझोंक हुई, जो बाद में अतिक्रमण के मामले का आधार बनी।

## कविता ने सोनिया गांधी के लिए पोस्टकार्ड अभियान शुरू किया

**हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** बीआरएस एमएलसी के. कविता ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला और उन पर टीडीपी प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ सांठगांठ करने का आरोप लगाया, जबकि तेलंगाना की महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों से किए गए वादों को नजरअंदाज किया। कविता ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को संबोधित एक पोस्टकार्ड अभियान भी शुरू किया, जिसमें महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता और पेंशन बढ़ोतरी की मांग की गई।मीडिया से बात करते हुए कविता ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को प्रजा भवन में आमंत्रित करने के लिए रेवंत रेड्डी की आलोचना की। उन्होंने कहा, रेवंत ने उन्हें हैदराबादी बिरयानी परोसी और गोदावरी का पानी भेंट किया, जबकि तेलंगाना के लोगों के कल्याण की अनदेखी की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह इशारा तेलंगाना की भावनाओं के साथ विश्वासघात और राज्य आंदोलन के दौरान किए गए बलिदानों की अवहेलना है।कविता ने महिलाओं के लिए 2,500 रुपये मासिक वित्तीय सहायता के वादे को तत्काल लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जो कांग्रेस पार्टी के चुनाव घोषणापत्र का एक प्रमुख घटक है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.